THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 354 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.3 2083 शनिवार, 21 मार्च-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट बोला-वनतारा में कानून का उल्लंघन नहीं हुआ

नई दिल्ली/गांधीनगर, 20 मार्च (एजेंसिया)। सुप्रीम कोर्ट ने वनतारा के खिलाफ दायर एक फाउंडेशन की याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वनतारा में किसी भी तरह के घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं हुआ है। वनतारा के खिलाफ ये याचिका करणार्थम विरम नाम की एक फाउंडेशन ने दायर की थी। याचिका में केंद्र सरकार, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण और अन्य को निर्देश देने की मांग की गई थी। इसमें वनतारा पर जानवरों से संबंधित कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था।

तेल कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दाम 2.35 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाए

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। तेल विपणन कंपनियों ने भारत में प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी का एलान किया है, जिससे विशेष ईंधन का उपयोग करने वाले ग्राहकों पर असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 20 मार्च 2026 से प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में दो रुपये से लेकर 2.35 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया गया है।

पुणे में नई कीमतों के अनुसार, 'स्पीड' और 'पावर' जैसे प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 2.09 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। पहले इस पेट्रोल का भाव 111.68 रुपये प्रति लीटर था, जो अब बढ़कर 113.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है। हालांकि, सामान्य पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

> गांव और किसानों पर मेहरबान रेवंत सरकार

तेलंगाना का 3.24 लाख करोड़ का बजट पेश

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश कर दिया है। इस बार बजट राज्य के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्ल भट्टी विक्रमार्क ने पेश किया है। उन्होंने विधानसभा में 3.24 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश करते हुए ग्रामीण विकास, कृषि और बुनियादी ढांचे पर सबसे बड़ा दांव लगाया है। इस बजट के आंकड़ों को देखें तो साफ है कि सरकार जमीनी स्तर पर बदलाव लाना चाहती है।

तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री मल्ल भट्टी विक्रमार्क ने शुक्रवार को विधानसभा में वर्ष 2026-27 का राज्य बजट प्रस्तुत करते हुए 3,24,234 करोड़ रुपये के कुल व्यय का प्रस्ताव रखा। इसमें 2,34,406 करोड़ राजस्व व्यय तथा 47,267 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट सरकार की जनकल्याणकारी प्रतिबद्धताओं और वित्तीय अनुशासन के बीच संतुलन स्थापित करता है तथा बिना जनता पर अतिरिक्त बोझ डाले विकास योजनाओं को निरंतर जारी रखने पर केंद्रित है। बजट में ग्रामीण विकास और शिक्षा को सर्वाधिक

प्राथमिकता दी गई है। पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए 33,688 करोड़ रुपये तथा शिक्षा के लिए 26,674 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें उस्मानिया विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास हेतु 1,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कृषि के लिए 23,179 करोड़ रुपये, सिंचाई के लिए 22,615 करोड़ रुपये, ऊर्जा क्षेत्र के लिए 21,285 करोड़ रुपये तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के लिए 13,679 करोड़ आवंटित किए गए हैं। अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए संयुक्त रूप से 23,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि निर्धारित की गई है। सरकार ने इस बजट में कई नई योजनाओं की घोषणा भी की है। इंदिरम्मा परिवार जीवन बीमा योजना के तहत 2 जून 2026 से 1.15 करोड़ परिवारों को 5 लाख का बीमा कवर प्रदान किया जाएगा। वहीं, राजीव युवा विकासम योजना के लिए 6,000 करोड़ रुपये का प्रावधान कर युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। शिक्षा क्षेत्र में इंटरमीडिएट स्तर तक मध्यान्ह भोजन योजना का विस्तार किया जाएगा तथा छात्रावास रसोईघरों के आधुनिकीकरण के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

साथ ही आधारभूत संरचना के विकास के तहत मूसी नदी तट के सौंदर्यीकरण तथा नगर में मेट्रो रेल के अगले चरणों के विस्तार के लिए भी विशेष प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 में राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 17,82,198 करोड़ रुपये आंका गया है, जिसमें 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय स्तर की 8 प्रतिशत वृद्धि दर से अधिक है। इस प्रकार तेलंगाना देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला राज्य बना हुआ है। यह बजट सामाजिक न्याय, शिक्षा, युवाओं के सशक्तिकरण और आधारभूत विकास को गति देने वाला बताया गया है। >14

एयरलाइंस को खाड़ी देशों के हवाई क्षेत्र से बचने की सलाह

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने देश की सभी एयरलाइंस को खाड़ी देशों के हवाई क्षेत्रों से बचने और सुरक्षा जोखिम आकलन के बाद आकस्मिक योजनाएं तैयार रखने के निर्देश दिए हैं।

यह कदम यात्रियों और उड़ानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। इससे पहले, डीजीसीए ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के मद्देनजर एअर इंडिया को फ्लाइट ड्यूटी मानकों में अस्थायी छूट देने का फैसला किया था। ईरान और इराक के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के कारण एअर इंडिया को लंबे वैकल्पिक उड़ान मार्गों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, जिससे उड़ान का समय बढ़ गया है।

ईरान ने होर्मुज से गुजरने के लिए 18 करोड़ वसूले

तेहरान, 20 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरने की अनुमति देने के बदले एक निजी तेल टैंकर कंपनी से 20 लाख डॉलर (18 करोड़ रुपये) लिए। हालांकि, ये जहाज किस देश का है इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। लॉयड्स लिस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने अपने समुद्री क्षेत्र में एक 'सुरक्षित रास्ता' बनाया है, जहां से केवल मंजूरी मिलने वाले जहाज ही गुजर सकते हैं।

इसके बदले उनसे टैक्स लिया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत, पाकिस्तान, इराक, मलेशिया और चीन जैसे कई देश अपने जहाजों के सुरक्षित गुजरने को लेकर सीधे ईरान से बात कर रहे हैं। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने ऐसे जहाजों के लिए एक खास रजिस्ट्रेशन सिस्टम भी शुरू किया है, जिन्हें 'सुरक्षित मार्ग' दिया जाएगा। भारत भी अपने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए ईरान से बातचीत कर रहा है। भारत के 22 जहाज होर्मुज और उसके आसपास के समुद्री इलाके में फंसे हैं। लॉयड्स लिस्ट इंटेलिजेंस के मुताबिक, भारत का एक गैस टैंकर ईरान के लारक द्वीप के आसपास से होते हुए ईरानी जलक्षेत्र के जरिए गुजरा, ताकि उसकी पहचान की जांच की जा सके।

पीएम मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन को दी बधाई

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेता मिलकर भारत और बैंकॉक के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के रिश्ते साझा सभ्यता और संस्कृति पर आधारित हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच बहुत पुराने और गहरे संबंध हैं। उन्होंने जोर दिया कि

'और मजबूत करेंगे साझेदारी'

दोनों देश शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट हैं। थाईलैंड के निचले सदन ने गुरुवार को अनुतिन चर्नविराकुल को देश का नया प्रधानमंत्री चुना। उन्हें कुल 293 वोट मिले। 59 साल के अनुतिन को 8 फरवरी के आम चुनाव के बाद संसदीय मतदान में चुना गया है। उनके प्रतिद्वंद्वी नत्थाफोंग रुआंगपान्यवुत को सिर्फ 119 वोट मिले। मतदान के दौरान 86 सदस्यों ने हिस्सा नहीं लिया। अनुतिन की पार्टी 'भूमजईथाई' ने 500 सीटों वाले सदन में 191 सीटें जीती थीं। उन्होंने पीपुल्स पार्टी को पीछे छोड़ दिया, जिसे 120 सीटें मिली थीं। इसके बाद अनुतिन ने 16 पार्टियों का एक गठबंधन बनाया। इसमें फेउ थाई पार्टी भी शामिल है। इस गठबंधन के पास कुल 292 सीटें हैं। अनुतिन पिछले दो दशकों में दोबारा सत्ता में लौटने वाले पहले थाई प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि, उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं। उन्हें साल 2022 में भांग (कैनबिस) को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए जाना जाता है। अगस्त 2025 में पैतोंगतार्न शिनावात्रा को पद से हटा दिया गया था। कंबोडियाई नेता हुन सेन के साथ उनकी फोन कॉल लीक होने के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया था।

इसके बाद अनुतिन ने अल्पसंख्यक सरकार का नेतृत्व किया था। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद भी एक बड़ी समस्या है। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के बाद फिर से लड़ाई शुरू हो गई थी। इस संघर्ष ने अनुतिन को अपनी राष्ट्रवादी छवि मजबूत करने और बहुमत हासिल करने का मौका दिया। अनुतिन के पिता चवरत चर्नविराकुल ने एक बड़ी निर्माण कंपनी 'सिनो-थाई इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन' की स्थापना की थी।

वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भारत लिख रहा निर्णायक अध्याय : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भारत एक निर्णायक अध्याय लिख रहा है, जो कि विद्युतीकरण की तरफ रुझान, स्वच्छ ऊर्जा और मैन्युफैक्चरिंग पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री मोदी ने विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक द्वारा लिखित एक आर्टिकल शेयर किया, जिसमें भारत के ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे तेज बदलाव के बारे में बताया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश का ऊर्जा परिवर्तन व्यावहारिक नीतिगत निर्णयों और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने के द्वारा निर्देशित है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा क्षमता बढ़ाने, विद्युतीकरण को बढ़ावा देने और घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने के भारत के प्रयास इसे वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरने में मदद कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक ने बताया है कि भारत का ऊर्जा परिवर्तन व्यावहारिक नीति और आत्मनिर्भरता की दिशा में स्पष्ट प्रयास से प्रेरित है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, विद्युतीकरण, स्वच्छ ऊर्जा और विनिर्माण पर विशेष ध्यान देने के साथ, भारत वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में एक निर्णायक अध्याय लिख रहा है।

राहुल गांधी बोले-जनता को यूडीएफ पर पूरा भरोसा : बदलाव के लिए तैयार

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। केरल में चुनाव का एलान हो गया है। चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि केरल के लोग अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य में यूडीएफ की सरकार बनाने की वकालत की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा 'टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है।'

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि हर उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, उनकी उम्मीदों और उनके भरोसे को दर्शाता है। इस टीम में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ बदलाव लाने वाले युवा चेहरे भी शामिल हैं। यह पुरुषों और महिलाओं का एक ऐसा मजबूत समूह है, जो अपने चुनाव क्षेत्र की बारीकियों और समस्याओं को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी

ने केरल से अपने खास लगाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मेरे लिए केरलम एक घर की तरह है और वहां के लोग मेरा परिवार हैं। केरल के लोगों ने मुझे जो कुछ भी सिखाया है और मुझे जितना प्यार और अपनापन दिया है, उसके लिए मैं उनका कर्जदार हूं। मैं हमेशा आपका साथी बनकर रहूंगा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि केरलम से मिलने वाला संदेश बिल्कुल साफ है। जनता अब बदलाव चाहती है। वे एक ऐसी सरकार की तलाश में हैं जो उनकी बात सुने, उनकी समस्याओं को समझे और ईमानदारी के साथ काम करके दिखाए। उन्होंने वादा किया कि आने वाली यूडीएफ सरकार के साथ मिलकर वे इस खूबसूरत राज्य के बेहतर भविष्य के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि केरल जीतेगा और यूडीएफ नेतृत्व करेगा।

राहुल गांधी का यह संदेश कांग्रेस की ओर से 92 उम्मीदवारों की सूची जारी होने के एक दिन बाद आया है। केरल में नौ अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्ताधारी एलडीएफ को कड़ी टक्कर देने के लिए कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी ने इस बार किसी भी सांसद को विधानसभा चुनाव के मैदान में नहीं उतारने का फैसला किया है। पार्टी ने अंदरूनी दबाव के बावजूद अपने राज्य स्तर के नेतृत्व पर ही भरोसा जताया है।

अफवाहों पर विश्वास न करें

अपने सिलिंडर की डोर स्टेप डिलिवरी का इंतजार करें

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने अंतर मंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि देश की सारी रिफाइनरी अपनी पूरी क्षमता में काम कर रही है। उन्होंने कहा है कि घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और हम लगातार उपभोक्ताओं से अपील कर रहे हैं, जहां भी संभव हो वे नेचुरल गैस अपनाने की ओर बढ़ें। इस संबंध में राज्य सरकारों को भी पत्र लिखे गए हैं। इस दिशा में पहल करने वाले राज्यों को अतिरिक्त 10 प्रतिशत एलपीजी मुहैया कराने का भरोसा भी दिया गया है। 13700 से अधिक कनेक्शन दिए गए हैं और 7500 से अधिक लोग एलपीजी से पीएनजी पर शिफ्ट हुए हैं। ऑनलाइन बुकिंग्स में लगभग 93 प्रतिशत की बुकिंग ऑनलाइन है।

इजराइल को धमकी देने के बाद ईरानी अफसर की मौत

कहा था-नेतन्याहू के लिए सरप्राइज तैयार, कुछ घंटे बाद एयरस्ट्राइक में मारे गए

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन, 20 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रवक्ता जनरल अली मोहम्मद नैनी की शुक्रवार को हवाई हमले में मौत हो गई। आईआरजीसी ने एक बयान जारी कर उनकी मौत की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नैनी को हालिया हमले में निशाना बनाया गया।

नैनी ने अपने आखिरी बयान में कहा था कि इजराइल और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए 'सरप्राइज' तैयार है। उन्होंने दावा किया था कि ईरान की मिसाइल क्षमता अपने चरम पर है और दुश्मन को जल्द ही इसका असर देखने को मिलेगा। नैनी ने यह भी कहा था कि युद्ध के बावजूद ईरान लगातार मिसाइल उत्पादन कर रहा है और उसके पास पर्याप्त भंडार मौजूद है। लेकिन उनका यह बयान सामने आने के कुछ ही घंटों बाद आईआरजीसी ने पुष्टि की कि नैनी अमेरिकी-इजराइली हमले में मारे गए। ईरान ने इस हमले को 'कायराना' करार देते हुए कहा कि यह उसके शीर्ष सैन्य नेतृत्व को निशाना बनाने की साजिश का हिस्सा है।

चेक गणराज्य में इजराइल से जुड़ी हथियार फैक्ट्री पर हमला

यूरोप में इजराइल से जुड़ी एक बड़ी सैन्य फैक्ट्री पर हमला हुआ है। चेक गणराज्य में इजराइली हथियार कंपनी एल्बिट सिस्टम्स से जुड़ी एक यूनिट में आग लगा दी गई, जिससे कई इमारतें जलकर नष्ट हो गईं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला तड़के किया गया और एक अंडरग्राउंड समूह ने इसकी जिम्मेदारी ली है। खुद को 'अर्थक्वेक फैक्शन' बताने वाले इस समूह ने कहा कि यह साइट यूरोप में इजराइल के सबसे बड़े हथियार निर्माता के ऑपरेशन का अहम हिस्सा थी।

वहीं, चेक पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इसे संभावित आतंकी घटना मानकर जांच की जा रही है। एल्बिट सिस्टम्स इजराइल की एक प्रमुख रक्षा कंपनी है, जो जमीन और हवा में इस्तेमाल होने वाले हथियार बनाती है और इजराइली सेना को

जनरल अली मोहम्मद नैनी

सप्लाई करती है। तबरीज में गुरुवार शाम एक चेकपोस्ट पर हुए हमले में बसीज के 13 सदस्य मारे गए और 18 लोग घायल हो गए। यह जानकारी पूर्वी अजरबैजान प्रांत में रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दी। अधिकारियों के मुताबिक, यह हमला शहर के करामालेक इलाके में हुआ। उन्होंने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है, क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर है। बसीज फोर्स ईरान की एक अर्धसैनिक (पैरामिलिट्री) संगठन है, जो देश की ताकतवर सेना रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) के तहत काम करता है।

'युद्ध स्वार्थ का नतीजा, दुनिया को संघर्ष नहीं सद्भाव चाहिए'

नागपुर में बोले संघ प्रमुख

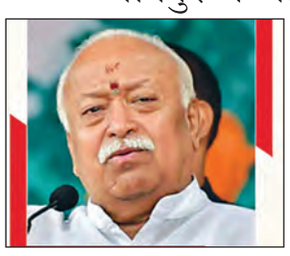

नागपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया में बढ़ते तनाव को लेकर बयान दिया है। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि आखिर क्यों दुनिया में शांति नहीं हो पा रही है। भागवत ने स्वार्थ और दूसरों पर काबू पाने की इच्छा को इन विवादों की जड़ बताया। उन्होंने कहा कि जब तक लोग अपनी सोच नहीं बदलेंगे, तब तक शांति संभव नहीं है। भारत के प्राचीन ज्ञान को उन्होंने दुनिया की समस्याओं का समाधान बताया। उनका कहना है कि पूरी दुनिया को एक परिवार की तरह देखना ही सुख का रास्ता है।

आरएसएस प्रमुख शुक्रवार को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के नए दफतर के भूमि पूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे। मोहन भागवत ने कहा कि पिछले दो हजार वर्षों से दुनिया में शांति के लिए कई प्रयोग किए गए। लेकिन इनमें से कोई भी पूरी तरह सफल नहीं हुआ। आज भी धार्मिक कट्टरता और जबरन धर्म परिवर्तन जैसी समस्याएं मौजूद हैं। लोग खुद को दूसरों से बड़ा और दूसरों को छोटा समझते हैं। यही वजह है कि दुनिया में लगातार संघर्ष और विवाद बने हुए हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि शांति केवल बातों से नहीं आएगी। इसके लिए एकता, अनुशासन और धर्म के रास्ते पर चलना होगा। उन्होंने कहा कि धर्म केवल किताबों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसे लोगों के व्यवहार और आचरण में दिखना चाहिए। अनुशासन और नैतिक मूल्यों का पालन करने के लिए मेहनत और त्याग की जरूरत होती है।

सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई से खुद को अलग किया

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति समिति का मामला

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। सीजेआई सूर्यकांत ने शुक्रवार को चुनाव आयोग नियुक्ति कानून से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। उन्होंने कहा, मुझ पर हितों के टकराव का आरोप लग सकता है। यहां हितों का टकराव है। उस समय उनके साथ जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली भी बेंच में मौजूद थे। यह बेंच उन जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें 2023 के उस कानून को चुनौती दी गई है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली समिति से सीजेआई को हटा दिया गया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने भी सीजेआई की इस बात का समर्थन किया। उन्होंने सुझाव दिया कि मामले को ऐसी बेंच के सामने रखा जाए, जिसमें कोई संभावित सीजेआई न हो, ताकि पक्षपात की आशंका न रहे। >14

'खामेनेई की मौत पर समय पर जताना चाहिए था शोक'

> भारत सरकार के रुख पर थरूर ने कहा

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर भारत को समय पर शोक संदेश भेजना चाहिए था। थरूर के मुताबिक, भले ही भारत अमेरिका और इस्राइल के हमले की निंदा न करता, लेकिन शोक जताना सबसे सही कदम होता।

क्या बोले कांग्रेस सांसद :

थरूर ने कहा कि वह उन लोगों की बात से सहमत हैं जो सरकार के इस फैसले पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन खामेनेई की मौत हुई, उसी दिन भारत को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करनी चाहिए थीं। ईरान में खामेनेई के ऊंचे पद और भूमिका को देखते हुए यह करना बिल्कुल सही होता।

शशि थरूर ने साल 2024 की एक पुरानी घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने याद दिलाया कि जब ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हुई थी, तब भारत ने तुरंत राजकीय शोक की घोषणा की थी और अपनी संवेदनाएं भेजी थीं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि जब दिल्ली में ईरानी दूतावास ने शोक पुस्तिका खोली, तो हमारे विदेश सचिव को तुरंत संवेदनाएं व्यक्त करने के लिए भेजा गया।

> खामेनेई की मौत के दिन ही भारत को संवेदनाएं व्यक्त करनी चाहिए थी। ईरान में खामेनेई की भूमिका को देखते हुए यह बिल्कुल सही कदम होता। अमेरिका और इस्राइल के हमले की निंदा किए बिना भी भारत शोक जता सकता था।
>
> *शशि थरूर, कांग्रेस सांसद*

शोक और निंदा में अंतर :

कांग्रेस नेता ने शोक और निंदा के बीच का अंतर भी समझाया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक कारणों से अगर भारत अमेरिका-इस्राइल के हमले की निंदा नहीं करना चाहता, तो यह ठीक है। लेकिन शोक जताना एक अलग बात है। यह उन लोगों और सरकार के प्रति सहानुभूति दिखाने का तरीका है जिन्होंने अपनों को खोया है। भारत को कम से कम इतनी सहानुभूति तो दिखानी ही चाहिए थी।

अपने लेख पर कही ये बात :

जब थरूर से उनके अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित लेख के बारे में पूछा गया, जो उनकी पार्टी के रुख से थोड़ा अलग था, तो उन्होंने विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, विपक्ष में होने के सोनिया गांधी और विपक्ष के अन्य लोगों ने जो कुछ कहा है, मैं उसकी पूरी सराहना करता हूं।

शादी का झांसा देकर महिलाओं की तस्करी

तीन आरोपी पुलिस हिरासत में

कुमराम भीम आसिफाबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बेज्जर मंडल से शादी का झांसा देकर दो महिलाओं की तस्करी करने के मामले में पुलिस ने महाराष्ट्र के सिरोंचा से तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

इन पर आरोप है कि इन्होंने आदिवासी समुदाय की दो आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को मध्य प्रदेश के खरीदारों को प्रति महिला 24 लाख रुपये में बेचने की साजिश रची थी। पीड़ित महिलाएं आजीविका की तलाश में मंचरियाल कस्बे में पलायन कर गई थीं, जहाँ तस्करों ने उनका विश्वास जीतकर उन्हें अपने जाल में फंसाया।

घटना का खुलासा तब हुआ जब महिलाओं के माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे इस अपराध में कब से लिप्त हैं और खरीदार किस गिरोह या समुदाय से जुड़े हैं। जिले में बीते नौ महीनों के भीतर मानव तस्करी की यह दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले पिछले साल 20 जून को भी पुलिस ने एक कांस्टेबल और पांच महिलाओं सहित आठ लोगों को इसी तरह के मामले में गिरफ्तार किया था। उस समय आरोपियों ने स्वीकार किया था कि उन्होंने दो आदिवासी लड़कियों को मध्य प्रदेश के सेक्स रैकेट संचालकों को बेचा था, जिनमें से एक पीड़िता किसी तरह भागकर पुलिस तक पहुँचने में सफल रही थी। क्षेत्र में लगातार हो रही इन वारदातों ने पुलिस प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल, पुलिस इस रैकेट के मुख्य सरगनाओं और खरीदारों तक पहुँचने के लिए जांच का दायरा बढ़ा रही है। तस्करों के पास से मिले सुरागों के आधार पर मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के अन्य संभावित ठिकानों पर भी नजर रखी जा रही है ताकि ऐसे गिरोहों का पूरी तरह सफाया किया जा सके।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में लिफ्ट में फंसने से व्यक्ति की मौत, परिजनों का हंगामा

कोलकाता, 20 मार्च (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में शुक्रवार तड़के ट्रामा केयर सेंटर की लिफ्ट में फंसने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन की लापरवाही को लेकर तनाव व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे की है। मृतक अस्पताल में भर्ती मरीज का परिजन बताया जा रहा है, जो पांचवीं मंजिल पर जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुआ था।

अचानक तकनीकी खराबी के कारण लिफ्ट बीच में ही अटक गई। आरोप है कि उस समय लिफ्ट का संचालन करने के लिए कोई ऑपरेटर वहां मौजूद नहीं था, जिसके कारण समय रहते उसे बाहर नहीं निकाला जा सका और लिफ्ट के भीतर ही उसने दम तोड़ दिया। भीड़ ने अस्पताल परिसर में जमकर विरोध प्रदर्शन किया और सुरक्षा पर सवाल उठाए।

अधिकारी चुनाव नहीं जीतते, बंगाल चुनाव से पहले तबादलों पर सियासत

ममता दीदी के समर्थन में उतरे उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 20 मार्च (एजेंसियां)।

विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही पश्चिम बंगाल में सियासत गरमा गई है। चुनाव आयोग ने राज्य प्रशासन में बड़ा फेरबदल किया। इस मामले में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इस तरह के व्यापक तबादले केवल गैर-भाजपा शासित राज्यों में और विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में ही होते हैं, लेकिन इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

पश्चिम बंगाल एक बार फिर वही साबित करेगा, जो मैं हमेशा से मानता आया हूं। दरअसल, मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जेपी मीना का तबादला कर दिया गया।

अब्दुला बोले- ममता दीदी भारी बहुमत से जीतेंगी

उमर अब्दुला ने कहा, राजनीतिक दलों के लिए चुनाव, अधिकारी नहीं बल्कि उनके नेता जीतते हैं। चुनाव आयोग द्वारा निर्वाचन क्षेत्रों में हेरफेर करने के किसी भी प्रयास से परिणाम नहीं बदलेंगे।

मतगणना के दिन ममता दीदी भारी बहुमत से जीतेंगी। इससे पहले पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कहा था कि जिस तरह से चुनाव आयोग ने बंगाल को निशाना बनाया है, वह न केवल अभूतपूर्व है, बल्कि बेहद चिंताजनक भी है।

ममता बनर्जी ने जताई थी आपत्ति

उन्होंने कहा था कि चुनाव की औपचारिक अधिसूचना जारी होने से पहले ही मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी, एडीजी, आईजी, डीआईजी, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षकों सहित 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को मनमाने ढंग से उनके पदों से हटा दिया गया है। यह प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि उच्चतम स्तर का राजनीतिक हस्तक्षेप है। ममता बनर्जी ने 16 मार्च को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर राज्य में कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादले पर चिंता भी जताई थी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया था कि विधानसभा चुनावों की घोषणा के तुरंत बाद बिना किसी ठोस कारण और बिना किसी आरोप के प्रशासनिक अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं।

भारत में बैक टू बैक भूकंप के दो झटके

घरों से बाहर निकले लोग

गंगटोक, 20 मार्च (एजेंसियां)। भारत में एक बार फिर भूकंप के दो झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार तड़के सिक्किम के गंगटोक में भूकंप के दोनों झटके महसूस किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों भूकंपों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.6 और 2.7 दर्ज की गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, 3.6 तीव्रता का भूकंप सुबह 4:26 बजे गंगटोक से लगभग 10.7 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 5 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया, जबकि दूसरा भूकंप शहर से 11.2 किलोमीटर पश्चिम में 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों ने बताया कि हिमालयी राज्य के किसी भी हिस्से से किसी के घायल होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है।

शादी का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म

इंदौर, 20 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर में हीरानगर पुलिस ने एक टेलीकॉलर युवती की शिकायत पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। युवती ने आरोप लगाया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए और बाद में मुकर गया। टीआई सुशील पटेल के मुताबिक 21 वर्षीय युवती की शिकायत पर अमन टिकलिया निवासी कंडिलपुरा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। युवती ने बताया कि उसकी मुलाकात करीब चार साल पहले एक पारिवारिक शादी समारोह में अमन से हुई थी। इसके बाद दोनों की इंस्टाग्राम पर बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। युवती के अनुसार, अगस्त 2024 में आरोपी उसे हीरानगर क्षेत्र के एक होटल में ले गया, जहां पहली बार संबंध बनाए। इसके बाद वह अलग-अलग होटलों में कई बार उसे लेकर गया।

रेप के बाद ब्लैकमेल का भी केस लाद दिया

इंदौर, 20 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में मजूदर महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जहां मजदूरी करने आई 35 वर्षीय महिला के साथ आरोपी ने बार-बार दुष्कर्म किया। आरोपी ने पहले भरोसा जीता, फिर महिला को अकेला पाकर उसकी अस्मत लूट ली। इसके बाद लगातार धमकियों के सहारे उसका शोषण करता रहा। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपने पति के साथ मजदूरी करने इंदौर आई थी। पति के दोस्त अमन ने उन्हें एमआर-10 स्थित ससुराल में रहने की व्यवस्था की। दिन में पति काम पर चला जाता और महिला घर पर अकेली रहती थी। इसी दौरान आरोपी विकास पुत्र गुप्तेश्वर राय ने मौके का फायदा उठाकर उसके साथ जबरदस्ती करता। पीड़िता के मुताबिक, गांव पहुंचने के बाद भी आरोपी व्हाट्सएप कॉल के जरिए उसे लगातार धमकाता रहा और मिलने के लिए दबाव बनाता रहा।

सीएम ममता पर भाजपा हमलावर

ईसी पर टिप्पणी मामले में कहा- सलाह-सवाल का हक नहीं; आयोग पर पूरा भरोसा

कोलकाता, 20 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में अगले महीने दो चरणों में चुनाव होने वाले हैं। अब राज्य में सियासी राजनीति तेज हो रही है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता दिलीप घोष ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनर्जी को सलाह देने या सवाल पूछने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनाव आयोग को देशभर का भरोसा हासिल है।

इसके साथ ही निष्पक्ष चुनाव के बाद राज्य सरकार में बदलाव की भविष्यवाणी की। पत्रकारों से बात करते हुए घोष ने कहा, ममता बनर्जी को सलाह देने या सवाल पूछने का कोई अधिकार नहीं है। हर कोई जानता है कि उन्होंने 15 साल तक किस तरह की सरकार चलाई, यहां के अधिकारियों के साथ उनका व्यवहार कैसा था। पूरा देश चुनाव आयोग पर भरोसा करता है। उन्होंने बिहार में भी सफलतापूर्वक चुनाव कराए हैं। यहां भी सफल चुनाव होंगे और बदलाव आएगा।

ममता ने पत्र में क्या लिखा?

उनकी यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लिखे पत्र के बाद आई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि भारत के चुनाव आयोग ने शिष्टाचार और संवैधानिक औचित्य की सभी सीमाओं को पार कर लिया है। अपने पत्र में, बनर्जी ने विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत के बाद से आयोग की कार्रवाइयों पर चिंता व्यक्त की। इसके साथ ही दावा किया कि इसने स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया है और जमीनी हकीकतों और जन कल्याण की अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग के समक्ष बार-बार इन चिंताओं को उठाया था, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला, जिसके कारण उन्हें लोकतांत्रिक और मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय का रुख करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का लगाया आरोप

पत्र में लिखा है भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के कामकाज से मैं बेहद आहत हूं, जिसने मेरी राय में मर्यादा और संवैधानिक मर्यादा की सभी सीमाओं को पार कर दिया है। तथाकथित विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत से ही, ईसीआई ने स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया है और जमीनी हकीकत या जनता के कल्याण की कोई परवाह नहीं की है। मैंने बार-बार आयोग के ध्यान में ये चिंताएं लाईं, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। मुझे जनता के मौलिक और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख करना पड़ा। ईसीआई की मनमानी कार्रवाइयों के कारण आम जनता को हो रही परेशानियों और उठाई गई चिंताओं को स्वीकार करते हुए, न्यायालय ने हस्तक्षेप किया और कुछ निर्देश जारी किए,

जिस सीआईडी पर थी नशे की फैक्ट्री बंद कराने की जिम्मेदारी उसी के 4 जवान करने लगे ड्रग्स तस्करी का खेल

शिमला, 20 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में सीआईडी के चार सब-इंस्पेक्टर को नशा तस्करों के साथ मिलीभगत के मामले में गिरफ्तार किया गया। कुल्लू जिले के निवासी चारों सब-इंस्पेक्टर राजेश कुमार (40), समीर (40), नितेश (46) और अशोक कुमार (42) के रूप में हुई है। एक ओर, जहां हिमाचल सरकार ड्रग्स माफिया के खिलाफ पंचायत स्तर पर अभियान छेड़ चुकी है, वहीं सीआईडी के एसआई की सांठगांठ सामने आना चिंताजनक भी है। शिमला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अभिषेक धीमान ने मीडियाकर्मियों को बताया कि 3 मार्च को जिला पुलिस ने दो व्यक्तियों को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1.1 करोड़ रुपये से अधिक है। पुलिस पूछताछ में उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता लगा कि सीआईडी के 4 कर्मियों मिलीभगत थी।

शमा मोहम्मद की राहुल गांधी से अपील

महिलाओं को न्याय कब?

तिरुवनंतपुरम, 20 मार्च (एजेंसियां)। केरल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद ने पार्टी के भीतर महिलाओं को कम टिकट मिलने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्हें टिकट नहीं मिला, लेकिन वे हारी नहीं हैं, बल्कि महिलाओं के हक के लिए आवाज उठा रही हैं। उन्होंने राहुल गांधी से अपील की कि वे केरल में कांग्रेस की महिला नेताओं की स्थिति पर ध्यान दें। शमा मोहम्मद ने आंकड़ों के जरिए बताया कि पार्टी ने 92 टिकटों में से सिर्फ नौ महिलाओं को मौका दिया है। वहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 16 टिकटों में से केवल एक महिला उम्मीदवार को टिकट मिला था। उन्होंने इसे बहुत दुखद स्थिति बताया।

इस बीच, केरल में कांग्रेस के नेता और विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने जानकारी दी कि पार्टी ने 95 सीटों के लिए अपने सभी उम्मीदवार तय कर लिए हैं और अब चुनाव प्रचार शुरू किया जाएगा। दूसरी ओर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक भी हुई, जिसमें पुडुचेरी के चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई।

यूडीएफ बदलाव लाने के लिए तैयार- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने भी केरल में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) का समर्थन करते हुए कहा कि यह गठबंधन राज्य की जनता की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करता है और बदलाव लाने के लिए तैयार है। उन्होंने केरल को अपना घर बताया और लोगों के प्रति आभार जताया। चुनाव आयोग के अनुसार, केरल में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा और 4 मई को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

एक और केबल चोर अरेस्ट: पुलिस ने 30 मीटर वायर किया बरामद

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली मेट्रो की नई लाइन से केबल चोरी मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक और चोर को पकड़ा है। बीती 12 मार्च को आजापुर मेट्रो केबल चोरी मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी शाहिद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में 30 मीटर तांबे का केबल भी बरामद की है। यह गिरफ्तारी चोरी की घटना की जांच के दौरान हुई है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस मामले से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है। केबल खरीदने वाले लोगों की भी पहचान कर ली गई है।

पुलिस जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार करने की तैयारी में है। इस कार्रवाई से मेट्रो परिसरों में सुरक्षा बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। यह मामला मेट्रो संपत्ति की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा रहा था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बीती 12 मार्च की सुबह करीब 4:20 बजे डीएमआरसी के ओसीसी/एमबी सिग्नल कंट्रोलर एमआरएस मजलिस पार्क से सिग्नलिंग केबल चोरी होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही रात्रि गश्त टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म की जांच की अपील

सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करने पर सहमत

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गुरुग्राम में 4 साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म की सीबीआई या एसआईटी जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी द्वारा किए गए तत्काल उल्लेख का संज्ञान लिया। इसके साथ ही मामले की सुनवाई सोमवार को तय की। वरिष्ठ अधिवक्ता ने शीर्ष अदालत को बताया कि लड़की द्वारा मजिस्ट्रेट के सामने भयावह घटना का विस्तृत विवरण देते हुए बयान देने के बावजूद पुलिस ने कुछ नहीं किया है। रोहतगी ने बताया, कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

घटनास्थल की सुरक्षा नहीं की गई है। सीसीटीवी फुटेज नहीं ली गई है। घरेलू नौकरानियां इसमें शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश ने पहले याचिकाकर्ताओं को उच्च न्यायालय जाने के लिए कहा। हालांकि, वरिष्ठ वकील ने कहा कि संबंधित उच्च न्यायालय चंडीगढ़ है और पिता गुरुग्राम में कार्यरत हैं, और उन्होंने तर्क दिया कि इस भयानक मामले में देश की सर्वोच्च अदालत से एक संदेश जाना चाहिए।

उच्च न्यायालयों की भूमिका पर जोर

मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के रूप में उन्होंने ऐसे कई मामलों को संभाला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उच्च न्यायालय राहत प्रदान करने में विफल रहता है, तो पक्ष सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के लिए स्वतंत्र हैं। पीठ में जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली भी शामिल थे। पीठ ने यह भी संकेत दिया कि वह मामले पर उचित विचार की सुविधा के लिए संबंधित उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (न्यायिक) से संपर्क करेगी।

गलत धारणा और कानूनी प्रक्रिया

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि न्यायिक प्रणाली में हर अदालत की अपनी भूमिका और अधिकार क्षेत्र है। यह घटना लोगों को सही कानूनी प्रक्रिया के बारे में जागरूक होने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, 1.4 किलो अफीम और एक लाख की ड्रग मनी समेत दो आरोपी गिरफ्तार

जालंधर, 20 मार्च (एजेंसियां)। क्राइम ब्रांच कमिश्नरेट जालंधर की टीम ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो युवकों को एक किलो 400 ग्राम अफीम और एक लाख रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर के दिशा-निर्देशों पर की गई। जानकारी के मुताबिक क्राइम ब्रांच की टीम गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान कैंट से सुभाना रोड की ओर जा रही थी। इसी दौरान सुभाना गांव की तरफ से आ रही ग्रे रंग की बलेनो कार को शक के आधार पर रोका गया। तलाशी लेने पर कार से 1 किलो 400 ग्राम अफीम और 1 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद हुई। इस संबंध में थाना डिवीजन नंबर 7, जालंधर में एनडीपीएस एक्ट और अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी रिंकू (33) निवासी कैलाश नगर बस्ती जोधेवाल, लुधियाना और जसवंत सिंह उर्फ जस्सा (32) निवासी गांव हरीपुर खालसा जिला जालंधर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

11 साल पहले लापता हुई थी महिला, परिवार ने मृत मानकर किया अंतिम संस्कार; अब जम्मू-कश्मीर में जीवित मिली लीलावती

राजौरी, 20 मार्च (एजेंसियां)। पुंछ जिले की सुरनकोट पुलिस ने 11 वर्ष से लापता मानसिक रूप से अस्वस्थ एक महिला को उसके परिवार से मिलाकर मिसाल पेश की है। महिला की पहचान उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के दोहजा निवासी लीलावती के रूप में हुई है, जिसे उसके परिवार ने वर्षों पहले मृत मान लिया था और उसके अंतिम संस्कार के साथ अन्य रस्में भी कर दी थी। लीलावती 11 वर्ष पहले अपने घर से लापता हो गई थीं। उनके स्वजन ने उन्हें हर संभव स्थान पर तलाश किया, लेकिन पता नहीं चला। अंततः परिवार ने यह मान लिया कि उनकी मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में संबंधित थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी, लेकिन लंबे समय तक कोई जानकारी न मिलने पर परिवार ने सभी अंतिम धार्मिक रस्में, यहां तक कि चौबरसी और श्राद्ध तक कर दिए। इस बीच, लीलावती पिछले छह महीने से सुरनकोट क्षेत्र में भटकती हुई नजर आ रही थीं।

नासिक 'कैप्टन' यौन शोषण केस

महिला आयोग की अध्यक्ष रुपाली फरार

नासिक, 20 मार्च (एजेंसियां)। एक और बाबा अपनी हरकतों की वजह से चर्चा में आ गए हैं। महाराष्ट्र के कथित मशहूर ज्योतिषी अशोक खरात जिसे नासिक पुलिस ने कथित यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ जांच का दायरा बढ़ाते हुए, महाराष्ट्र सरकार ने गहराई से जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का भी गठन कर दिया है। एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है, इस मामले में आरोपों से घिरी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रुपाली चाकणकर फरार बताई जा रही हैं। 'कैप्टन' अशोक खरात मामले में जांच के दायरे में आईं महिला आयोग की अध्यक्ष रुपाली चाकणकर फरार चल रही हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-अजित पवार) गुट की महिला नेता रुपाली चाकणकर का अशोक खरात के पैर छूते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

खुद को 'कैप्टन' कहता है अशोक

जांचकर्ताओं ने आरोपी ज्योतिषी की आर्थिक पृष्ठभूमि की जांच भी शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि उसके पास करीब 200 करोड़ रुपये की संपत्ति हो सकती है। पुलिस एफआईआर के अनुसार, खरात, जो खुद को 'कैप्टन' कहता है (मर्चेंट नेवी से रिटायर्ड अधिकारी), उस पर कथित तौर पर महिलाओं को उनकी निजी समस्याओं को सुलझाने का वादा करके अपने ऑफिस बुलाने और फिर उनका यौन शोषण करने का आरोप है। ज्योतिषी द्वारा संचालित 'शिवानिका ट्रस्ट' भी नियमों के कथित उल्लंघन के चलते जांच के दायरे में है।

रुपाली पाटील ने पोस्ट कर किया खुलासा

दूसरी ओर, रुपाली पाटील थोम्ब्रे ने फेसबुक पर पोस्ट कर रुपाली चाकणकर पर तीखा हमला बोला। सोशल मीडिया पर उनका पोस्ट राज्य में खासा चर्चा का विषय बन गया है। अशोक के घिनौने हरकतों का खुलासा होने के बाद कई नेताओं के शामिल होने की चर्चा हो रही है। एनसीपी की नेता रुपाली चाकणकर और रुपाली थोम्ब्रे पाटिल के बीच लंबे समय से अनबन चल रही है। पहले भी दोनों के बीच कई बार तीखी बहस हो चुकी है। अब रुपाली पाटिल ने खरात के वीडियो को लेकर रुपाली चाकणकर पर तीखा हमला बोला है। इस ज्योतिषी के साथ चाकणकर की तस्वीर वायरल होने के बाद सांसद संजय राउत ने उनके इस्तीफे की मांग की है। अशोक खरात मामले में एसआईटी जांच तेज कर दी गई है। डिजिटल फॉरेंसिक के आधार पर यह जांच की जा रही है। फोन कॉल्स के जरिए तकनीकी सबूत जुटाए जा रहे हैं। जांच के जरिए आर्थिक लेन-देन, खरात के नेटवर्क और सहयोगियों और आरोपियों की तलाश की जाएगी। साथ ही पुलिस के हाथ लगे वीडियो में दिख रही है।

केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी

असिस्टेंट को पश्चिम बंगाल से आया फोन

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी उनके निजी सहायक विश्वेंद्र शाह को फोन और व्हाट्सएप के माध्यम से दी गई। धमकी देने वाले की पहचान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद निवासी इस्माइल के रूप में हुई है। आरोप है कि इस्माइल के पास मंत्री के आधिकारिक दौरे की योजना की एक प्रति मौजूद थी। दिल्ली पुलिस ने इस गंभीर मामले में तत्काल शिकायत दर्ज कर ली है। पश्चिम बंगाल पुलिस भी इस पूरे प्रकरण की गहन जांच कर रही है। शिकायत दिल्ली के तुगलक सड़क थाने में दर्ज कराई गई है। नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने इस घटना की पुष्टि की है।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। सुरक्षा एजेंसियां मंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रही हैं। धमकी के पीछे के मकसद का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। जांच दल ने धमकी भरे कॉल और व्हाट्सएप संदेशों का विश्लेषण शुरू कर दिया है। पश्चिम बंगाल पुलिस मुर्शिदाबाद में इस्माइल के संभावित ठिकानों पर नजर रख रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि मंत्री के दौरे की गोपनीय जानकारी इस्माइल तक कैसे पहुंची।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

दुआ कभी साथ नहीं छोड़ती और बददुआ कभी पीछा नहीं छोड़ती, जो दोगे वही लौटकर आएगा फिर चाहे वह इज्जत हो या धोखा!

तेलंगाना बन गया देश की विकास गति का इंजन : भट्टी

जीडीपी में 5 प्रतिशत का योगदान

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उप-मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि तेलंगाना का सकल राज्य घरेलू उत्पाद राष्ट्रीय जीडीपी का पांच प्रतिशत है, जो राज्य को देश की विकास गति का सशक्त इंजन बनाता है। भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि वर्ष 2025-26 में तेलंगाना का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 17,82,198 करोड़ रहा, जिसमें 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके मुकाबले देश का सकल घरेलू उत्पाद 3,57,13,886 करोड़ रहा और इसकी वृद्धि दर 8 प्रतिशत थी। राज्य की वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से 2.7 प्रतिशत अधिक रही। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय वृद्धि दर घट रही है, जबकि तेलंगाना में विकास दर सुधार दिखा रही है। उप-मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2025-26 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय 4,18,931 रुपये रही, जिसमें 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय 2,19,575 रुपये थी। इस प्रकार तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से 1,99,356 अधिक है, यानी लगभग दोगुनी है।

हमारा लक्ष्य ड्रग्स मुक्त तेलंगाना बनाना है : महेश गौड़

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने गांधी भवन में कहा कि नए नियुक्त अधिकारियों को बधाई दी जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी टीम की कार्रवाई में बीआरएस के पूर्व विधायक और एक सांसद रेड हैंडेड पकड़े गए। महेश कुमार गौड़ ने कहा, हमारी सरकार ड्रग्स के मामले में कड़ा कदम उठा रही है। हमारा लक्ष्य ड्रग्स मुक्त तेलंगाना बनाना है। युवाओं के बीच ड्रग्स से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। केटीआर के फार्म हाउस में ड्रग्स के साथ लोग पकड़े गए। केटीआर के नजदीकी केदार दुबई में अधिक ड्रग्स लेने के कारण मृत्यु हो गई। पोचम्पल्ली फार्म हाउस में भी गैंबलिंग के मामले सामने आए। उन्होंने बीजेपी नेताओं पर भी सवाल उठाए। जब इतने बीआरएस नेता ड्रग्स मामलों में फंस रहे हैं, तब बीजेपी नेता चुप क्यों हैं? अगर कोई बीजेपी नेता बात करता है, तो उसे दबाया जाता है। बीजेपी और बीआरएस बीच गठजोड़ दिख रहा है। इसलिए कुछ मुद्दों पर बीजेपी नेता बोल नहीं रहे। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि बीसीसी समुदाय से जुड़े वादे हमारी पार्टी ने पूरे किए हैं। ड्रग्स मामले में बीजेपी नेताओं की प्रतिक्रिया जनता के सामने लाना जरूरी है। सप्ताह भर बीत गया, फिर भी वे ड्रग्स पर बात क्यों नहीं कर रहे हैं?

बकाया भुगतान न होने से ठेकेदार वित्तीय संकट में

बीएआई ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने तेलंगाना सरकार से ठेकेदारों के लंबे समय से लंबित भुगतानों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर जारी करने की पुरजोर मांग की है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को भेजे गए एक औपचारिक पत्र में एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि भुगतान में हो रही अत्यधिक देरी के कारण राज्य के ठेकेदार गंभीर आर्थिक संकट के चक्रव्यूह में फंस गए हैं। पत्र में इस बात पर विशेष चिंता व्यक्त की गई है कि जहाँ पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश ने अपने ठेकेदारों के सभी बकाया भुगतानों का निपटारा कर दिया है, वहीं तेलंगाना में यह प्रक्रिया ठप पड़ी है, जिससे निर्माण क्षेत्र से जुड़े लोगों में भारी असंतोष है।

बीएआई के राज्य अध्यक्ष यू. सुरेंद्र और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीवीएन रेड्डी ने सरकार की राजकोषीय नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि 3 लाख करोड़ रुपये का विशाल बजट पेश किए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर सरकारी परियोजनाओं को पूरा करने वाले ठेकेदार अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।

एसोसिएशन के अनुसार, आर्थिक दबाव इस कदर बढ़ चुका है कि कुछ ठेकेदारों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है और कथित तौर पर बढ़ते कर्ज के बोझ के कारण कुछ लोगों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी है। संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि विकास और रोजगार के मुख्य स्रोत यानी उद्यमियों को ही संकट में धकेल दिया गया, तो राज्य की प्रगति की रफ्तार कायम रखना असंभव होगा। पत्र के अंत में एसोसिएशन ने सरकार से इस मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने का आग्रह किया है। उन्होंने मांग की है कि सरकार जल्द से जल्द एक पारदर्शी भुगतान तंत्र विकसित करे ताकि बुनियादी ढांचे के विकास में लगे हजारों परिवारों को भुखमरी और मानसिक तनाव से बचाया जा सके।

तेलंगाना में अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाला राज्य आपदा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय

मंत्री ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास एवं सूचना-जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने राज्य में आपदा प्रबंधन क्षमता बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार 'स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट' स्थापित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने संबंधित विभागों से उच्च स्तरीय समिति बनाकर कार्य योजना तैयार करने को कहा। अंतिम निर्णय लेने से पहले इसे राज्य के माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि यह केंद्र राज्य भर में सभी सरकारी विभागों को एक समान प्रशिक्षण देगा और वैज्ञानिक तरीके से जीवन और आर्थिक नुकसान को न्यूनतम करने में मदद करेगा। विशेष रूप से जिले स्तर पर आपदाओं का सामना करने की क्षमता बढ़ाना इसका मुख्य उद्देश्य होगा। शुक्रवार को मंत्री ने सचिवालय में आपदा प्रबंधन विभाग, फायर सर्विस, एसडीआरएफ, हाइड्रा और आईसीसीसी विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर मंत्री ने बताया कि आपदाओं के समय केवल राहत कार्यों तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि पूर्व तैयारी के माध्यम से नुकसान कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ काम करने और तेलंगाना को देश में आपदा प्रबंधन का आदर्श राज्य बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि बाढ़, आग जैसी आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई के लिए अत्याधुनिक उपकरण, रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम, आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली, ड्रोन और हाई-स्पीड बोट्स खरीदी जा रही हैं। बैठक में राज्य आपदा प्रबंधन के विशेष मुख्य सचिव दानकिशोर, अग्निशमन विभाग के निदेशक विक्रम सिंह, हाइड्रा कमिश्नर रंगनाथ, आईसीसीसी निदेशक कमल हासन रेड्डी, विशेष पुलिस बटालियन के अतिरिक्त डीजी संजय जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तेंदुए की दस्तक! खेत में पालतू कुत्ते का शिकार

गोरिल्लाला क्षेत्र में दहशत का माहौल, वन विभाग को दी गई सूचना

राजन्ना-सिरसिल्ला, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रुद्रंगी मंडल के बाहरी इलाके में स्थित गोरिल्लाला क्षेत्र में एक तेंदुए द्वारा पालतू कुत्ते को मार डालने की घटना से स्थानीय किसानों और ग्रामीणों में भारी दहशत फैल गई है। घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है, जब किसान नागराम बोरैया ने अपने पालतू कुत्ते को खेत में बनी पशुशाला (शेड) में मवेशियों की रखवाली के लिए छोड़ा था। बुधवार सुबह जब किसान अपने खेत पर पहुँचा, तो उसने कुत्ते को मृत अवस्था में पाया।

कुत्ते के शरीर पर बने निशानों और हमले के तरीके को देखते हुए किसान को संदेह हुआ कि यह शिकार किसी तेंदुए द्वारा किया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए बोरैया ने तुरंत स्थानीय वन अधिकारियों को इस मामले की जानकारी दी। ग्रामीणों का कहना है कि पालतू जानवरों पर हमले की इस घटना के बाद अब उन्हें अपने मवेशियों और स्वयं की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुँचकर साक्ष्य जुटाए हैं और पगचिह्नों की जांच की जा रही है ताकि यह पुष्टि हो सके कि हमलावर जानवर तेंदुआ ही था। अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर किसानों को रात के समय खेतों में अकेले न जाने और अपने मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी है। साथ ही, क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और जरूरत पड़ने पर पिंजरा लगाने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है।

टेस्ट राइड के बहाने स्कूटर लेकर भागा जालसाज, पुलिस ने दबोचा

जगदगिरिगुट्टा पुलिस ने चोरी का वाहन किया बरामद, साथी की तलाश जारी

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जगदगिरिगुट्टा पुलिस ने ओएलएक्स के माध्यम से धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो टेस्ट राइड के बहाने वाहन लेकर फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी की पहचान अप्पारी विश्व फनिंद्रा के रूप में की है। घटना गजुलारामारम स्थित वल्लभभाई रेजिडेंसी अपार्टमेंट्स की है, जहाँ शिकायतकर्ता बी सदुन ने अपनी होंडा एक्टिवा को बिक्री के लिए ओएलएक्स पर सूचीबद्ध किया था। आरोपी ने एक संभावित खरीदार बनकर सदुन से संपर्क किया और टेस्ट राइड लेने के बहाने स्कूटर लेकर चंपत हो गया। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की गहनता से जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर फनिंद्रा को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपी अपने सहयोगी ओंगोले रमेश के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह चला रहा था। ये लोग ओएलएक्स पर विक्रेताओं को निशाना बनाते थे और टेस्ट राइड के बहाने वाहन चुराकर उन्हें दोबारा बेच देते थे। पुलिस ने चोरी का स्कूटर बरामद कर लिया है और गिरोह के दूसरे सदस्य रमेश की गिरफ्तारी के लिए तलाश तेज कर दी है। पुलिस ने नागरिकों को आगाह किया है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर वाहन बेचते समय सावधानी बरतें और अनजान व्यक्तियों को बिना पहचान सुनिश्चित किए टेस्ट राइड की अनुमति न दें।

विस्फोटकों के अवैध परिवहन पर पुलिस की कार्रवाई

नांदेड के तीन युवक गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जैनूर पुलिस ने शुक्रवार को विस्फोटक सामग्री के अवैध भंडारण और परिवहन के आरोप में महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान किशनलाल झट, अजयपाल झट और आशीष जायसवाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ये तीनों आरोपी बिना किसी वैध लाइसेंस या संबंधित अधिकारियों की अनुमति के भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री ले जा रहे थे, जो सुरक्षा की दृष्टि से एक गंभीर उल्लंघन है।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बिना पूर्व अनुमति के विस्फोटकों का उपयोग करना न केवल खतरनाक है, बल्कि पूरी तरह गैरकानूनी भी है। उन्होंने क्षेत्र के निवासियों को सख्त हिदायत दी है कि बिना उचित लाइसेंस और सरकारी मंजूरी के विस्फोटक सामग्री का उपयोग करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे संवेदनशील पदार्थों का अनियंत्रित उपयोग बड़ी दुर्घटनाओं को न्योता दे सकता है। स्थानीय प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे कुआं खोदने या निर्माण कार्यों जैसे कामों के लिए भी विस्फोटकों का उपयोग करने से पहले अनिवार्य रूप से अनुमति प्राप्त करें। साथ ही, पुलिस ने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि उन्हें कहीं भी विस्फोटक सामग्री जमा करने या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले, तो वे तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करें। फिलहाल, तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

हैदराबाद में एलपीजी संकट: सेवा कार्यों पर ब्रेक

चूल्हे और लकड़ी के सहारे चल रही एनजीओ की रसोई

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में एलपीजी सिलेंडरों की भारी किल्लत ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। इस संकट की सबसे ज्यादा मार उन समाजसेवी संगठनों और एनजीओ पर पड़ रही है, जो प्रतिदिन हजारों गरीबों और जरूरतमंदों के लिए मुफ्त भोजन अभियान चलाते हैं। व्यावसायिक सिलेंडरों की कमी और उनकी आसमान छूती कीमतों के कारण सरकारी अस्पतालों, श्रमिक अड्डों और आश्रय स्थलों पर भोजन वितरित करने वाले समूहों के सामने संचालन का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। कई संगठनों को अब अनौपचारिक माध्यमों से महंगी दरों पर ईंधन खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

ईंधन के इस अप्रत्याशित संकट से निपटने के लिए कई एनजीओ ने अब पारंपरिक तरीकों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। रसोई गैस न मिलने के कारण कई जगहों पर लकड़ी और कोयले के चूल्हों पर खाना पकाया जा रहा है। हालांकि इन वैकल्पिक तरीकों में समय, शारीरिक श्रम और समन्वय की अधिक आवश्यकता होती है, लेकिन सेवा भाव के चलते कार्यकर्ताओं ने हार नहीं मानी है। सरकारी अस्पतालों के बाहर मरीजों के तीमारदारों के लिए ये भोजन वितरण कार्यक्रम ही जीवित रहने का एकमात्र सहारा हैं, जहाँ दोपहर और रात के समय भोजन के लिए लंबी कतारें देखी जा सकती हैं।

चुनौतियों के बावजूद, अधिकांश संगठनों ने लाभार्थियों की संख्या में कटौती नहीं की है। स्वयंसेवक अब 'विविधता के बजाय मात्रा और पोषण' पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ताकि कम संसाधनों में अधिक लोगों का पेट भरा जा सके। बढ़ती महंगाई के कारण मुफ्त भोजन की मांग में भी इजाफा हुआ है, जिसे देखते हुए कुछ समूहों ने खाना पकाने की प्रक्रिया को विकेंद्रीकृत कर दिया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे भोजन को सरल बना सकते हैं, लेकिन लोगों को भूखा नहीं छोड़ सकते। प्रशासन से मांग की जा रही है कि सेवा कार्यों में लगे इन संगठनों को प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं।

एससीआर को टिकट जांच में 223.60 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में टिकट जांच के माध्यम से 223.60 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह किसी भी वित्तीय वर्ष में जोन द्वारा प्राप्त किया गया अब तक का सर्वाधिक राजस्व है। रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 221.08 करोड़ रुपये के लक्ष्य को दक्षिण मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष समाप्त होने से 14 दिन पूर्व ही हासिल कर लिया। इससे पहले वर्ष 2023-24 में 220.81 करोड़ रुपये का राजस्व सर्वोच्च था। यह आय बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा तथा बिना बुक किए गए सामान के मामलों में की गई कार्रवाई से प्राप्त हुई। इस दौरान 18 अक्टूबर 2025 को एक ही दिन में 1.85 करोड़ रुपये का टिकट जांच राजस्व अर्जित कर एक और रिकॉर्ड बनाया गया। रेलवे में टिकट जांच व्यवस्था बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह न केवल ऐसे मामलों पर अंकुश लगाती है, बल्कि यात्रियों को वैध टिकट के साथ यात्रा करने के प्रति जागरूक भी करती है। इससे टिकट बिक्री में भी वृद्धि होती है और ईमानदार यात्रियों का विश्वास मजबूत होता है। यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और टिकट बिक्री को प्रोत्साहित करने के लिए रेलवे ने कई डिजिटल पहल भी शुरू की हैं। इनमें रेल वन ऐप, बुकिंग काउंटरों के पास एटीवीएम मशीनें तथा स्टेशनों पर क्यूआर कोड की सुविधा शामिल है। इन पहलों और टिकट जांच स्टाफ के सतत प्रयासों से यात्री राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने इस उपलब्धि पर वाणिज्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि टिकट जांच प्रणाली अनियमित यात्रा को रोकने के साथ-साथ ईमानदार यात्रियों में विश्वास बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम है।

भद्राचलम के पास गोदावरी नदी में बड़ा हादसा, पांच इंजीनियरिंग छात्र लापता

सेल्फी और फोटो लेने के चक्कर में डूबे बीटेक छात्र, बचाव अभियान जारी

कोत्तागुडेम, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के कुकुनूर मंडल अंतर्गत वेलेरू में शुक्रवार दोपहर एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां गोदावरी नदी में पांच इंजीनियरिंग छात्र लापता हो गए।

पुलिस के अनुसार, अमरावती स्थित एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक द्वितीय वर्ष के सात छात्र गुरुवार को भद्राचलम के श्री सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर में दर्शन करने आए थे। शुक्रवार को ये सभी छात्र नदी किनारे तस्वीरें लेने के लिए वेलेरू पहुंचे थे।

हादसा उस समय हुआ जब श्रीकर, अभिलाष, हर्षा, दीपक, तेजा, सतीश और नवदीप एक-दूसरे का हाथ पकड़कर कतार बनाकर नदी के पानी में उतरे। नदी की गहराई का सही अंदाजा न होने के कारण छात्र धीरे-धीरे गहरे पानी में समाने लगे। कतार में सबसे पीछे खड़े अभिलाष और श्रीकर ने जैसे-तैसे खुद को संभाला और सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन उनके पांच अन्य साथी-हर्षा, दीपक, तेजा, सतीश और नवदीप-पानी के तेज बहाव में लापता हो गए। सूचना मिलते ही भद्राचलम एसआई श्याम प्रसाद, अग्निशमन विभाग के कर्मियों और विशेषज्ञ तैराकों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। लापता छात्रों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। सुरक्षित बचे छात्रों में अभिलाष और श्रीकर भद्राचलम के ही निवासी हैं, जबकि अन्य छात्र आंध्र प्रदेश के उयुरु और मदनपल्ली क्षेत्र से ताल्लक रखते हैं। फिलहाल नदी में सर्च ऑपरेशन जारी है और डूबे हुए छात्रों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

माधापुर में 3 करोड़ का निवेश घोटाला

ऊंचे रिटर्न का लालच देकर महिला ने की ठगी

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर इलाके में एक बड़ा निवेश घोटाला सामने आया है, जहाँ एक महिला ने कथित तौर पर कई लोगों को भारी मुनाफे का लालच देकर लगभग 3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी लावण्या कोनिडेला ने खुद को एक बड़ी फर्म की मालिक बताकर लोगों का विश्वास जीता। उसने निवेशकों को उनकी पूंजी पर 5 प्रतिशत निश्चित मासिक आय और 3 प्रतिशत अतिरिक्त लाभ का वादा किया था। धोखाधड़ी का शिकार हुए निजी कर्मचारी के. रेवंत ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसने और उसके परिवार ने अगस्त 2024 से मार्च 2025 के बीच किश्तों में कुल 67 लाख रुपये ट्रांसफर किए थे।

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी लावण्या ने अपनी विश्वसनीयता बनाने के लिए शुरुआती कुछ महीनों तक निवेशकों को किश्तें अदा कीं, लेकिन बाद में भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया। जब पीड़ितों ने अपने पैसे वापस मांगे, तो उसने न केवल टालमटोल की, बल्कि उन्हें झूठे मामलों में फंसाने की धमकी भी दी। पुलिस को पता चला है कि आरोपी एक विशेष व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए लोगों को क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग और उच्च लाभ वाली योजनाओं का झांसा देकर आकर्षित करती थी। प्रारंभिक जांच के अनुसार, इस घोटाले की कुल राशि 3 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। माधापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अब उन अन्य पीड़ितों की पहचान करने में जुटी है जो इस जालसाजी का शिकार हुए हैं। पुलिस वित्तीय लेनदेन के स्रोतों और बैंक खातों की गहनता से पड़ताल कर रही है। अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे इस तरह के 'असामान्य उच्च रिटर्न' का वादा करने वाली संदिग्ध योजनाओं से सावधान रहें और किसी भी निवेश से पहले कंपनी की वैधता की जांच अवश्य करें।

जुमा-उल-विदा: मक्का मस्जिद में उमड़ा जनसैलाब

हजारों अकीदतमंदों ने अदा की नमाज

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रमजान के पवित्र महीने के आखिरी शुक्रवार यानी 'जुमा-उल-विदा' के अवसर पर हैदराबाद की ऐतिहासिक मक्का मस्जिद में हजारों मुसलमानों ने सामूहिक नमाज अदा की। शुक्रवार सुबह से ही पारंपरिक पोशाक पहने अकीदतमंदों का मस्जिद पहुँचने का सिलसिला शुरू हो गया था। पुरुषों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी मक्का मस्जिद के सामने स्थित सरकारी निज़ामिया तिब्बी कॉलेज और अस्पताल परिसर में नमाज में शिरकत की।

नमाज के बाद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन द्वारा 'यौमुल कुरान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कुरान की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। प्रशासन ने इस बड़े आयोजन को देखते हुए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए थे। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई बल, नगर सशस्त्र रिजर्व, टीजीएसपी और नागरिक पुलिस के जवानों को चप्पे-चप्पे पर तैनात किया गया था। यातायात पुलिस ने भी विशेष योजना बनाते हुए वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए थे, ताकि नमाज के दौरान पुराने शहर में ट्रैफिक की समस्या न हो। मक्का मस्जिद के अलावा मुशीराबाद, मेहदीपटनम, पब्लिक गार्डन्स, खैरताबाद और सिकंदराबाद की प्रमुख मस्जिदों में भी भारी भीड़ देखी गई।

Admin-12011(16)/6/2025-eoffice
Government of India
Ministry of Health and Family Welfare
Department of Health and Family Welfare
(Drugs Section)

Central Drugs Standard Control Organisation invites application from eligible candidates for filling up the post as mentioned below at Central Drugs Standard Control Organisation on deputation basis. The last date for receiving the applications will be within 60 days from the date of publication of this advertisement.

For further details please visit CDSCO's website:https://cdsco.gov.in

Sl.No.	Name of the Post	Pay as per 7th CPC	No. of Post	Office for which the posts is filled up
1.	Senior Assistant (Administration) Non-Gazetted, Ministerial	Pay Level-4 (Rs.25,500 – 81,100)	07	Central Drugs Standard Control Organisation

Director (Admn.)

CDSCO, HQ, Director General Health Services, FDA Bhawan, Kotla Road, New Delhi - 110002

acb 17194/11/0028/2526

नाबालिग के अपहरण की जांच में ली 7 हजार की घूस

फर्रुखाबाद, 20 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में फर्रुखाबाद के कायमगंज कोतवाली इलाके में भ्रष्टाचार को लेकर एसपी ने एक महिला सब-इंस्पेक्टर और ड्राइवर को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एक नाबालिग लड़की के अपहरण मामले की जांच के नाम पर रिश्वत लेने के मामले में हुई है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसके बाद एक्शन लिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार ने पुलिस के आला अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि उनकी 14 साल की भतीजी का गांव के कुछ दबंगों ने अपहरण कर लिया। जिसके संबंध में कायमगंज कोतवाली में मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। पीड़ित परिवार का आरोप है कि मामले की जांच कर रहीं सब-इंस्पेक्टर सुधा पाल ने निष्पक्ष विवेचना के नाम पर 25 हजार रुपये की मांग की। मजबूरी में पीड़ित ने उन्हें 7 हजार रुपये दिए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। आरोप के मुताबिक, रिश्वत देने के बावजूद आरोपी खुलेआम घूमते रहे और परिवार को जान से मारने की धमकियां देते रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संत प्रेमानंद महाराज से की भेंट

आध्यात्मिक संवाद में लिया आशीर्वाद

मथुरा, 20 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज अपने दौरे के दौरान वृंदावन में प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुंचीं, जहां उन्होंने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और बातचीत की। राष्ट्रपति की इस यात्रा को लेकर पूरे मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुबह करीब 7:30 बजे सुरक्षा के कड़े पहरे के बीच आश्रम पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू की सादगी देखते ही बन रही थी। प्रेमानंद महाराज ने राष्ट्रपति को ब्रज की महिमा और सेवा भाव का महत्व समझाया।

ब्रज दौरे पर हैं राष्ट्रपति

जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति नीम करोली बाबा के स्मारक का भी दौरा करेंगी। शाम को वे रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में एक नए ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन करेंगी। अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति साध्वी ऋतंभरा द्वारा स्थापित संस्था वात्सल्य ग्राम में भी रुकेंगी, जो बुजुर्गों और अनाथ बच्चों की देखभाल के लिए जानी जाती है। उनकी यात्रा 21 मार्च को गोवर्धन के दंगहाटी मंदिर में प्रार्थना के साथ समाप्त होगी, जिसके बाद वे नई दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले सात मील की पारंपरिक गोवर्धन परिक्रमा करेंगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का वृन्दावन दौरा प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए

'श्री राम यंत्र' स्थापित किया और वैदिक मंत्रों के बीच प्रार्थना की, जो मंदिर निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 'श्री राम यंत्र' को मंदिर की दूसरी मंजिल पर स्थापित किया गया है, जो इसका अंतिम स्तर भी है, और पूर्णता का प्रतीक है। इस स्थापना के साथ ही मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण माना जाता है। धार्मिक अनुष्ठान दक्षिण भारत, काशी और अयोध्या के वैदिक विद्वानों द्वारा पुजारी गणेश्वर शास्त्री के मार्गदर्शन में संपन्न किए गए।

जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं

राष्ट्रपति के मथुरा और वृंदावन दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सुरक्षा कारणों और आतंकी संगठनों के संभावित खतरों के मद्देनजर पूरे जनपद को 'नो-फ्लाई जोन' घोषित कर दिया है। जिला मजिस्ट्रेट की ओर से जारी आदेश के अनुसार, मथुरा जनपद की सीमा में यह पाबंदी 19 मार्च को सुबह 10:00 बजे से लागू हो गई है और 21 मार्च को शाम 05:00 बजे तक प्रभावी रहेगी।

इस दौरान जिले में ड्रोन, पतंग या किसी भी प्रकार के गुब्बारे उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। वहीं, राष्ट्रपति मुर्मु 19 मार्च को उत्तर प्रदेश में पहुंचीं और अयोध्या, मथुरा और वृंदावन सहित प्रमुख धार्मिक शहरों का दौरा कर रही हैं, जहां वह समारोहों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग ले रही हैं। अयोध्या पहुंचने पर राष्ट्रपति का स्वागत उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने किया।

पश्चिमी यूपी का बदलेगा सियासी समीकरण

केसी त्यागी थामेंगे रालोद का दामन कल लिया जाएगा बड़ा फैसला

बागपत, 20 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जदयू छोड़ने वाले पूर्व सांसद केसी त्यागी 22 मार्च को रालोद का दामन थाम सकते हैं। इसके संकेत केंद्रीय राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने दिए। उन्होंने माना कि केसी त्यागी से उनकी बात व मुलाकात हुई है। 22 मार्च को केसी त्यागी बैठक कर रहे। इसमें वे रालोद में शामिल होने का निर्णय लेते हैं तो उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि केसी त्यागी की राजनीतिक शुरुआत किसान मसीहा चौ।

चरण सिंह के मार्गदर्शन में हुई। केसी त्यागी के बयान भाजपा के लिए जयन्त चौधरी जरूरी के सवाल पर कहा कि वे अनुभवी नेता हैं। बयान देने में उनसे ज्यादा माहिर हैं। साफ है कि जयन्त चौधरी ने रालोद के लिए विधानसभा चुनाव 2027 के लिए जमीन तैयार करनी शुरू कर दी। दरअसल, भाजपा से गठबंधन के बाद रालोद से छिटके मुस्लिमों की भरपाई के लिए जयन्त गुर्जर, त्यागी, ब्राह्मण तथा पिछड़ा समाज के लोगों को साधकर पश्चिम उप्र की राजनीति में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहते हैं।

सांसद केसी त्यागी | मंत्री जयन्त चौधरी

कुछ खास है मलकपुर की धरती

जयन्त चौधरी ने कहा कि मलकपुर के खिलाड़ियों ने दुनिया के मानचित्र पर बड़ी उपलब्धि हासिल की। इस गांव में तीन अर्जुन अवार्डी हैं। रानी लक्ष्मीबाई अवार्डी अंशु तोमर भी पहलवानी करती हैं। मलकपुर की मिट्टी में कुछ खास है। इस गांव के सम्मान में हम छोटा सा निवेश कर पाए। स्टेडियम का नक्शा विश्वप्रसिद्ध आर्किटेक्ट से तैयार कराया। यह भवन अनूठा होगा जिसे देखकर लोग मोहित हो जाएंगे।

थाने में चौकी प्रभारी ने

पीट-पीटकर फाड़ डाला कान का पर्दा हुए सस्पेंड

कानपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में पुलिस का क्रूर रूप देखने को मिला है। यहां घरेलू विवाद की शिकायत पर पुलिस पहले पति को लेकर चौकी पर आई और फिर उसे इतना पीटा कि उसका कान का पर्दा फट गया। मामला शास्त्री नगर थाना क्षेत्र का है, जहां चौकी प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया है और अब विभागीय कार्रवाई भी होगी। शास्त्री नगर की एक बुजुर्ग महिला ने बताया कि वह अपने छोटे बेटे के साथ रहती हैं। उनका बड़ा बेटा दूसरे शहर में नौकरी करता है। स्वास्थ्य ठीक न होने की वजह से छोटा बेटा अक्सर उनके ही कमरे में सो जाता है। इसी बात को लेकर बेटे और बहू के बीच तनातनी बढ़ गई। बहू ने इस पर शास्त्री नगर चौकी में शिकायत दर्ज कराई।

क्या खेल मंत्री श्रेयसी सिंह बनेंगी बिहार की मुख्यमंत्री

जवाब में उन्होंने वर्ष 1991 को किया याद

भागलपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में फिर से सियासी हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा चुनाव जीतने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि बिहार में सत्ता का परिदृश्य अब जल्द बदलेगा। ऐसे में चर्चा यह भी है कि अब भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनेगी और भाजपा के ही किसी नेता को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। इसी कड़ी में जमुई की युवा विधायक और बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह का नाम भी जोर-शोर से सामने आ रहा है। श्रेयसी सिंह वर्ष 2020 से जमुई से विधायक हैं। 2025 में दूसरी बार चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें खेल मंत्री के रूप में जिम्मेदारी सौंपी। तेज तर्रार और प्रभावशाली नेता मानी जाने वाली श्रेयसी सिंह के मुख्यमंत्री बनने की चर्चा इसीलिए हो रही है कि उन्होंने युवा नेतृत्व और समर्पण का मजबूत उदाहरण पेश किया है।

जिम्मेदारी से कभी नहीं भागी : श्रेयसी सिंह

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार | श्रेयसी सिंह

श्रेयसी सिंह ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि "हमलोग यहां खड़े हैं, लेकिन मुख्यमंत्री कौन बनेगा इसका कोई निश्चित उत्तर नहीं है। हम सभी कार्यकर्ता हैं और भाजपा एवं एनडीए के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह निर्णय शीर्ष नेतृत्व का होता है। अगर जिम्मेदारी मुझे दी जाएगी, तो मैं उससे कभी नहीं भागूंगी। जब हाथ में बंदूक उठाई थी, तब भी नहीं भागी और आज भी नहीं भागूंगी। जिम्मेदारी आएगी तो सौ प्रतिशत अच्छा काम करके दिखाएंगे। यह जमुई की बेटी का संकल्प है।" श्रेयसी सिंह ने भावुक अंदाज में बताया कि उनका जन्म वही वर्ष है, जब जमुई जिला की स्थापना हुई, अर्थात वर्ष 1991। उन्होंने कहा कि इसलिए उनका यह कर्तव्य है कि अपने क्षेत्र और लोगों के लिए कुछ करें। यह उनका दायित्व और सामाजिक जिम्मेदारी है।

इश्क नहीं, ये हैवानियत है

फिरोजाबाद, 20 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। जहां एक पति ने अपने ही जीवनसाथी के साथ वह सलूक किया जिसे सुनकर किसी का भी कलेजा कांप जाए। चरित्र पर शक के चलते एक शख्स ने अपनी पत्नी को ना केवल बंधक बनाया, बल्कि उसकी आंखों में पेट्रोल डालकर उसे अधमरा कर दिया। पीड़िता पूजा की शादी करीब 4 साल पहले एटा निवासी योगेश से हुई थी।

पूजा के भाई लवकुश के मुताबिक, योगेश शादी के बाद से ही छोटी-छोटी बातों पर अपनी पत्नी पर शक करता था और उसके साथ मारपीट करता था। लेकिन रात जो हुआ, वह हैवानियत की पराकाष्ठा थी। आरोपी योगेश ने पूजा के हाथ-पैर बांध दिए और करीब 4 घंटे तक उसे बेरहमी से पीटा। क्रूरता की हद पार करते हुए पति ने पूजा की आंखों में पेट्रोल डाल दिया, जिससे वह तड़पने लगी। इतना ही नहीं, आरोपी ने जबरन पूजा के सिर के बाल भी काट दिए। आरोप है कि इस दौरान ससुराल के अन्य सदस्य भी मूकदर्शक बने रहे और मानसिक प्रताड़ना देते रहे।

एटा में मिली प्राचीन जैन प्रतिमा विवाद पर हाईकोर्ट का फैसला

प्रयागराज म्यूजियम में सुरक्षित रखी जाएगी मूर्ति

प्रयागराज, 20 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के एटा में 2025 में खुदाई के दौरान 9वीं-10वीं शताब्दी की जैन धर्म से जुड़ी एक प्राचीन मूर्ति मिली थी। इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सुनवाई करते हुए अपने महत्वपूर्ण फैसले में मूर्ति को एटा पुलिस की कस्टडी से प्रयागराज स्थित केंद्रीय संग्रहालय में सुरक्षित कस्टडी में रखे जाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने एटा के जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि मूर्ति को सुरक्षित कस्टडी में प्रयागराज स्थित केंद्रीय संग्रहालय में लाया जाए। कोर्ट अब इस मामले में 13 अप्रैल को सुनवाई करेगा। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि प्रतिमा को किसी भी स्थिति में 11 अप्रैल 2026 तक प्रयागराज स्थित केंद्रीय संग्रहालय के निदेशक/प्रभारी निदेशक को सौंप दिया जाए। जस्टिस स्वरूपमा चतुर्वेदी की डिविजन बेंच ने एटा की दिगंबर जैन सभा और अन्य समेत दाखिल तीन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया है।

खुदाई के दौरान मिली थी जैन तीर्थंकर की मूर्ति

दरअसल, जून 2025 में एटा जिले के रिजोर क्षेत्र में जल जीवन मिशन की खुदाई के दौरान हजारों वर्ष पुरानी एक प्राचीन जैन तीर्थंकर की मूर्ति मिली थी। जैन संप्रदाय से जुड़े दिगंबर और श्वेतांबर समुदायों ने इस मूर्ति को लेकर अपना-अपना दावा ठोका था, जिसके बाद इसे प्रशासन ने कब्जे में ले लिया था। बताया जा रहा है कि मूर्ति को एटा के एक थाने में पुलिस कस्टडी में रखा गया है। इस मूर्ति पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की जांच के बाद ही फैसला होगा। कोर्ट ने प्रतिमा के मालिकाना हक को लेकर दिगंबर और श्वेतांबर जैन संप्रदायों के बीच बढ़ते विवाद और संवेदनशीलता को मूर्ति को देखते हुए प्रयागराज स्थित केंद्रीय संग्रहालय में रखने का आदेश दिया है।

मूर्ति के लिए दिगंबर और श्वेतांबर समुदाय का दावा

इस प्रतिमा को जैन समुदाय के दिगंबर और श्वेतांबर अपने-अपने संप्रदाय से संबंधित बताकर दावा पेश कर रहे हैं। कोर्ट में बताया गया कि एएसआई द्वारा मूर्ति का निरीक्षण किया गया और दो सदस्यों वाली समिति ने एक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें कहा गया था कि यह मूर्ति दिगंबर संप्रदाय की प्रतीत नहीं होती है, बल्कि श्वेतांबर संप्रदाय की होने का संकेत देती है। हालांकि बाद में एएसआई के विशेषज्ञों द्वारा एक नया सर्वेक्षण/जांच की गई और एएसआई आगरा मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद् ने 27 अगस्त 2025 को जिला मजिस्ट्रेट को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि इस मूर्ति को श्वेतांबर या दिगंबर संप्रदाय से संबंधित मानने की पहचान केवल मूर्ति में मौजूद मौजूदा मूर्तिकला और शैलीगत साक्ष्यों के आधार पर निर्णायक रूप से स्थापित नहीं किया जा सकता है

अतिरिक्त सहायता और डॉक्यूमेंटेशन के लिए तैयारः एएसआई

एएसआई ने कहा है कि जिला प्रशासन अथवा न्यायालय द्वारा अपेक्षित किसी भी अतिरिक्त तकनीकी सहायता और डॉक्यूमेंटेशन के लिए एएसआई सदैव उपलब्ध रहेगा। कोर्ट में सीनियर एडवोकेट निपुण सिंह ने तर्क दिया कि यदि प्राप्त दूसरी रिपोर्ट उसी विभाग द्वारा पहले प्रस्तुत की गई पहली रिपोर्ट का स्थान ले लेती है तो ऐसी स्थिति में इस रिपोर्ट के लिए उन विद्वानों द्वारा गहन परीक्षण और सूक्ष्म जांच की आवश्यकता है जिनके पास इस विषय-वस्तु से संबंधित शोध का अनुभव और अध्ययन है। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि अधीक्षण पुरातत्वविद् ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि यह मूर्ति 9वीं-10वीं शताब्दी की है। मूर्ति की पहचान को लेकर किसी विशेष संप्रदाय की धार्मिक व्याख्या की संवेदनशीलता को देखते हुए कोर्ट ने निर्देश दिया कि मूर्ति को प्रयागराज के केंद्रीय संग्रहालय में सुरक्षित रखा जाए।

अतीक अहमद के गुर्गों की दबंगई, रेस्टोरेंट में घुसकर प्रॉपर्टी डीलर की पिटाई

प्रयागराज, 20 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के गुर्गों दबंगई एक बार फिर से सामने आई है। अतीक के गुर्गों द्वारा खुल्दाबाद में एक रेस्टोरेंट में घुसकर प्रॉपर्टी डीलर की पिटाई की गई है जिसका सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, दंबगों द्वारा रुदापुर के रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर मुजम्मिल (उम्र- 45 वर्ष) के साथ मारपीट की गई है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, मारपीट की घटना रात 11:30 बजे की है। मुजम्मिल अपने मामा मोहम्मद जसीम के साथ खुल्दाबाद के अटाला में कबाब पराठे की दुकान पर गया था। इसी दौरान नवाबगंज का मोहम्मद साकिब अपने 10-12 साथियों के साथ आ गया। आते ही उसने गाली गलौज और मारपीट शुरू कर दी। प्रॉपर्टी डीलर मुजम्मिल को लहूलुहान कर जान से मारने की धमकी देते हुए हमलावर फरार हो गए। मारपीट की ये पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है।

इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज तक पहुंचा अमेरिकन ओजी गांजा, सामान्य से 10 गुना अधिक है नशीला

कानपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली, एनसीआर, मुंबई, गोवा के बाद शहर में अमेरिकन ऑरिजनल गैंगस्टर (ओजी) गांजा आ गया है। यह शहर के प्रमुख इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज तक पहुंच गया है। यह प्रीमियम क्वालिटी का है और सामान्य गांजे से दस गुना अधिक नशीला होता है। केवल 10 ग्राम पुड़िया की कीमत तीन हजार रुपये से अधिक है। यह जानकारी तीन दिन पहले गिरफ्तार कर जेल भेजे गए आरोपी से पूछताछ में हुई है। उसके पास से 114 ग्राम अमेरिकन ऑरिजनल गैंगस्टर और 1.008 किलो सामान्य गांजा मिला था। एडीसीपी ऑपरेशन सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया कि ऑपरेशन व्हाइट पाउडर के अंतर्गत पुलिस शहर में नशे के खिलाफ अभियान चला रही है।

कल्याणपुर क्षेत्र में पनकी नहर के पास से नवाबगंज के पिंकू वर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। उसके पास अमेरिकन ओजी गांजा और सामान्य गांजा मिला था। आरोपी इस गांजे को शिक्षण संस्थानों के छात्रों को बेचता था। 17 मार्च को आईपीएस सुमेध मिलिंद जाधव और सर्विलांस टीम ने आरोपी को दबोचा था। एडीसीपी ऑपरेशन के मुताबिक अमेरिकन ऑरिजनल गैंगस्टर गांजे का नशा बैंकॉक, चीन और कई यूरोपीय देशों में किया जाता है। कई बार तस्करी करने वाल चोरी छिपे नेपाल, बांग्लादेश और अन्य देशों से ले आते हैं। इन एशियाई देशों से गांजा देश में आ जाता है। इसकी छोटी छोटी पुड़िया बनाई जाती है। यह कंसंट्रेटेड फार्म में रहता है।

1.5 करोड़ रिश्वत मामले में

सीजीएसटी डिप्टी कमिश्नर की जमानत अर्जी खारिज

लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) विभाग में तैनात रहीं आइआरएस अधिकारी प्रभा भंडारी की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि प्रथमदृष्टया उपलब्ध साक्ष्य इतने मजबूत हैं कि इस स्तर पर जमानत देने का कोई ठोस आधार नहीं बनता। न्यायाधीश राजीव सिंह की एकल पीठ ने अपने आदेश में विशेष रूप से वॉट्सएप काल की रिकार्डिंग का उल्लेख किया, जिसमें कथित रूप से डिप्टी कमिश्नर द्वारा रिश्वत की रकम को स्वीकार करने और उसे सोने में परिवर्तित करने के निर्देश अपने अधीनस्थ अधिकारी को दिए जाने के संकेत मिलते हैं।

1.5 करोड़ रुपये की मांगी थी रिश्वत

अधिकारी प्रभा भंडारी

अभियोजन के अनुसार, प्रभा भंडारी घटना के समय झांसी में सीजीएसटी डिप्टी कमिश्नर के पद पर तैनात थीं। आरोप है कि उन्होंने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर जीएसटी चोरी के एक मामले को निपटाने के एवज में कारोबारियों से 1.5 करोड़ रुपये की रिश्वत की मांग की थी। मामले में सीबीआइ के बिछाए ट्रैप के दौरान एक सह-आरोपित अधिकारी अजय शर्मा, जो सीजीएसटी में अधीक्षक था, के पास से 70 लाख रुपये बरामद किए गए थे। जमानत अर्जी में याची की ओर से दलील दी गई कि उसके पास से कोई प्रत्यक्ष बरामदगी नहीं हुई है और मामला मुख्य रूप से सह-आरोपित के बयानों पर आधारित है। यह भी कहा गया कि वह गर्भवती हैं, एक छोटे बच्चे की मां भी हैं तथा मामले में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, ऐसे में जमानत का दुरुपयोग करने की आशंका नहीं है।

लव जिहाद की 'मास्टरमाइंड' फिजा ने खोले विदेशी फंडिंग के राज, जाल में फंसाने का किया खुलासा

फतेहपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के राधानगर थाने में लव जिहाद के मामले में दर्ज मुकदमे की आरोपी फिजा खातून ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। कोर्ट में सरेंडर के दौरान, फिजा खातून ने बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए धर्मांतरण और लव जिहाद के आरोपों को बेबुनियादी बताया। फिजा ने बताया लखनऊ बाईपास में मोहम्मद सबी के यहां काम करने गई, जहां वह उसके यहां रहकर उसके दोना-पत्तल के कारखाने में काम करती थी। वहीं से उसके साथ ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू हुआ। फिजा खातून के मुताबिक, कारखाना संचालक मोहम्मद सबी ने उसका नहाते समय का वीडियो बना लिया था। उस वक्त वह निर्वस्त्र थी। इसी के आधार पर सबी उसको ब्लैकमेल करने लगा। वह लोगों के आधार कार्ड और पैन कार्ड लेकर हैदराबाद भेजता था और विदेश से फंडिंग करता था। उसे हर आईडी के 20 से 40 हजार रुपये हैदराबाद से मिलते थे जिसे निकलवाकर सबी 10 हजार उसे और बांकी पैसे अपने पास रखता था। आरोपी फिजा का कहना है कि अब तक 8 लोगों की आईडी सबी ने हैदराबाद भेजी हैं। शहर के पनी मोहल्ले से दो महिलाओं की भी आईडी भेजी गई हैं। फिजा का आरोप है कि इसके पीछे मोहम्मद सबी और शिकायतकर्ता महिला खुद है। शिकायतकर्ता, सबी की प्रेमिका है जो उसके साथ दिल्ली गई थी। वहीं, मोहम्मद सबी ने उसका अश्लील वीडियो दिखाकर उसके साथ गलत काम किया।

अवैध खनन पर नकेल, दो साल में 13692 वाहन जब्त प्रशासन ने कहा- 'आगे भी जारी रहेगा अभियान'

जम्मू, 20 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पिछले दो वर्षों में प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 13,692 वाहनों को जब्त किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में 6,219 वाहन जब्त किए थे, जबकि 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 7,473 पहुंच गई है। खास बात यह है कि 2025-26 के केवल नौ महीनों में पिछले पूरे वित्तीय वर्ष के मुकाबले 1,200 से अधिक वाहन जब्त किए जा चुके हैं। अवैध खनन से जुड़े मामलों में एफआइआर की संख्या में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की है, जो इसका संकेत है कि निगरानी पहले से ज्यादा सख्त हुआ है। जिला स्तर पर देखें तो 2025-26 में कुपवाड़ा में सबसे अधिक 859 वाहन जब्त किए गए,

फूल वालों की सैर में शामिल हुए एलजी तरनजीत सिंह संधू

दरगाह में चढ़ाई चादर, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने राजधानी में आयोजित प्रसिद्ध फूल वालों की सैर में श्रद्धापूर्वक भाग लिया और पवित्र दरगाह में फूलों की चादर चढ़ाई। इस दौरान उन्होंने देश की तरक्की, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। यह आयोजन दिल्ली में परंपरा और सद्भाव का प्रतीक माना जाता है। फूल वालों की सैर दिल्ली की सदियों पुरानी परंपरा है, जो हिंदू और मुस्लिम समुदायों की साझा संस्कृति को दर्शाती है।

इस आयोजन में योगमाया मंदिर और दरगाह दोनों स्थानों पर श्रद्धा व्यक्त की जाती है। फूल वालों की सैर में शामिल हुए एलजी तरनजीत सिंह संधू, दरगाह

में चढ़ाई चादर, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि योगमाया मंदिर और दरगाह में मनाया जाने वाला यह अनोखा उत्सव भारत की गंगा-जमुनी तहजीब और साझा विरासत की खूबसूरत झलक पेश करता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश की विविधता में एकता को मजबूत करता है और समाज में आपसी सम्मान को बढ़ावा देता है। फूल वालों की सैर में शामिल हुए एलजी तरनजीत सिंह संधू, दरगाह में चढ़ाई चादर, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना

दिल्ली की प्रगति, शांति के लिए प्रार्थना- उपराज्यपाल

उपराज्यपाल ने अपने सोशल मीडिया एक्स के हैंडल से पोस्ट करते हुए लिखा, आदरणीय फूल वालों की सैर के अवसर पर, ख्वाजा बख्तियार काकी की पवित्र दरगाह पर पुष्पों की चादर अर्पित की गई। दिल्ली की प्रगति, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई। योगमाया मंदिर और दरगाह पर मनाया जाने वाला दिल्ली का यह अनूठा त्योहार हमारी समृद्ध मिश्रित संस्कृति और साझा विरासत को दर्शाता है। फूल वालों की सैर में शामिल हुए एलजी तरनजीत सिंह संधू, दरगाह में चढ़ाई चादर, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना

आयोजन की परंपरा और वर्तमान स्वरूप

सदियों पुरानी यह परंपरा आज भी पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। इस आयोजन में फूलों की सजावट, चादर चढ़ाने की रस्म और सांस्कृतिक गतिविधियां प्रमुख आकर्षण होती हैं। यह मंदिर और दरगाह दोनों में आयोजित किया जाता है। इस दौरान पारंपरिक जुलूस और पूजा-अर्चना की जाती है। इसमें स्थानीय लोगों और प्रशासन की सक्रिय भागीदारी होती है।

भार्गव कैंप में पुलिस रेड से बवालः महिलाओं से मारपीट के आरोप, एडीसीपी बोले- मामले की जांच होगी

जालंधर, 20 मार्च (एजेंसियां)। जालंधर के भार्गव कैंप इलाके में पुलिस की छापेमारी के दौरान उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब स्थानीय परिवार ने पुलिस पर महिलाओं से मारपीट और बदसलूकी के गंभीर आरोप लगाए। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया और पीड़ित परिवार ने उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच की मांग की है। एसीपी वेस्ट विजय कंवर पाल ने कहा कि एएसआई परवीन साथियों को साथ लेकर रोहित को लेने गए थे। जिसके खिलाफ शिकायत दर्ज थी और वह बुलाने के बावजूद थाने नहीं आया था। इस मामले में एडीसीपी राकेश ने जांच के आदेश दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, किसी पुराने आपसी विवाद की शिकायत के आधार पर पुलिस टीम एक घर में दबिश देने पहुंची थी।

8 साल जेल में रहे जमशेद और परवेज को कोर्ट ने किया बरी

दिल्ली पुलिस साबित नहीं कर पाई आतंकी कनेक्शन के आरोप, बताया था आईएसआईएस सदस्य

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। पटियाला हाउस कोर्ट ने दो आरोपियों को बरी कर दिया है। दोनों को साल 2018 में आईएसआईएस-जेके से जुड़े होने का आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि कोर्ट ने यह साफ किया कि गिरफ्तार किए गए युवकों के खिलाफ कोई ऐसा सबूत नहीं मिला है जो यह साबित करता हो कि वे आईएसआईएस-जेके से जुड़े हैं। यही वजह है कि दोनों ही युवको को बरी किया जाता है।

कोर्ट ने कहा कि सरकारी पक्ष (प्रॉसिक्यूशन) यह साबित नहीं कर पाया कि आरोपी सच में आईएसआईएस से जुड़े थे। इसलिए उन्हें संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया गया है। मतलब साफ है कि गिरफ्तार किए गए युवकों को सिर्फ यह कहकर जेल में नहीं रखा जा सकता है कि वे आईएसआईएस से जुड़े हुए हैं। ऐसा कहने के लिए पर्याप्त सबूत होना जरूरी है। जो कि इन युवको के खिलाफ नहीं हैं। जस्टिस अमित बंसल ने जमशेद ज़हूर पॉल और परवेज़ राशिद लोन को गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 18 और 20, और शस्त्र अधिनियम के तहत आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने और आईएसआईएस से जुड़ाव के आरोपों से बरी कर दिया है।

कोर्ट ने यह भी कहा, "अभियोजन पक्ष यह साबित करने में भी नाकाम रहा कि 06.09.2018 से पहले, दोनों आरोपी आईएसआईएस-जेके के सदस्य थे। आईएसआईएस एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है जो आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने में शामिल है। इसलिए, दोनों आरोपी बरी किए जाने के हकदार हैं। जमशेद ज़हूर पॉल और परवेज राशिद लोन दोनों पर यूएपीए (आतंकवाद विरोधी कानून) के तहत केस दर्ज किया गया था।

असम की संस्कृति का संरक्षण हमारी जिम्मेदारी : सीएम हिमंता सरमा

गुवाहाटी, 20 मार्च (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को संरक्षित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि संस्कृति को बचाना एक कर्तव्य है, जिसे सरकार लगातार निभा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री ने लिखा, हमारी संस्कृति कोई नारा नहीं है। यह हमारे त्योहारों, हमारी प्रार्थनाओं और हमारे लोगों में जीवित है। उन्होंने कहा कि जो समुदाय इन परंपराओं को जीवित रखते हैं, उनके साथ खड़ा रहना सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि राज्य सरकार विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक समूहों को आर्थिक सहायता दे रही है। इसके तहत हर रास समिति को 25,000 रुपए की मदद दी जा रही है, ताकि रास उत्सव को बेहतर तरीके से आयोजित किया जा सके।

यह उत्सव असम की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, राज्य में 8,000 से अधिक पूजा समितियों को 10,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जा रही है, जिससे धार्मिक आयोजनों को सुचारू रूप से संपन्न कराया जा सके। असम सरकार ने 620 उदासीन भक्तों के लिए हर महीने 1500 रुपए की सहायता भी सुनिश्चित की है, जो आध्यात्मिक परंपराओं और सामुदायिक जीवन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि भाजपा की सरकार असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति, हमारी परंपराएं, हमारी जिम्मेदारी हैं और भरोसा दिलाया कि इस तरह की पहल आगे भी जारी रहेंगी।

मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है, जब सरकार सांस्कृतिक संस्थानों को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर पारंपरिक धार्मिक संगठनों को समर्थन देने की दिशा में काम कर रही है। सरकार अपने कामकाज (जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर, कानून-व्यवस्था और धार्मिक-सामुदायिक संस्थाओं को आर्थिक मदद) को चुनावी मुद्दा बना रही है। साथ ही, पार्टी पहचान और संस्कृति के मुद्दों को आगे रखकर अपने समर्थकों को बनाए रखने और नए गठजोड़ के जरिए व्यापक वोट बैंक तैयार करने की रणनीति पर काम कर रही है।

कांग्रेस की तरफ से क्रॉस वोटिंग करने वाले 5वें विधायक का नाम आया सामने

जरनैल सिंह को मिला शो कॉज नोटिस

गुरूग्राम, 20 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की तरफ से क्रॉस वोटिंग करने वाले पांचवें विधायक का नाम सामने आ गया है। पार्टी की अनुशासनात्मक समिति ने रतिया से विधायक जरनैल सिंह को भी नोटिस जारी कर दिया है। हालांकि, जरनैल सिंह ने इसे उन्हें बदनाम करने की साजिश बताया है और क्रॉस वोटिंग के आरोपों से साफ इनकार किया है। कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह ने पार्टी की तरफ से मिले शो कॉज नोटिस पर कहा कि अभी मुझे कोई नोटिस नहीं मिला है। जब मिलेगा तब पार्टी को जवाब देंगे।

ये मुझे बदनाम करने की साजिश है। किसी ने भी कोई क्रॉस वोटिंग नहीं की, मैंने अपना वोट भूपिंदर हुड्डा को दिखाकर डाला था। एमएलए जरनैल सिंह को जारी किए गए शो कॉज नोटिस में लिखा है कि पार्टी लीडरशिप की संज्ञान में यह लाया गया है कि राज्यसभा चुनाव में, आपने कथित तौर पर निर्धारित प्रक्रिया और पार्टी की तरफ से जारी आधिकारिक निर्देशों के विपरीत वोटिंग की है, जिसकी वजह से आपका वोट रद्द कर दिया गया।

अगर यह साबित हो जाता है, तो यह पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन है। ऐसा करना पार्टी विरोधी गतिविधियों के बराबर है। यह पार्टी की अखंडता, एकता और वैचारिक प्रतिबद्धताओं को कमजोर करने का काम करता है। यह पार्टी के नियमों, स्थापित मानदंडों और संविधान का भी स्पष्ट उल्लंघन है। शो कॉज नोटिस में विधायक जरनैल सिंह से 7 दिनों के अंदर कारण बताने के लिए कहा गया है। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो इसके लिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। जान लें कि इससे पहले नारायणगढ़ एमएलए शैली चौधरी, साढौरा की विधायक रेनू बाला, पुन्हाना के एमएलए मोहम्मद इलियास और हथीन के विधायक मोहम्मद इजराइल को नोटिस जारी करके जबाव मांगा जा चुका है।

भारत-म्यांमार सीमा पर 23.72 करोड़ की मेथामफेटामाइन गोलियां जब्त, एक वाहन बरामद

चम्फाई, 20 मार्च (एजेंसियां)। मिजोरम के चम्फाई जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत असम राइफल्स और चम्फाई पुलिस की संयुक्त टीम ने भारी मात्रा में मेथामफेटामाइन गोलियां बरामद कीं। इन गोलियों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 23.72 करोड़ रुपए बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह संयुक्त अभियान सीमा क्षेत्र के एक संवेदनशील मार्ग ह्मुनह्मेल्था रोड के पास चलाया गया। इस इलाके को तस्करी के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है, जहां से अक्सर अवैध गतिविधियों की सूचनाएं मिलती रहती हैं।

इसी आधार पर सुरक्षाबलों ने सघन तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान टीम को मौके पर एक लावारिस वाहन संदिग्ध अवस्था में खड़ा मिला। जब सुरक्षा कर्मियों ने वाहन की बारीकी से जांच की, तो उसमें छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में मेथामफेटामाइन गोलियां बरामद हुईं। कुल 7.907 किलोग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया गया, जो हाल के समय में इस क्षेत्र की सबसे बड़ी बरामदगियों में से एक माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बरामद की गई मेथामफेटामाइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 23.72 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह खेप संभवतः अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क के माध्यम से भारत में लाई जा रही थी, जिसे समय रहते पकड़ लिया गया। इस कार्रवाई के दौरान एक वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। हालांकि, वाहन के मालिक या तस्करों के बारे में फिलहाल कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। सुरक्षाबल इस मामले में आगे की जांच कर रहे हैं और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

बरामद नशीले पदार्थ और जब्त वाहन को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए चम्फाई के आबकारी एवं नशीले पदार्थ विभाग को सौंप दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि सीमा क्षेत्रों में इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि नशीले पदार्थों की तस्करी पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर से तस्करी की सूचना पहले ही मिल गई थी। तलाशी अभियान चलाकर इसको जब्त किया गया है। आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। मेथामफेटामाइन गोलियां को कहां ले जाई जा रही थीं, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

ओडिशा में खजाना! नुआपाड़ा में मिले हीरे

मंत्री ने की कई जिलों में सोना-रत्न के भंडार की पुष्टि

भुवनेश्वर, 20 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के नुआपाड़ा में हीरा युक्त पत्थरों की खोज हुई है। यह जानकारी राज्य विधानसभा में खनन मंत्री बिभूति भूषण जेना ने दी। विधानसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री बिभूति भूषण जेना ने पुष्टि की कि नुआपाड़ा ब्लॉक के तहत कलमिदादर में हीरे वाले पत्थर पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञ फिलहाल इस खोज के तकनीकी, आर्थिक और संबंधित पहलुओं का आकलन कर रहे हैं।

ओडिशा के वाणिज्य और परिवहन, इस्पात और खान मंत्री बिभूति भूषण जेना ने बताया है कि नुआपाड़ा जिले के नुआपाड़ा ब्लॉक के तहत कलामिदारा क्षेत्र में हीरे वाले पत्थर पाए गए हैं। खान मंत्री ने ओडिशा विधानसभा सत्र में एक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि खजानों से भरी ओडिशा की धरती के नीचे हीरे छिपे हैं, क्योंकि नुआपाड़ा के कलामिदारा क्षेत्र में हीरे वाले पत्थरों की पहचान की गई है।

कीमती रत्न मिलने के संकेत

उन्होंने बताया कि सरकार वर्तमान में इस क्षेत्र में खनन कार्यों की व्यावहारिकता निर्धारित करने के लिए विस्तृत तकनीकी, आर्थिक और अन्य व्यवहार्यता आकलन कर रही है। मंत्री ने आगे कहा कि हीरों के अलावा, माणिक (रूबी) के भी संकेत पाए हैं। उन्होंने कहा कि माणिक के संकेत कालाहांडी जिले के जूनागढ़ ब्लॉक के तहत हिंजिलिबहल-जिलिंगिबार क्षेत्र से मिले हैं। वहीं कालाहांडी जिले से कीमती रत्नों के भी संकेत मिले हैं। अब तक ओडिशा में रत्नों की कोई खदान नहीं मिली है।

सोने की चट्टान होने का दावा

राज्य में अन्य खनिज स्थलों की भी पहचान की गई है। मंत्री के अनुसार, देवगढ़ जिले के रियामाल ब्लॉक के तहत अदासा-रामपल्ली क्षेत्र में सोने के साथ-साथ तांबे वाले पत्थर, ग्रेफाइट और निकल पाए गए हैं। मयूरभंज जिले के कुलियाना ब्लॉक के तहत मदनासाही-कांजिया क्षेत्र में भी तांबे वाली चट्टानें और सोना मौजूद है। क्योंझर जिले के बांसपाल ब्लॉक के तहत गोपुर-जलाडीही क्षेत्र में सोना मिला है। कालाहांडी जिले में जूनागढ़ ब्लॉक के तहत हिंजिलीबहाल-जिलिंगिबार में माणिक पाए गए हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य में अब तक मोतियों की कोई खदान नहीं मिली है।

फिल्म 'कहानी 2' के निर्देशक को राहत

स्क्रिप्ट चोरी के आरोप में दर्ज केस सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त किया

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। फिल्म निर्देशक सुजॉय घोष को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने 2016 में रिलीज फिल्म 'कहानी 2: दुर्गा रानी सिंह' को लेकर दर्ज आपराधिक केस को रद्द कर दिया है। यह मामला झारखंड के हजारीबाग में लंबित था। एक लेखक ने फ़िल्म के अपनी लिखी सक्रिप्ट पर आधारित होने का दावा करते हुए उस केस को दाखिल किया था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब हजारीबाग के उमेश प्रसाद मेहता ने सुजॉय घोष पर उनकी अप्रकाशित सक्रिप्ट 'सबक' की चोरी का आरोप लगाया। मेहता ने दावा किया कि उनकी सक्रिप्ट पर ही फ़िल्म 'कहानी 2' बनाई गई है।

उन्होंने कॉपीराइट एक्ट की धारा 63 के उल्लंघन के लिए निर्देशक के खिलाफ आपराधिक केस दर्ज करवाया था। मेहता का कहना था कि उन्होंने 2015 में घोष से अपनी सक्रिप्ट साझा की थी। इसके पीछे उनका उद्देश्य अपनी सक्रिप्ट के कॉपीराइट रजिस्ट्रेशन के लिए घोष से एक सिफारिश पत्र पाना था। लेकिन घोष ने बिना उन्हें जानकारी दिए उनकी सक्रिप्ट पर फिल्म बना दी। मेहता की याचिका पर 7 जून 2018 को सीजेएम कोर्ट ने सुजॉय घोष को समन जारी किया था। इसके खिलाफ वह झारखंड हाई कोर्ट गए। 22 अप्रैल 2025 को हाई कोर्ट ने कहा कि उसे समन के स्तर पर दखल देने की ज़रूरत नहीं लगती। फिल्म निर्देशक को सीजेएम कोर्ट में जा कर अपनी बात रखनी चाहिए।

हाई कोर्ट से राहत पाने में असफल रहे निर्देशक ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उनकी दलील थी कि उन्होंने फिल्म की सक्रिप्ट 2012 में लिखी थी और दिसंबर 2013 में 'स्क्रीन राइटर्स एसोसिएशन' के पास उसका रजिस्ट्रेशन भी करवा लिया था। ऐसे में शिकायतकर्ता का यह दावा बेबुनियाद कि उसने 2015 में उन्हें फिल्म की सक्रिप्ट दी। घोष की तरफ से यह दलील भी दी गई कि सिविल प्रकृति के विवाद को आपराधिक केस के तौर पर दायर किया गया।

शेयर में इन्वेस्ट करने का ऑफर, 500% मुनाफे का वादा... ठग लिए सवा 2 करोड़; महिला ने गवां दी जीवन भर की पूंजी

जबलपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर की क्राइम ब्रांच पुलिस ने ऐसे शातिर साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है, जो भोले-भाले लोगों को मुनाफे का झांसा देकर उनसे ऑनलाइन ठगी कर लेते थे। इससे पहले जबलपुर की पुलिस ने चार आरोपियों को सहारनपुर और जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार किया था। वहीं अब दो आरोपियों को हरियाणा के पानीपत और सोनीपत से गिरफ्तार किया गया है और एक आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर नागपुर जेल से जबलपुर लाया गया है, जहां क्राइम ब्रांच की टीम अब तीनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों का दावा है कि इस पूरे मामले में और कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। दरअसल, शेयर मार्केट में प्रेमजी इन्वेस्ट के नाम का झांसा देकर जबलपुर की एक महिला से करीब सवा दो करोड़ रुपये की ठगी कर ली गई।

धामी सरकार ने किया कैबिनेट विस्तार 5 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

देहरादून, 20 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया। नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह लोकभवन में आयोजित किया गया। इस दौरान पांच विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। जिन विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली, उनमें देहरादून के विधायक खजान दास, रुद्रप्रयाग के विधायक भरत चौधरी, हरिद्वार के विधायक मदन कौशिक, रूड़की के विधायक प्रदीप बत्रा और नैनीताल के विधायक राम सिंह कैड़ा का नाम शामिल है।

इन सभी विधायकों ने लोकभवन में मंत्री पद की शपथ ली। लोकभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

धामी ने नए मंत्रियों को बधाई दी

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद पांच नेताओं के मंत्री पद की शपथ लेने पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, "सबसे पहले, मैं उन सभी सम्मानित व्यक्तियों को बधाई देना चाहता हूं जिन्हें आज मंत्रिपरिषद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैं उन सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। ये सभी लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत हैं। इनके साथ मिलकर हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने में योगदान देंगे और ये सभी गणमान्य व्यक्ति इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।" आज सुबह उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजभवन में भाजपा विधायकों खजान दास (देहरादून), मदन कौशिक (हरिद्वार), प्रदीप बत्रा (रुड़की), भरत चौधरी (रुद्रप्रयाग) और राम सिंह कैड़ा (नैनीताल) से मुलाकात की, जिन्होंने पद की शपथ ली।

कैबिनेट में हो सकते हैं 12 मंत्री

संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, उत्तराखंड में राज्य मंत्रिमंडल में अधिकतम 12 सदस्य हो सकते हैं। पहले भी राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कई बार अटकलें तेज हुईं, लेकिन कुछ भी साकार नहीं हुआ। जब भाजपा ने 2022 में उत्तराखंड में अपना दूसरा कार्यकाल शुरू किया, तो धामी ने आठ मंत्रियों के साथ पद की शपथ ली। अप्रैल 2023 में सामाजिक कल्याण और परिवहन मंत्री चंदन रामदास के निधन के बाद मंत्रिमंडल की संख्या घटकर आठ हो गई।

जासूसी कांड में बड़ी कार्रवाई 5 नाबालिगों समेत 9 और गिरफ्तार

गाजियाबाद, 20 मार्च (एजेंसियां)। गाजियाबाद के कौशांबी क्षेत्र में सामने आए जासूसी प्रकरण में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें पांच नाबालिग भी शामिल हैं। बालिग आरोपितों की पहचान गणेश, गगन, दुर्गेश और विवेक के रूप में हुई है। जांच एजेंसियों के अनुसार ये सीधे पाकिस्तानी आकाओं से संपर्क में थे। इस कार्रवाई के बाद मामले में कुल गिरफ्तारियों की संख्या 15 हो गई है, क्योंकि इससे पहले 14 मार्च को छह आरोपितों को पकड़ा गया था।

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क को गंभीरता से लेते हुए आरोपितों से पूछताछ कर रही हैं और इसके अन्य संभावित कनेक्शन खंगाले जा रहे हैं। इस जासूसी गिरोह का खुलासा किसी बड़े अभियान से नहीं, बल्कि बीट पुलिस अधिकारी (बीपीओ) की सतर्कता से हुआ। आजकल जहां अधिकतर मामलों में पुलिस सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और सीडीआर के जरिए अपराधियों तक पहुंचती है, वहीं इस मामले में एक साधारण बातचीत ने बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया। मार्च की शुरुआत में कौशांबी थाना क्षेत्र में तैनात एक बीपीओ क्षेत्र में गश्त के दौरान एक बाइक मैकेनिक की दुकान पर पहुंचा। वहां कुछ युवक बैठे हुए थे। सामान्य बातचीत के दौरान एक युवक ने बताया कि वह सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम करता है। बातचीत के दौरान उसने यह भी बताया कि उसका एक साथी कैमरे लगाकर फोटो और वीडियो बनाकर रुपये कमाता है।

यह जानकारी बीपीओ को संदिग्ध लगी और उसने तुरंत अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी। पुलिस ने सूचना को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और मेरठ में सुभारती यूनिवर्सिटी के पास रहने वाले बिजनौर के नहटौर निवासी सुहेल मलिक उर्फ रोमियो तक पहुंची। जब पुलिस ने उसका मोबाइल फोन खंगाला तो जांच अधिकारियों के होश उड़ गए।

होर्मुज स्ट्रेट से खत्म होगी ईरानी दादागिरी?

नेतन्याहू ने पेश किया इजरायल का 'एनर्जी कॉरिडोर' प्लान, मानेंगे मुस्लिम देश?

तेल अवीव, 20 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि उनका मानना है कि मध्य-पूर्व के तेल और गैस को अरब प्रायद्वीप से होते हुए इजरायली बंदरगाहों तक पहुंचाने के लिए पाइपलाइनें बनाई जानी चाहिए। इसका मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य और खाड़ी के अन्य जलक्षेत्रों में ईरान से होने वाले खतरों को हमेशा के लिए खत्म करना है। अगर इजरायली पीएम का प्लान पर काम हुआ तो फिर कई देशों के लिए होर्मुज का महत्व खत्म हो जाएगा। इसके अलावा होर्मुज को लेकर ईरान फिलहाल जिस तरह से देशों को परेशान कर रहा है वो भी खत्म हो जाएगा।

इजरायल के पीएम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस मॉडल को पेश किया है। इजरायल ने पहले ईरान के गैस क्षेत्र पर हमला किया था जिसके बाज ईरान ने भी कतर और इजरायल में गैस इफ्रास्ट्रक्चर पर हमले किए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने इजरायल से कहा है कि वो ईरान के गैस और तेल इफ्रास्ट्रक्चर पर हमले ना करे। वहीं नेतन्याहू ने कहा कि तेहरान

के पास अब यूरेनियम संवर्द्धन की क्षमता नहीं बची है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने इस दावे पर सवाल उठाए हैं।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप ने उनसे भविष्य में होने वाले गैस हमलों को रोकने के लिए कहा था। साउथ पार्स हमले के बारे में एक रिपोर्टर के पूछने पर नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने यह कार्रवाई अकेले की थी।

उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रपति ट्रंप ने हमसे भविष्य में होने वाले हमलों को रोकने के लिए कहा था।' इसी दौरान नेतन्याहू ने कहा कि उनका मानना है कि होर्मुज स्ट्रेट के लिए वैकल्पिक रास्ते खोजने होंगे। ऐसा लग रहा था कि वे इस बात की ओर इशारा कर रहे थे कि इस अहम रास्ते (चोक पॉइंट) के लंबे समय तक बंद रहने से इजरायल को संभावित फायदा हो सकता है।

नेतन्याहू ने कहा कि 'बस तेल और गैस की पाइपलाइनें अरब प्रायद्वीप से होते हुए पश्चिम की तरफ सीधे इजराइल तक हमारे भूमध्यसागरीय बंदरगाहों तक ले आइए और इस तरह आप इन अहम रास्तों (चोक पॉइंट्स) की जरूरत को हमेशा के लिए खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा कि मैं इसे एक ऐसे असली बदलाव के तौर पर देखता हूं जो इस युद्ध के बाद आएगा।

नेतन्याहू ने जो रास्ता सुझाया वो क्या है?

नेतन्याहू ने जो मॉडल बताया है अगर वाकई उसपर अहम होता है तो मिडिल ईस्ट का नक्शा ऊर्जा सप्लाई के हिसाब से पूरी तरह बदल जाएगा। मौजूदा स्थिति में तेल के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य और बाब-अल-मंडेब जैसे रास्तों से गुजरना होता है और ये रास्ते काफी संकीर्ण हैं। लेकिन नेतन्याहू ने जो प्लान सुझाया है उसके मुताबिक इन समुद्री रास्तों की अहमियत कम हो जाएगी क्योंकि फिर तेल पाइपलाइनें सीधे जमीन से होकर गुजरेंगी। इस प्लान के तहत एक सीधी रेखा की कल्पना की जाए तो ये सीधा लाइन अरब प्रायद्वीप (खाड़ी देशों) से शुरू होकर पश्चिम की ओर इजरायल तक जाएगी।

व्हाइट हाउस में मेहमानों की 'बेइज्जती' या कूटनीति?

पहले जेलेंस्की अब ट्रंप ने जापानी पीएम को याद दिलाया पर्ल हार्बर

वॉशिंगटन, 20 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने बेबाक अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। इस बार ट्रंप ने व्हाइट हाउस में जापानी पीएम सनाए ताकाइची के सामने पर्ल हार्बर हमले का जिक्र छेड़ दिया। इस घटना ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है, जब ट्रंप ने अपने घर बुलाकर कैमरे के सामने किसी विदेशी मेहमान को शर्मिंदा करने की कोशिश की है। ट्रंप इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ भी ऐसा ही बर्ताव किया था। ऐसे में सवाल उठता है कि विदेशी मेहमानों के साथ ऐसा बर्ताव करना ट्रंप की कूटनीति है या फिर कुछ और।

गुरुवार को ओवल ऑफिस में जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची की मेज़बानी करते हुए, ट्रंप ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान 1941 में पर्ल हार्बर पर जापान के हमले को लेकर उसका मजाक उड़ा दिया। ईरान में चल रहे मौजूदा संघर्ष के बारे में कई सवालों के बाद, एक जापानी रिपोर्टर ने अमेरिकी राष्ट्रपति से पूछा: आपने

ईरान पर हमला करने से पहले यूरोप, एशिया और जापान में अपने अमेरिकी सहयोगियों को इस युद्ध के बारे में क्यों नहीं बताया?

ट्रंप ने जवाब दिया: एक बात यह है कि आप बहुत ज्यादा संकेत नहीं देना चाहते, आप जानते हैं, जब हम अंदर जाते हैं, तो हम बहुत ज़ोरदार तरीके से जाते हैं और हमने इसके बारे में किसी को नहीं बताया क्योंकि हम सरप्राइज देना चाहते थे। सरप्राइज के बारे में जापान से बेहतर कौन जानता है? कमरे में हंसी गूंज उठी, लेकिन राष्ट्रपति अभी चुप नहीं हुए थे। उन्होंने शरारत भरे अंदाज़ में पूछा: आपने मुझे पर्ल हार्बर के बारे में क्यों नहीं बताया?

ट्रंप के जवाब को सुनकर वहां मौजूद अमेरिकी अधिकारी और राजनेता हंसने लगे। हालांकि, जापानी पीएम तकाइची हैरान हो गईं। ट्रंप ने उस पल (पर्ल हार्बर हमले) का जिक्र किया जिसने अमेरिका को दूसरे विश्व युद्ध में खींच लिया था। हवाई के पर्ल हार्बर में अमेरिकी नौसैनिक अड्डे पर जापान का हमला 7 दिसंबर 1941 को हुआ था। इसमें 2,390 अमेरिकी मारे गए थे और अमेरिका ने अगले ही दिन जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी थी। तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डेलानो रूज़वेल्ट ने इसे एक ऐसी तारीख कहा था जो हमेशा बदनामी के तौर पर याद रखी जाएगी।

युद्ध को लेकर यह ट्रंप का पहला अजीब पल नहीं था। पिछले साल, जब जर्मनी के चांसलर, फ्रेडरिक मर्ज ने 6 जून 2025 को D-day के तौर पर ज़िक्र किया, तो ट्रंप ने जवाब दिया कि चांसलर के लिए यह कोई सुखद दिन नहीं था। मर्ज ने जवाब दिया: खैर, लंबे समय के हिसाब से देखें तो, मिस्टर प्रेसिडेंट, यह मेरे देश की नाजी तानाशाही से आजादी का दिन था।

फरवरी 2025 के अंत में व्हाइट हाउस में हुई एक बैठक में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के साथ भी इसी तरीके से बात की थी। ट्रंप ने जेलेंस्की से कहा था कि युद्ध के मोर्चे पर खराब स्थिति के कारण आपको आभारी होना चाहिए, आपके पास कोई कार्ड नहीं हैं। ट्रंप ने युद्धविराम पर जोर दिया और यूक्रेन को बुरी स्थिति में बताते हुए कहा कि वे अमेरिकी हथियारों के बिना नहीं टिक सकते।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीज की ईद पर सिडनी की मस्जिद में हूटिंग

नरसंहार समर्थक के लगे नारे, बचकर भागे

सिडनी, 20 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को उस समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ा जब सिडनी एक मस्जिद में पहुंचने पर उनका विरोध हुआ और उन पर हूटिंग की गई।

अल्बनीज शुक्रवार को ईद की नमाज के शामिल होने के बुलावे पर सिडनी स्थित देश की सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक लकेम्बा मस्जिद में पहुंचे थे। इस दौरे का मकसद ऑस्ट्रेलियाई मुस्लिमों के साथ जुड़ाव दिखाना था, लेकिन जब मस्जिद के एक नेता भाषण दे रहे थे, उसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने विरोध शुरू कर दिया।

अल्बनीज के खिलाफ मस्जिद में नारे

पीएम अल्बनीज के साथ देश के गृह मंत्री टोनी बर्क भी वहां मौजूद थे। मस्जिद में मौजूद लोग अल्बनीज और उनके डेप्युटी पर नरसंहार का समर्थन होने का आरोप लगाने लगे। इस दौरान लोगों ने उन्हें हूट करते हुए गेट आउट ऑफ हियर (यहां से निकल जाए) के नारे लगाने लगे। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में लोग अल्लाहु अकबर के नारे लगा रहे थे।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, कार्यक्रम में मौजूद एक शख्स ने चीखते हुए कहा, 'वह यहां क्यों हैं?

उन्हें यहां से बाहर निकालो। यह शर्म की बात है।' लोगों की हूटिंग के बीच अल्बनीज भीड़ से बचते हुए तेजी से वहां से निकल गए। रिपोर्ट में बताया गया कि अल्बनीज पर चिल्लाने वाले एक शख्स को पुलिस ने वहां से हटा दिया था। बाद में उसे बिना किसी आरोप के छोड़ दिया गया।

यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब ऑस्ट्रेलिया के मुस्लिम समुदाय के कुछ वर्गों में गाजा युद्ध को लेकर सरकार के रवैये पर गुस्सा है।

वहीं, मस्जिद का संचालन करने वाली लेबनीज मुस्लिम एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री की मेजबानी के अपने फैसले का बचाव किया है।

एसोसिएशन ने इस आलोचना को भी खारिज किया कि निमंत्रण सरकारी नीतियों के समर्थन का संकेत है। वहीं, अल्बनीज ने बाद में कहा कि इस घटना के बावजूद बेहद सकारात्मक कहा।

ऑटो पार्ट्स बनाने वाली फैक्ट्री में लगी भीषण आग

50 लोग घायल, कई के फंसे होने की आशंका

सियोल, 20 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की एक ऑटो पार्ट्स बनाने वाली फैक्ट्री में शुक्रवार को आग लग गई है, जिसकी चपेट में आकर कम से कम 50 लोग घायल हो गए हैं। घटना दक्षिण कोरिया के शहर देयजियोन में घटी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया की नेशनल फायर एजेंसी के अनुसार, घायलों में 35 लोगों की हालत गंभीर है। घटनास्थल से सामने आए वीडियो में फैक्ट्री परिसर से घना काला धुआं उठता दिखाई दिया।

आग लगने की वजह अभी तक साफ नहीं

अभी यह साफ नहीं है कि फैक्ट्री के अंदर कितने कर्मचारी फंसे हुए हैं। अग्निशमन विभाग ने आशंका जताई है कि हताहतों की

संख्या बढ़ सकती है। आग लगने की सूचना दोपहर में मिली थी। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आग पर काबू पाने के लिए 200 से अधिक दमकलकर्मियों और 70 से ज्यादा वाहनों को तैनात किया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री किम मिन-सोक हालात पर नजर बनाए हुए हैं और उन्होंने आग पर काबू पाने और राहत-बचाव कार्यों के लिए सभी संसाधनों और कर्मियों की पूर्ण तैनाती के निर्देश दिए हैं।

यूरोप के सबसे घातक 6वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान प्रोग्राम में शामिल होना चाहता है भारत

नई दिल्ली/पेरिस, 20 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने संकेत दिए हैं कि वो यूरोप में चल रहे दो छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान कार्यक्रमों में से किसी एक में शामिल होना चाहता है। भारतीय रक्षा अधिकारी छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान कार्यक्रम में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। इसका खुलासा भारत की संसद में पेश की गई 2026 के रक्षा बजट योजनाओं को लेकर एक रिपोर्ट में हुआ है। यानि भारत जो फिलहाल 'एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट' (एएमसीए) प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है वो छठी पीढ़ी के फाइटर प्रोग्राम में भी शामिल होना चाहता है। एएमसीए, 5+ पीढ़ी का फाइटर जेट होगा।

यूरोप में अभी दो तरह के फाइटर जेट प्रोग्राम चल रहे हैं। ब्रिटेन के नेतृत्व वाला 'ग्लोबल कॉम्बैट एयर प्रोग्राम' (जीसीएपी) जिसमें नेक्स्ट जेनरेशन स्टील्थ क्षमता है और दूसरा 'फ्यूचर

कॉम्बैट एयर सिस्टम' (एफसीएएस) प्रोग्राम, जिसके केंद्र में क्रू वाला 'न्यू जेनरेशन फाइटर' (एनजीएफ) होगा। माना जा रहा है कि इन दोनों प्रोग्राम के तहत बनने वाले फाइटर जेट 2035 तक सर्विस में आ जाएंगे। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में टाइमलाइन को लेकर थोड़ा शक है। ग्लोबल कॉम्बैट एयर प्रोग्राम (जीसीएपी)- इसमें यूके, इटली और जापान शामिल हैं। ये तीनों ही देश भारत के दोस्त हैं।

जापान पिछले साल भारत को इस प्रोग्राम में शामिल होने के लिए औपचारिक न्योता दे चुका है। ब्रिटेन और इटली भी चाहते हैं कि भारत इस प्रोग्राम में शामिल है। इस प्रोग्राम का मकसद नेक्स्ट जेनशनल स्टेल्थ क्षमता के साथ फाइटर जेट बनाना है।

फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस)- इस प्रोग्राम में फ्रांस, जर्मनी और स्पेन हैं। फ्रांस सबसे ज्यादा चाहता है कि भारत इस प्रोजेक्ट में शामिल हो। उसने काफी जोर भी दिया है।

इसका मकसद भारत के साथ राफेल फाइटर जेट डील को और तार्किक बनाना है और दोनों देशों के डिफेंस पार्टनरशिप को नेक्स्ट लेवल पर ले जाना है। बजट रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय रक्षा मंत्रालय ने संसद की रक्षा मामलों की स्थायी समिति को जानकारी दी है कि भारतीय वायुसेना इन दोनों में से किसी एक प्रोग्राम में तुरंत शामिल होना चाहती है। रक्षा मंत्रालय का मानना है कि इस तरह की साझेदारी से आईएएफ को यह पक्का करने में मदद मिलेगी कि वह आधुनिक विमान हासिल करने के अपने लक्ष्य को पूरा करने में पीछे न रह जाए।

कनाडा में भारतीय एजेंट नहीं टॉप कनाडाई पुलिस अफसर ने खोली ट्रूडो के दावे की पोल

ओटावा, 20 मार्च (एजेंसियां)। कनाडा के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा है कि उन्हें जांच में देश में विदेशी संस्था के दमन में शामिल होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। यह कनाडा के रुख में अहम बदलाव है, जिसमें भारतीय एजेंटों के कनाडा में हत्या में शामिल होने की बात कही गई थी। रॉयल कनाडा माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के कमिश्नर माइक डुहेम ने कहा, हमारे पास जो पाइलें हैं, उनमें अभी हमें किसी भी विदेशी संस्था से कोई संबंध नजर नहीं आ रहा है।

उन्होंने कहा कि यह बात पुलिस के पास मौजूद आपराधिक जानकारी और मौजूदा जांचों पर आधारित है। डुहेम ने कहा, मैं यह बात विदेशी दखल या ट्रांसनेशनल दमन से जुड़ी हमारे पास मौजूद सभी फाइलों के आधार पर कह रहा हूं। हमारे पास जो जानकारी है, उसके मुताबिक कुछ लोग दूसरे को डरा-धमका रहे हैं और परेशान कर रहे हैं, लेकिन इन घटनाओं को किसी विदेशी संस्था से जोड़ने वाले सबूत हमारे पास नहीं हैं, चाहे वह कोई भी देश हो। कनाडा के शीर्ष पुलिस अधिकारी की यह टिप्पणी देश के रुख में एक बड़ा बदलाव दिखाती है, जो कनाडा के पूर्व प्रधनमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में लगाए गए आरोपों के उलट है। साल 2023 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा था कि उनके पास खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों के संबंधों के विश्वसनीय सबूत हैं।

भारत में आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल कनाडाई नागरिक निज्जर की जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। भारत ने हत्या में शामिल होने के ट्रूडो के आरोपों को खारिज कर दिया और इसे मनगढ़ंत और बेबुनियाद कहा था। भारत ने कनाडा से इस बारे में सबूत की भी मांग की थी, जिसे कभी उपलब्ध नहीं कराया गया। ट्रूडो के कार्यकाल में इस मामले ने कूटनीतिक विवाद का रूप लिया और दोनों देशों ने अपने उच्चायुक्तों को वापस बुला लिया।

हालांकि, ट्रूडो के उत्तराधिकारी मार्क कार्नी के नेतृत्व में दोनों देशों के रिश्तों ने गति पकड़ी, जब ओटावा ने इसे सुधारने की पहल की। उच्चायुक्तों को उनके पदों पर बहाल किया गया।

वीजा सेवाएं शुरू की गईं। इसी साल फरवरी के आखिर में कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भारत का दौरा किया।

तेल-गैस का हाहाकार: भारत के 4 'तारणहार' दोस्त

भर-भरकर आने लगे जहाज

आयर्स/मास्को/वॉशिंगटन, 20 मार्च (एजेंसियां)। ईरान में अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद फारस की खाड़ी में होर्मुज स्ट्रेट बंद है जिससे भारत में तेल, एलपीजी और एलएनजी गैस की भारी किल्लत हो गई है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में कई जगहों पर बारुदी सुरंगे लगा दी हैं जिससे तेल टैंकर उधर से गुजरने से बच रहे हैं। ईरान ने अपने तटीय इलाके में एक संकरा रास्ता छोड़ रखा है जिससे भारत, चीन, पाकिस्तान समेत दुनिया के कुछ देशों के जहाज बहुत कम संख्या में निकल रहे हैं। ईरान अब इस इलाके में टोल लगाने की तैयारी कर रहा है। वहीं अमेरिका ने होर्मुज का खुलवाने के लिए चीन, जापान समेत दुनिया के कई देशों से नौसेना भेजने की गुहार लगाई लेकिन किसी ने उसका साथ नहीं दिया है। इस बीच अमेरिका अब अपने सैनिकों को बड़े पैमाने पर जमा कर रहा है ताकि ईरान पर जोरदार हमला करके उसे होर्मुज स्ट्रेट को खोलने के लिए मजबूर किया जा सके।

होर्मुज संकट के बीच भारत ने पश्चिम एशिया में ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले की कड़ी निंदा की है। भारत ने कहा है कि यह 'अस्वीकार्य' है। भारत ने कहा है कि इस हमले की वजह से भारत में एलएनजी की भारी कमी हो गई है। इसके अलावा एलपीजी गैस, तेल और उर्वरकों की कमी से भारतीय जनता बुरी तरह से परेशान है। भारत में यूरिया बनाने के लिए एलएनजी गैस की बड़े पैमाने पर जरूरत है जो कतर से आती है। हाल ही में ईरान ने कतर पर बड़ा हमला किया है जिसमें उसे भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है।

रूस: यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत रूस से जमकर तेल खरीद रहा है। अमेरिका के टैरिफ लगाने के बाद भारत ने इसे लेना कम किया था लेकिन अब फिर से इसकी खरीद तेज हो गई है। चीन को जा रहे रूसी तेल टैंकर पर भारत की ओर मुंह मोड़ चुके हैं। हालांकि रूस पहले भारत को डिस्काउंट दे रहा था लेकिन अब उसने इसे बंद कर दिया है। इसके बाद भी भारत को प्राथमिकता के आधार पर तेल की सप्लाई की जा रही है।

जॉर्डन: ईरान के हमलों को विफल करने में जुटा खाड़ी का प्रभावशाली मुस्लिम देश जॉर्डन अब भारत की मदद कर रहा है। जॉर्डन भारत को फर्टिलाइजर दे रहा है। पीएम मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्लाह II से गुरुवार को बात की थी। पीएम मोदी ने जॉर्डन के किंग से पश्चिम एशिया के ऊर्जा आधारभूत ढांचे पर हमले के बारे में वचिार विमर्श किया था। पीएम मोदी ने कहा कि यह हमला निंदनीय है और कहा कि इससे तनाव और भड़केगा।

अर्जेंटीना: होर्मुज संकट को देखते हुए भारत ने पहली बार लैटिन अमेरिकी देश आर्जेंटीना से मदद ली है। भारत ने एक एलपीजी गैस का कार्गो बुक किया है। इस शिपमेंट में 19486 टन एलपीजी भारत को मिलेगा। यह एलपीजी मार्च महीने के अंत तक भारत पहुंच जाएगा। बता दें कि भारत की एलपीजी की सप्लाई ईरान युद्ध की वजह से काफी कम हो गई है।

अमेरिका: ईरान में जंग को अमेरिका और इजरायल ने शुरू किया है। अब संकट की इस घड़ी में अमेरिका ने भारत तेल और एलपीजी गैस को लेकर भारत को आपूर्ति तेज कर दी है। भारत ने अमेरिका से 13 टैंकर एलपीजी गैस खरीदा है जो करीब 3 लाख 50 हजार टन है। ये सारा एलपीजी गैस भारत की ओर रवाना हो गया है।

बलरामपुर-रामानुजगंज में तेज बारिश के साथ गिरे ओले

रायपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम ने पिछले तीन दिनों में जबरदस्त यू टर्न लिया है। प्रदेश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश के साथ ओले गिरे हैं, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। 20 मार्च की दोपहर बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में तेज आंधी बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी करते हुए चेतावनी दी है कि प्रदेश में अंधड़ और बिजली गिरने के साथ ओलावृष्टि हो सकती है। कल यानी 21 मार्च को भी राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और बिजली गिरने का खतरा बना रहेगा। पिछले 24 घंटों के दौरान बस्तर संभाग के जगदलपुर, बकावंड और साकोला जैसे इलाकों में 1-1 सेमी तक बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं तापमान की बात करें तो सबसे अधिक तापमान 36.4°सी दुर्ग में दर्ज किया गया, वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.1 डिग्री जगदलपुर में रिकॉर्ड किया गया।

मध्य प्रदेश के ऊपर चक्रवाती घेरा बना हुआ है। उत्तरी मध्य प्रदेश में समुद्र तल से 0.9 किमी की उंचाई पर हवा का गोल घेरा नमी वाली हवाओं को अपनी ओर खींच रहा है। द्रोणिका रेखा मध्य प्रदेश के इस चक्रवाती घेरे से लेकर महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ तक फैली हुई है। यह रेखा छत्तीसगढ़ के पश्चिमी बॉर्डर के पास है और हवाओं में अस्थिरता पैदा कर रही है। आंध्र प्रदेश के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवात तटीय क्षेत्रों में 3.1 किमी की उंचाई पर बना हुआ है। यह सिस्टम बंगाल की खाड़ी से भारी नमी छत्तीसगढ़ की ओर धकेल रहा है। नमी और बादलों का जमावः आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश के सिस्टम की वजह से राज्य में लगातार नमी आ रही है। इससे मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ (रायपुर, दुर्ग, बस्तर संभाग) में बादल छाए रहेंगे।

जमीन का तापमान लगभग 36 डिग्री है और ऊपर से ठंडी नमी वाली हवाएं आ रही हैं, जिससे तेज हवाओं और हल्की-मध्यम बारिश की संभावना है।

आरोपी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

कोडरमा, 20 मार्च (एजेंसियां)। कोडरमा स्थित जयनगर थाना के हाजत में एक आरोपी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना तब हुई, जब उसे शराब के नशे में पत्नी से मारपीट के आरोप में थाना लाया गया था। मृतक की पहचान परसाबाद के कटिया गांव निवासी 40 वर्षीय विजय यादव के रूप में हुई है। वहीं, मृतक के परिजनों ने पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग पर कोडरमा थाना में हंगामा किया। मुख्यालय डीएसपी रतिभान सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात विजय यादव की पत्नी चमेली देवी ने परसाबाद पिकेट में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

पीएलएफआई के 9 उग्रवादी गिरफ्तार

सिमडेगा, 20 मार्च (एजेंसियां)। सिमडेगा जिले के जलडेगा थाना क्षेत्र में सड़क निर्माण कंपनी के कैंप पर आगजनी के प्रयास के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। इस संबंध में पीएलएफआई के नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने की। पुलिस के अनुसार, जलडेगा थाना में 26 जनवरी 2026 को कांड संख्या 05/26 दर्ज किया गया था। यह मामला लचड़ागढ़ से ओड़गा तक सड़क निर्माण कर रही कंपनी एसआरएमवी डीपी (जेवी) से संबंधित है, जिसका अस्थायी कैंप कारीमाटी पांगुर में स्थित है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 25-26 जनवरी की रात अज्ञात अपराधियों ने दहशत फैलाने और लेवी वसूलने के इरादे से कैंप में खड़े वाहनों में आग लगाने की कोशिश की थी। इस घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने छापेमारी कर इस घटना में शामिल नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया।

पुआल लदी चलती पिकअप में लगी आग

धनबाद, 20 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद-झरिया मुख्य मार्ग पर माइन रेस्क्यू के पास गुरुवार की रात पुआल लदी चलती पिकअप में अचानक आग लग गई। इस घटना में ड्राइवर और खलासी ने सड़क पर कूदकर अपनी जान बचाई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी गाड़ी जलकर खाक हो गई। यह घटना झरिया थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार, पुआल लदी यह गाड़ी झरिया रोड से धनबाद की ओर जा रही थी। अहले सुबह सड़क पर आवाजाही कम थी, तभी अचानक वाहन में आग लग गई।

गणगौर तीज आज
लड़कियों और सुहागिनों का पर्व

गणगौर 21 मार्च, शनिवार को मनाई जाएगी। पंचांग के हिसाब से यह पर्व चैत्र शुक्ल तृतीया को पड़ता है। गणगौर को गौरी तृतीया भी कहा जाता है। चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष के तीसरे दिन शिव-पार्वती की पूजा और व्रत होता है। इसमें लड़कियां और शादीशुदा महिलाएं मिट्टी के शिव यानी गण और देवी पार्वती यानी गौर बनाती हैं। फिर उनकी पूजा करती हैं।

सुहागन, पति की लंबी उम्र के लिए और लड़कियां अच्छे पति की कामना से व्रत करती हैं। राजस्थान की परंपरा में यह पर्व विशेष रूप से महिलाओं का उत्सव माना जाता है। शादीशुदा औरतें सोलह श्रृंगार करके ये व्रत और पूजा करती हैं। वहीं, लड़कियां भी पूरी तरह सजकर पूरे विधि-विधान से पूजा करती हैं।

पौराणिक कथा के मुताबिक माना जाता है कि गौरा यानी देवी पार्वती ने भी शिवजी के लिए तप और व्रत किया था। इसके बाद ही उन्हें पति रूप में शिवजी मिले। इसी वजह से गणगौर में गौरी को सौभाग्य, दांपत्य सुख और शुभ वर की कामना से पूजा जाता है। पुराणों में भी इस व्रत का जिक्र है। नारद पुराण के उत्तरभाग में कहा गया है कि चैत्र शुक्ल तृतीया महाफलदायी है और उस दिन गौरी का भक्ति भाव से पूजन करना चाहिए। स्कंद पुराण में भी गौरी तृतीया का जिक्र मिलता है।

'गण' भगवान शिव का और 'गौर' या 'गौरी' माता पार्वती का नाम है। इसी कारण इस दिन शिव-पार्वती की संयुक्त पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। राजस्थान में यह पूजा होली के अगले दिन से शुरू होकर 18वें दिन गणगौर पर पूरी होती है।

शिव-पार्वती की विशेष पूजा

देवी पार्वती के साथ ही इस दिन शिवजी की भी विशेष पूजा होती है। मान्यता है कि ऐसा करने से पति की उम्र बढ़ती है और हर तरह की परेशानियां दूर होती हैं।

इस दिन भगवान शिव को शुद्ध जल, ताजा दूध, पंचामृत, चंदन, बिल्वपत्र, और परंपरा के अनुसार उपलब्ध पूजन सामग्री चढ़ाई जाती है। गणगौर में कई जगह ईसर-गौर की प्रतिमाओं को सजाकर गीत गाए जाते हैं, जल अर्पित किया जाता है और अगले दिन विसर्जन भी किया जाता है।

गणगौर पर देवी पार्वती की भी विशेष पूजा करने का विधान है। क्योंकि यह पर्व गौरी तृतीया से जुड़ा है, इसलिए माता गौरी की पूजा, श्रृंगार और सुहाग सामग्री का अर्पण प्रमुख माना जाता है।

कौन सी देवी किस अंग की करती हैं रक्षा ?

चैत्र नवरात्रि का पर्व शुरू हो चुके हैं. इन नौ दिनों में भक्तगण व्रत रखते हैं और मां दुर्गा की आराधना करते हैं. माना जाता है कि इस दौरान सच्चे मन से की गई पूजा और भक्ति से मां दुर्गा सभी कष्टों को दूर करती हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं. लेकिन क्या आपको पता है कि माता रानी अपनी हर शक्ति के साथ हर अंग पर विराजमान रहती हैं. आइए जानते हैं चैत्र नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती के कवच का महात्म्य...

सनातन धर्म में भगवती की आराधना को समर्पित चैत्र नवरात्रि का पर्व विशेष महत्व रखता है. नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है, जिनमें शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्माण्डा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री शामिल हैं. मान्यता है कि इन नौ दिनों में शक्ति की आराधना से भक्ति, शक्ति और आस्था के साथ आरोग्य का वरदान माता देती हैं. साथ ही, हर प्रकार के भय, चिंता, कष्ट से भी मुक्त करती हैं. लेकिन क्या आपको पता है कि हमारे शरीर के हर अंग पर मां आदि शक्ति की एक शक्ति विराजमान रहती हैं और उनकी रक्षा करती हैं. आइए जानते हैं कौन सी देवी किस अंग की रक्षा करती हैं और चैत्र नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती के कवच का महात्म्य भी जानें...

नवरात्रि में कई भक्त पूरे नौ दिन व्रत रखकर माता दुर्गा की आराधना, पूजा-पाठ करते हैं. इस दौरान दुर्गा कवच (देवी कवच) का पाठ बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है. यह मार्कंडेय पुराण में वर्णित दुर्गा सप्तशती का एक शक्तिशाली हिस्सा है, जिसे ब्रह्माजी ने ऋषि मार्कंडेय को बताया था. दुर्गा कवच मां दुर्गा के नौ रूपों द्वारा साधक के पूरे शरीर की रक्षा करता है।

यह स्तोत्र ना केवल शारीरिक रक्षा करता है, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक बल भी प्रदान करता है. धर्म शास्त्रों में वर्णित है कि दुर्गा सप्तशती के नित्य पाठ करने से भय, नकारात्मकता की समस्या, शत्रु, रोग से मुक्ति मिलती है. यह आरोग्य, समृद्धि, मनोकामना पूर्ति, सुख-शांति और मोक्ष प्रदान करने वाला बताया गया है।

दुर्गा सप्तशती के कवच में उल्लेखित है कि दुर्गा के विभिन्न रूप भक्तों के अलग-अलग अंगों की रक्षा करते हैं. यह कवच साधक को हर प्रकार के भय से मुक्त रखता है और सभी रोगों का नाश करता है. सच्चे मन से पाठ करने वाले को हर संकट से सुरक्षा मिलती है. नवरात्रि में सुबह या शाम इस कवच का पाठ करने से घर-परिवार में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

दुर्गा सप्तशती के कवच में उल्लेखित है कि चामुंडा देवी सिर की रक्षा, माता शैलजा आंखों की विशालाक्षी कानों की रक्षा करती हैं. माहेश्वरी माता नाक, महाकाली मुंह की महा सरस्वती जीभ की और वाराही देवी गर्दन की रक्षा करती हैं. माता अंबिका हृदय की रक्षा करती हैं और माता कौमारी भुजाओं की रक्षा करती हैं।

दुर्गा सप्तशती के कवच में बताया है कि माता चंडिका हाथों की रक्षा, नारायणी उदर (पेट) की रक्षा करती हैं और माता माहेश्वरी कमर की रक्षा करती हैं. देवी महालक्ष्मी जांघों की रक्षा, देवी भैरवी घुटनों की रक्षा, महाकाली पिंडलियों (जांघों के पीछे) की रक्षा तो ब्रह्मांड की देवी (दुर्गा) पैरों और पूरे शरीर की रक्षा करती हैं।

जब मन शांत और स्थिर होता है, तब हम स्वयं को स्पष्ट रूप से देख पाते हैं

शांत और स्थिर मन अत्यंत शुभ होता है। जैसे उबलते हुए जल में वाष्प और धुंध के कारण हमें अपनी छाया दिखाई नहीं देती, वैसे ही क्रोध के समय हमारी सही समझ नहीं बनती है। जब मन शांत और स्थिर होता है, तब हम स्वयं को स्पष्ट रूप से देख पाते हैं और सही निर्णय ले सकते हैं। क्रोध मन को विचलित कर देता है, जिससे विचार धुंधले हो जाते हैं और वास्तविकता समझ में नहीं आती। इसलिए आवश्यक यह है कि हम अपने मन को शांत रखें, ताकि हम सही दिशा में सोच सकें और अपने जीवन को संतुलित बना सकें।

नवरात्रि में बड़ा बदलाव! इन राशियों के लिए खुलेंगे सफलता के द्वार

करौली. शक्ति और भक्ति के प्रतीक पर्व चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ इस वर्ष 19 मार्च से हो चुका है. नौ दिनों तक चलने वाले इस पावन पर्व में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है. धार्मिक आस्था के साथ-साथ ज्योतिषीय दृष्टि से भी इस बार की नवरात्रि बेहद खास मानी जा रही है. ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति ऐसी बन रही है कि कुछ राशियों के लिए यह समय भाग्य के द्वार खोलने वाला साबित हो सकता है, जबकि कुछ राशियों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता रहेगी।

करौली के प्रसिद्ध ज्योतिषी पंडित दीपक शर्मा के अनुसार, इस बार की चैत्र नवरात्रि चार राशियों के लिए अत्यंत शुभ संकेत लेकर आई है. ज्योतिषीय गणनाओं के आधार पर वृषभ, कन्या, मकर और मीन राशि के जातकों के लिए यह नवरात्रि उन्नति और सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगी. इन राशि वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे. आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी, लंबे समय से अटके कार्य पूरे होंगे और करियर में नई संभावनाएं बनेंगी. नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है, वहीं व्यापारियों के लिए भी लाभ के योग बन रहे हैं.

इन चार राशियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं रहेगा

इसके अलावा मानसिक रूप से भी इन राशियों के जातकों को राहत मिलेगी. तनाव और चिंता में कमी आएगी तथा आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. परिवार में सुख-शांति का वातावरण बनेगा और रिश्तों में मधुरता आएगी. कुल मिलाकर यह समय इन चार राशियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं रहेगा. वहीं दूसरी ओर मेष, कर्क और वृश्चिक राशि के जातकों को इस नवरात्रि विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है. इन राशि वालों को किसी भी कार्य में जल्दबाजी से बचना चाहिए और वाद-विवाद से दूर रहना चाहिए. कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी बातों पर तनाव बढ़ सकता है, इसलिए धैर्य और समझदारी से काम लेना जरूरी होगा. आर्थिक मामलों में भी सोच-समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता है, ताकि किसी प्रकार की हानि से बचा जा सके।

बाकी राशियों के लिए यह नवरात्रि सामान्य फल देने वाली रहेगी.न तो विशेष लाभ के योग बन रहे हैं और न ही किसी बड़े नुकसान के संकेत हैं, लेकिन नियमित पूजा-पाठ और सकारात्मक सोच से अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

नई उम्मीद और सकारात्मक ऊर्जा का संचार

जिन राशियों के लिए यह समय अनुकूल नहीं है, उनके लिए कुछ सरल उपाय बताए गए हैं. नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन दुर्गा सप्तशती का पाठ करना अत्यंत लाभकारी रहेगा. मां दुर्गा को लाल फूल अर्पित करें और उनके बीज मंत्रों का जाप करें। साथ ही सच्चे मन से की गई भक्ति और श्रद्धा हर कठिनाई को दूर कर सकती है. इस प्रकार, आस्था और ज्योतिष के संगम में आई यह चैत्र नवरात्रि कई लोगों के जीवन में नई उम्मीद और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाली साबित हो रही है।

राजस्थान का अनोखा मंदिर! जहां खुद उठती है आग की लपटें
'अग्नि स्नान' के दर्शन को अपनी किस्मत मानते हैं श्रद्धालु

उदयपुर. राजस्थान के मेवाड क्षेत्र में एक ऐसा खास मंदिर है, जहां का नजारा लोगों को हैरान भी करता है और आस्था से भर भी देता है. हम बात कर रहे हैं ईड़ाणा माता मंदिर की, जहां नवरात्रि के मौके पर 'अग्नि स्नान' की घटना ने भक्तों की भीड़ को और बढ़ा दिया है. कहते हैं कि इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यही है कि यहां माता खुद अग्नि स्नान करती हैं. वो भी बिना किसी बाहरी कारण के अचानक आग की लपटें उठने लगती हैं. ये कब होगा, इसका कोई तय समय नहीं होता।

जैसे ही लोगों को पता चलता है कि माता ने अग्नि स्नान किया है, वैसे ही आसपास के गांवों से लेकर दूर-दूर तक के श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचने लगते हैं. मंदिर की एक और अनोखी बात ये है कि यहां माता की प्रतिमा खुले आसमान के नीचे विराजमान है. माता को खुला वातावरण ही पसंद है, इसलिए उनका मंदिर भी अलग तरह का है।

दो से तीन दिन तक चलता है अग्नि स्नान

उदयपुर के ईड़ाणा माता मंदिर में जब अग्नि स्नान होता है तो पहले हल्की लपटें उठती हैं और फिर धीरे-धीरे तेज आग में बदल जाती है. यह दृश्य इतना अद्भुत होता है कि कई किलोमीटर दूर से भी इसकी रोशनी दिखाई देती है. जैसे ही आग तेज होती है, मंदिर के पुजारी तुरंत माता के आभूषण और श्रृंगार को सुरक्षित हटा लेते हैं. यह अग्नि स्नान करीब 2 से 3 दिन तक चलता रहता है. इसके बाद जब आग शांत होती है, तब विधि-विधान के साथ माता का फिर से श्रृंगार किया जाता है.

मंदिर से जुड़ी है गहरी आस्था

इस मंदिर से जुड़ी आस्था भी काफी गहरी है. लोगों का मानना है कि यहां आने से बड़ी से बड़ी बीमारी भी ठीक हो जाती है. खासकर लकवे के मरीजों को लेकर यहां कई कहानियां सुनने को मिलती हैं. कई परिवार अपने मरीजों को यहां लाकर रखते हैं और मंदिर ट्रस्ट उनकी पूरी देखभाल करता है।

श्रद्धालु अग्नि स्नान के दर्शन को अपनी किस्मत मानते हैं

नवरात्रि के दौरान यहां माहौल और भी खास हो जाता है. भजन-कीर्तन, पूजा-पाठ और श्रद्धालुओं की भीड़ से पूरा इलाका भक्तिमय नजर आता है. हर कोई माता के अग्नि स्नान के दर्शन को अपनी किस्मत मानता है. ईड़ाणा माता मंदिर आस्था और चमत्कार का ऐसा संगम है, जहां हर किसी को कुछ अलग अनुभव होता है. यही वजह है कि नवरात्रि में यहां श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ता है.

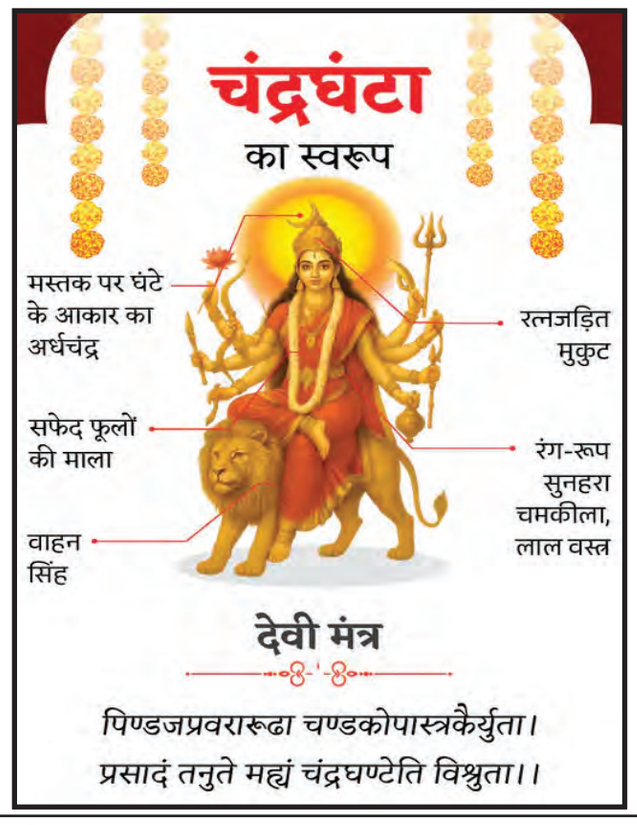

मां का तीसरा स्वरूप 'देवी चंद्रघंटा' की ऐसे करें पूजा

नवरात्रि के तीसरा दिन मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप 'देवी चंद्रघंटा' की पूजा की जाती है। शारदीय नवरात्रि में 'मां चंद्रघंटा' की पूजा

आध्यात्मिक पारीपरिक मान्यताओं के अनुसार, चंद्रघंटा देवी की पूजा करने से ऐश्वर्य और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसके साथ ही दांपत्य जीवन में भी खुशहाली आती है। आइए जानें शारदीय नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा कैसे करें और इस दिन का मंत्र, आरती और विशेष रंग कौन सा है।

मां चंद्रघंटा की पूजन-विधि

नवरात्रि के तीसरे दिन विधिपूर्वक माता चंद्रघंटा की पूजा का विधान है। इस दिन सुबह स्नान आदि से निवृत होने के बाद लाल रंग के कपड़े पहनने चाहिए। इसके बाद गंगाजल से शुद्ध होकर माता की पूजा शुरू करनी चाहिए। माता चंद्रघंटा की पूजा में 'ओम् चंद्रघंटायै नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए। साथ ही, माता को अक्षत, सिंदूर, धूप-दीप, और लाल रंग के फूल चढ़ाएं। इस दिन मां चंद्रघंटा को दूध से बनी हुई मिठाई का भोग भी लगाया जाता है।नवरात्रि के हर दिन नियम से 'दुर्गा चालीसा' और 'दुर्गा आरती' करें।

मां चंद्रघंटा की पूजा में श्रद्धालुओं को सुनहरे या पीले रंग के वस्त्र पहनने चाहिए।

पुष्प चढ़ाएं

मां को सफेद कमल और पीले गुलाब की माला अर्पण करें।

भोग लगाएं

मां को केसर की खीर और दूध से बनी मिठाई का भोग लगाना चाहिए। पंचामृत, चीनी और मिश्री भी मां को अर्पित करनी चाहिए।

मां चंद्रघंटा की आराधना में इन मंत्रों का करें जाप

पिण्डज प्रवरारूढा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यम् चन्द्रघण्टेति विश्रुता।।

ओम देवी चन्द्रघण्टायै नमः

ऐं श्रीं शक्तयै नमः

या देवी सर्वभूतेषु मां चन्द्रघण्टा रूपेण संस्थिता ।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ।।
आह्लादकरिनी चन्द्रभूषणा हस्ते पद्मधारिणी ।
घण्टा शूल हलानी देवी दुष्ट भाव विनाशिनी ।।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 21 मार्च - 2026

जंग में जलती अर्थव्यवस्था

पश्चिम एशिया में भड़की जंग अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गई है, बल्कि यह वैश्विक संकट का रूप लेती जा रही है। इसका असर हर देश की अर्थव्यवस्था और आम नागरिक की जेब तक पहुंच रहा है। इजराइल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद जो स्थिति बनी है, वह न केवल अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर सवाल खड़े करती है, बल्कि वैश्विक शांति व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन चुकी है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अब हमले केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ऊर्जा ढांचे को भी निशाना बनाया जा रहा है। ईरान के दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र पर हमला और उसके जवाब में इजराइल पर मिसाइल हमले इस बात के संकेत हैं कि जंग अब एक खतरनाक मोड़ ले चुकी है। जब युद्ध का केंद्र ऊर्जा संसाधन बन जाए, तो उसका प्रभाव सीमित नहीं रहता। वह पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लेता है। तेल और गैस की कीमतों में उछाल इसका सबसे सीधा उदाहरण है। पिछले कुछ दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और शेयर बाजारों में गिरावट यह स्पष्ट करती है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कितनी ढुलमुल हो चुकी है। निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ रही है, और बाजार का भरोसा डगमगा चुका है। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़ा सवाल है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर हैं, इस संकट से विशेष रूप से प्रभावित हो सकते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ाया था, लेकिन अब यदि पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ता है, तो आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोत भी प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में ऊर्जा सुरक्षा एक बार फिर राष्ट्रीय प्राथमिकता बनकर उभर रही है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस संघर्ष का कोई स्पष्ट अंत नजर नहीं आ रहा। यदि यह जंग और फैलती है, तो खाड़ी क्षेत्र के अन्य देश भी इसकी चपेट में आ सकते हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह चरमरा सकती है। इसके परिणामस्वरूप महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक अस्थिरता जैसे संकट और गहरे हो सकते हैं। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। कूटनीतिक प्रयासों को तेज करना, तनाव को कम करना और ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखना ये सभी कदम तत्काल उठाए जाने की आवश्यकता है। केवल सैन्य कार्रवाई से समाधान नहीं निकलेगा, बल्कि इसके लिए हुक्मरानों को बातचीत की टेबल तक आना होगा। भारत के लिए यह समय सतर्कता और रणनीतिक सोच का है। ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश, रणनीतिक भंडारण को मजबूत करना और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाना अब अनिवार्य हो गया है। साथ ही, घरेलू स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा के विकास को भी प्राथमिकता देनी होगी, ताकि भविष्य में ऐसे संकटों का प्रभाव कम किया जा सके। अंततः, यह समझना जरूरी है कि युद्ध कभी भी समाधान नहीं होता, वह समस्याओं को और जटिल बनाता है। पश्चिम एशिया की जली आग यदि समय रहते नहीं बुझाई गई, तो इसका धुआं पूरी दुनिया को घेर लेगा। अब वक्त है कि दुनिया युद्ध की भाषा छोड़कर शांति और सहयोग की राह अपनाए, वरना यह संकट आने वाले समय में और भी भयावह रूप ले सकता है।

पृथ्वी पर जीवन के आधार स्तंभ हैं वन

योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर जीवन की निरंतरता केवल मनुष्य या अन्य जीवों के अस्तित्व पर निर्भर नहीं करती बल्कि वृक्षों और वनों की उपस्थिति भी उतनी ही अनिवार्य है। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में जंगलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। वन केवल हरियाली का प्रतीक नहीं हैं बल्कि वे असंख्य जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास, भोजन और सुरक्षा के आधार भी हैं। पृथ्वी पर जीवन के लिए सबसे आवश्यक तत्व ऑक्सीजन है और इसका सबसे बड़ा स्रोत वन ही हैं। पेड़-पौधे वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर उसे ऑक्सीजन में परिवर्तित करते हैं, जिससे पृथ्वी का पर्यावरण संतुलित बना रहता है।

वनों का महत्व केवल ऑक्सीजन तक सीमित नहीं है। वे वर्षा चक्र को बनाए रखने, तापमान को नियंत्रित करने, मिट्टी के कटाव को रोकने और जैव विविधता को संरक्षित रखने में भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। वृक्षों की जड़ें मिट्टी को मजबूती से थामे रखती हैं, जिससे भारी वर्षा के दौरान भी भूमि का क्षरण कम होता है और बाढ़ जैसी आपदाओं की संभावना घटती है। जंगलों की उपस्थिति पृथ्वी की जैव विविधता को जीवंत बनाए रखने में भी अहम है क्योंकि अनेक वनस्पतियां और जीव-जंतु केवल जंगलों में ही पनप सकते हैं।

दुर्भाग्य से बीते कुछ दशकों में दुनिया भर में वनों की अंधाधुंध कटाई ने इस प्राकृतिक संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और विकास परियोजनाओं के कारण जंगलों का क्षेत्र लगातार सिकुड़ता जा रहा है। इसके साथ ही जंगलों में लगने वाली भीषण आग भी वनों के विनाश का बड़ा कारण बन रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों के अनुसार पिछले लगभग तीन दशकों में विश्व भर में करीब एक अरब एकड़ वन क्षेत्र समाप्त हो चुका है। एक समय पृथ्वी की लगभग आधी भूमि वनों से आच्छादित थी लेकिन आज यह क्षेत्र घटकर लगभग 30 प्रतिशत रह गया है। वनों के लगातार घटते क्षेत्र का असर मानव जीवन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। जलवायु परिवर्तन, असामान्य मौसम, सूखा, बाढ़ और तापमान में वृद्धि जैसी समस्याएं उसी का परिणाम हैं। यदि वनों की संख्या कम होती रही तो भविष्य में स्वच्छ वायु, उपजाऊ मिट्टी और शुद्ध जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं का संकट भी गहरा सकता है। इन्हीं चिंताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी दुनिया में लोगों को वनों के महत्व के प्रति जागरूक करने और उनके संरक्षण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से हर वर्ष 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2012 में इस दिवस को औपचारिक रूप से घोषित किया था। इसके बाद से हर वर्ष यह दिवस संयुक्त राष्ट्र वन मंच और खाद्य एवं कृषि संगठन के सहयोग से मनाया जाता है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यूरोप में वनों की तेजी से हो रही कटाई को लेकर चिंता के कारण 1971 में यूरोपीय कृषि परिसंघ की बैठक में वन दिवस मनाने का विचार सामने आया था। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर हर वर्ष एक विशेष विषय भी निर्धारित किया जाता है, जिसके माध्यम से वनों के महत्व को नए दृष्टिकोण से समझने का प्रयास किया जाता है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस की थीम 'वन और अर्थव्यवस्थाएं' रखी गई है, जिसका उद्देश्य यह रेखांकित करना है कि वन केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं हैं बल्कि वैश्विक आर्थिक समृद्धि के महत्वपूर्ण आधार भी हैं।वन जल संसाधनों की रक्षा करते हैं, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखते हैं और अनेक परागण करने वाले जीवों को आश्रय देते हैं, जो कृषि उत्पादन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विशेष रूप से वन-आधारित समुदायों और आदिवासी समाजों के जीवन में जंगलों का महत्व अत्यधिक है। इसके साथ ही जंगल कार्बन को अपने भीतर संग्रहित करके जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में भी सहायक होते हैं।

ज्योतिषी अशोक खरात की घिनौनी हरकत

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र के नासिक से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यह खबर सिर्फ एक क्राइम की नहीं है बल्कि भरोसे के साथ हुए सबसे खतरनाक धोखे की है। एक ऐसा शख्स, जिसे लोग 'गुरु' मानते थे। जिसके पास अपनी समस्याओं का हल ढूंढने लोग दूर-दूर से आते थे। वही शख्स अपने फार्महाउस और दफ्तर को एक खौफनाक जाल में बदल चुका था। बेडरूम में हिडन कैमरे। महिलाओं को बुलाने के लिए झूठे वादे और फिर उन्हें सम्मोहन और डर के जरिए फंसाना। 58 महिलाओं के साथ जुड़े वीडियो सामने आने के बाद इस पूरे नेटवर्क का काला सच अब उजागर हो चुका है।

एक रिपोर्ट के अनुसार यह मामला इसलिए और भी चौंकाने वाला है क्योंकि आरोपी ने अपने प्रभाव और छवि का इस्तेमाल हथियार की तरह किया। खुद को 'कैप्टन' कहने वाला यह शख्स लोगों के मन में डर और आस्था दोनों पैदा करता था। महिलाओं को विश्वास दिलाया जाता था कि उनकी जिंदगी की समस्याएं खत्म हो जाएंगी। लेकिन असल में वह उन्हें एक ऐसे जाल में फंसा रहा था, जहां से निकलना मुश्किल था। सम्मोहन, नशीला पदार्थ और ब्लैकमेल इन तीन हथियारों के सहारे उसने अपना काला साम्राज्य खड़ा कर लिया। अशोक खरात नासिक के सिन्नर तालुका के मिरगांव स्थित श्री ईशान्येश्वर मंदिर ट्रस्ट का चेयरमैन भी बताया जाता है। इस पद के चलते उसकी स्थानीय स्तर पर अच्छी पकड़ थी और लोगों के बीच उसकी छवि एक 'आध्यात्मिक मार्गदर्शक' की बन गई थी। यही वजह थी कि आम लोगों से लेकर प्रभावशाली व्यक्तियों तक, कई लोग उससे जुड़ते गए। यह पहला मौका नहीं है जब अशोक खरात विवादों में आया हो। महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के कार्यकर्ता पहले से ही उसके खिलाफ मोर्चा खोल चुके थे। जब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उसके यहां पहुंचे थे, तब भी इस मुलाकात को लेकर काफी विवाद हुआ था। अंधविश्वास के खिलाफ काम करने वाले संगठनों ने इस पर सवाल उठाए थे और ऐसे 'बाबाओं' को बढ़ावा देने पर आपत्ति जताई थी।

इस हाई प्रोफाइल बाबा की गिरफ्तारी ने महाराष्ट्र में सियासी हलचल बढ़ा दी है। पुलिस एफआईआर के मुताबिक, आरोपी अशोक खरात जो खुद को 'कैप्टन' कहता था, मर्चेंट नेवी का पूर्व अधिकारी बताया जाता है। उसने समाज में एक प्रतिष्ठित ज्योतिषी और "दैवी शक्तियों" के जानकार के रूप में अपनी पहचान बनाई थी और अपने प्रभाव का एक अनोखा रहस्यलोक बनाया था। पीड़िता का आरोप है कि पूजा-पाठ करने के बहाने, 67 साल के इस ज्योतिषी ने उसे नशीला पदार्थ खिलाया, उसे सम्मोहित किया और उसके विश्वास का गलत फायदा उठाकर उसका यौन शोषण किया। आरोपी ज्योतिष नासिक के पॉश इलाके कनाडा कॉर्नर में अपना ऑफिस चलाता था और साथ ही सिन्नर के मिरगांव में मंदिर और एक आलीशान फार्महाउस का मालिक था। पुलिस के अनुसार, खरात पर आरोप है कि उसने महिलाओं को उनकी निजी समस्याओं के समाधान का झांसा दिया और "पूजा-पाठ" करने के नाम पर उसे नशीला पदार्थ दिया और उन्हें सम्मोहित (हिप्नोटाइज) कर उनके साथ दुष्कर्म किया।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह मामला सिर्फ एक पीड़िता तक सीमित नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बाबा के फार्म हाउस से 58 महिलाओं के संदिग्ध वीडियो मिले हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने अपने ऑफिस और फार्म हाउस में गुप्त कैमरे लगा रखे थे। पुलिस को छानबीन में एक पेन ड्राइव भी मिली है, इसमें 58 अलग-अलग महिलाओं के आपत्तिजनक वीडियो क्लिप्स होने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, वह महिलाओं को डराने के लिए तंत्र-मंत्र और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देता था। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए आईपीएस अधिकारी तेजस्विनी सतपुते की अगुवाई में एक विशेष जांच दल का गठन किया है। नासिक क्राइम ब्रांच यूनिट 1 आरोपी से बरामद किए गए आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी नासिक में 'ओकस प्रॉपर्टी डीलर्स एंड डेवलपर्स' नाम से एक दफ़्तर चलाता था। हालांकि, आरोप है कि वहां रियल एस्टेट का नहीं, बल्कि अपराध का धंधा चलता था। बताया जाता है कि आरोपी का नासिक के पॉश इलाके में रियल एस्टेट ऑफिस होने के साथ-साथ मीरगांव में ईशान्येश्वर नाम का एक आलीशान आश्रम और मंदिर भी है। सूत्रों के अनुसार, यहां बड़े-बड़े रसूखदार लोग दर्शन के लिए आते थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस नेटवर्क के पीछे और कौन-कौन से चेहरे शामिल हैं और यह काला कारोबार कब से चल रहा था।

ऐसी चर्चा है कि उसके राजनीतिक संबंध दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र की सत्ता के गलियारों तक फैले हुए हैं। मीरगांव में उसका 'ईशान्येश्वर मंदिर' और एक आलीशान आश्रम है, जहां अक्सर जाने-माने और प्रभावशाली लोग दर्शन करने आते थे। नासिक के सिन्नर में स्थित श्री ईशान्येश्वर मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन के तौर पर, खरात को जाने-माने राजनेताओं, मशहूर हस्तियों और बड़े कारोबारियों के आध्यात्मिक गुरु के रूप में व्यापक पहचान मिली थी।आरोपी की गिरफ्तारी भी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। पुलिस ने गोपनीय ऑपरेशन के तहत रात में उसके फार्महाउस के बाहर "चोर-चोर" चिल्लाकर अफरा-तफरी मचाई और इसी बहाने घर में प्रवेश किया और सीधे बेडरूम से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने खरात के ठिकाने से पिस्तौल, जिंदा कारतूस और कई संदिग्ध दस्तावेज भी बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि कई राजनेता, सेलिब्रिटी और कारोबारी उसके संपर्क में थे जो उसके मंदिर और फार्महाउस पर आते जाते थे। इसी कारण यह मामला अब राजनीतिक विवाद का रूप भी ले चुका है। इस मामले ने अब एक राजनीतिक तूफान भी खड़ा कर दिया है क्योंकि कई राजनेता और जानी-मानी हस्तियां पहले भी इस ज्योतिषी से मिलने आ चुकी थीं। शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट की नेता सुषमा अंधारे ने कहा, क्या उन लोगों के पैर पूजे जाने चाहिए जो महिलाओं का शोषण करते हैं? हम मांग करते हैं कि उपमुख्यमंत्री इस आचरण का संज्ञान लें।₹ बहरहाल, नासिक का यह मामला सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि समाज में अंधविश्वास और भरोसे के दुरुपयोग का खतरनाक उदाहरण के तौर पर पेश किया जा रहा है।

नवंबर 2022 में, जब पीड़िता अनुष्ठान पर चर्चा करने के लिए नासिक में कनाडा कॉर्नर में नकली बाबा संदिग्ध अशोक खरात के कार्यालय में अकेली गई थी, तो बाबा ने इस अवसर का लाभ उठाकर उसे कार्यालय के कक्ष में बुलाया, उसे प्रसाद के रूप में पेड़ा दिया और फिर उसे तांबे के बर्तन से पानी दिया। तब प्रभु का क्रोध तुम पर होगा और तुम्हारा मंगेतर मर जाएगा, मैं तुम्हें एक तरह से पवित्र कर रहा हूँ । शिकायतकर्ता ने कहा कि उसे डरा-धमकाकर शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

नया भारत, जहां हर नन्हीं सांस सुरक्षित कल की नींव है

कृति जैन

भारत ने इतिहास रच दिया है-और इस बार यह उपलब्धि किसी युद्ध, अर्थव्यवस्था या तकनीक की नहीं, बल्कि मानवता की सबसे कोमल धरोहर, हमारे बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी है। वह देश, जहां कभी हर हजार में सैकड़ों बच्चे पांच साल की उम्र तक पहुंचने से पहले ही जिंदगी हार जाते थे, आज उसी भारत में बचपन पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित और आश्वस्त नजर आता है। लगभग तीन दशकों में बाल मृत्यु दर में 79 प्रतिशत की ऐतिहासिक गिरावट केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आंखों में लौटी मुस्कान और अनगिनत सपनों की नई शुरुआत है। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को न केवल स्वीकारा है, बल्कि भारत की खुले दिल से सराहना करते हुए इसे वैश्विक उदाहरण बताया है। यह वह क्षण है जब हर भारतीय को गर्व से भर जाना चाहिए।

बीते तीन दशकों में भारत ने जो बदलाव देखा है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। 1990 में जहां हर 1000 में से 127 बच्चों की मौत पांच साल से पहले हो जाती थी, वहीं 2024 तक यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 27 रह गया है। नवजात शिशुओं की मृत्यु दर भी 57 से घटकर 17 प्रति 1000 हो गई है। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि उन असंख्य जीवनों की कहानी हैं जिन्हें समय रहते बचाया गया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट इन तथ्यों की पुष्टि करती है, जिससे यह उपलब्धि और भी विश्वसनीय और महत्वपूर्ण बनती है। यह परिवर्तन दिखाता है कि मजबूत इच्छाशक्ति और सटीक नीतियों के साथ असंभव भी संभव हो सकता है।

भारत की प्रगति को 2025 की यूएन आईजीएमई रिपोर्ट ने प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया है। इसके अनुसार, अंडर-5 मृत्यु दर में 79 प्रतिशत और नवजात मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। दक्षिण एशिया में भी भारत ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए कुल कमी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वैश्विक स्तर पर जहां कई देशों की प्रगति धीमी पड़ रही है, वहीं भारत ने निरंतर सुधार बनाए रखते हुए खुद को 'एक्जेम्पलर' यानी आदर्श के रूप में स्थापित किया है। इतनी बड़ी और विविध आबादी के बावजूद यह उपलब्धि दिखाती है कि सही रणनीति और समर्पण से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

इन बदलावों के पीछे भारत सरकार की योजनाओं और नीतियों का मजबूत तंत्र सक्रिय रहा है। जननी सुरक्षा योजना और जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम ने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं को कम किया। यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम के जरिए बच्चों को समय पर टीकाकरण मिला, जिससे कई घातक बीमारियों पर नियंत्रण संभव हुआ। स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट्स और टेली-एसएनसीयू जैसी पहलों ने दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाईं। साथ ही आईएमएनसीआई जैसी योजनाओं ने बच्चों के बीमार होने पर त्वरित और प्रभावी इलाज सुनिश्चित किया। यही समन्वित प्रयास आंकड़ों को वास्तविक उपलब्धियों में बदलने का आधार बना।

क्षेत्रीय संदर्भ में देखें तो दक्षिण एशिया में भारत की भूमिका बेहद अहम रही है। वर्ष 2000 में जहां इस क्षेत्र की बाल मृत्यु दर 92 प्रति 1000 थी, वह 2024 तक घटकर 32 रह गई-जिसमें भारत का योगदान सबसे अधिक है। वैश्विक स्तर पर भी भारत ने अपनी हिस्सेदारी में उल्लेखनीय कमी दर्ज की है। 1990 में अंडर-5 मौतों में भारत की बड़ी भागीदारी थी, जो अब काफी घट चुकी है (दक्षिण एशिया कुल वैश्विक मौतों का लगभग 25% है, जिसमें भारत प्रमुख रहा है)।

नवजात मौतों में भी भारत ने उल्लेखनीय गिरावट हासिल की है। जहां उप-सहारा अफ्रीका अभी भी उच्च मृत्यु दर से जूझ रहा है, वहीं भारत ने दिखाया है कि विकासशील देश भी ठोस रणनीति और निरंतर प्रयासों से तेज सुधार कर सकते हैं।

जमीनी स्तर पर इन उपलब्धियों का प्रभाव सबसे स्पष्ट रूप से नजर आता है। अब गांवों और कस्बों में भी माता-पिता अपने बच्चों के स्वस्थ जीवन को लेकर पहले से अधिक आश्वस्त हैं। संस्थागत प्रसव बढ़ने से जन्म के समय जोखिम घटे हैं, वहीं टीकाकरण अभियानों ने पोलियो, खसरा जैसी बीमारियों को लगभग समाप्ति तक पहुंचा दिया है। विशेष नवजात देखभाल इकाइयों ने समय से पहले जन्मे या कम वजन वाले बच्चों को बचाने में अहम भूमिका निभाई है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि अधिकांश बाल मृत्यु रोकी जा सकती थीं-और भारत ने इन्हें रोककर नई उम्मीद की नींव रखी है। यह बदलाव केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का भी प्रतीक है।

सफलता के इस मुकाम पर भी चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं। 2024 में वैश्विक स्तर पर 49 लाख बच्चों की मौत हुई, जिनमें 23 लाख नवजात शामिल हैं-यह स्थिति की गंभीरता दिखाता है। भारत में भी कुछ क्षेत्रों में असमानताएं बनी हैं, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता सुधार की मांग करती है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि सतत विकास लक्ष्यों के लिए प्रयासों की गति बढ़ानी होगी। स्टिलबर्थ सर्विलांस गाइडलाइंस जैसे कदम बताते हैं कि भारत भविष्य की चुनौतियों के प्रति भी सजग है। यही दूरदृष्टि आगे का रास्ता सुरक्षित करेगी।

भारत की यह कहानी केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि प्रेरणा है-एक ऐसा उदाहरण जो दुनिया को सिखाता है कि जनसंख्या, संसाधन या भौगोलिक चुनौतियां सफलता में बाधा नहीं बनतीं, यदि नीतियां समावेशी और लक्ष्य स्पष्ट हों। आज जरूरत है कि इस प्रगति को बनाए रखा जाए और इसे और आगे बढ़ाया जाए। हर बच्चे को सुरक्षित, स्वस्थ और खुशहाल बचपन देना केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। यदि यह प्रयास निरंतर जारी रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत न केवल आर्थिक महाशक्ति बनेगा, बल्कि मानवीय विकास का भी सर्वोत्तम उदाहरण होगा-जहां हर बचपन सूरज की तरह उज्ज्वल, सुरक्षित और उम्मीदों से भरा होगा।

बेगुनाह बचपन को झुलसा रहा है युद्ध का बारूद

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया भर में हर संघर्ष में सबसे बड़ी मार बचपन पर पड़ रही है चाहे इजरायल हमास गाजा का संघर्ष रहा हो चाहे सीरिया लेबनान ईरान में हुए टकराव सबसे बड़ी कीमत बच्चों को चुकानी पड़ रही है। एशिया में बढ़ते युद्ध का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है.मौजूदा टकराव में कई सौ बच्चे मिसाइल हमलों से मौत की नींद सो चुके हैं जबकि लाखों बच्चे बेघर हो गए हैं वहीं लाखों बच्चों का सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है उनकी स्कूली शिक्षा में रुकावट आ गयी है और वह दहशत के साए में असुरक्षित जीवन जीने के लिए मजबूर हो रहे हैं। यह सब इक्कीसवीं सदी की कथित शिक्षित विकासशील दुनिया में हो रहा है यह बता रहा है कि दुनिया का इंसान विज्ञान विकास और प्रगति के कितने भी दावे करे लेकिन वह सब बेमानी है जब कथित लोकतांत्रिक और ताकतवर देश दुनिया में हठधर्मी अराजकता फैलाए मनमाने टैरिफ वसूली करे तब दुनिया की अंतराष्ट्रीय संगठन और संस्थाएं सिर्फ बगले झांकने का काम कर रहीं हैं तब तमाम मानवतावादी विचार और मानवाधिकारों की बाते भोथरी और खोखली बेमानी बन कर रह जाती है।

आपको बता दें संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी ने चेतावनी दी है कि लगातार बढ़ती हिंसा से लाखों बच्चों की जिंदगी खतरे में पड़ गई है. इसी बीच ईरान के राष्ट्रपति ने भी शांति की बात करते हुए युद्ध खत्म करने के लिए कुछ शर्तें सामने रखी हैं अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर हमलों की शुरुआत की थी। इस दौरान एक अमेरिकी मिसाइल मीनाब के शजारेह तैयबा स्कूल पर जाकर गिरी थी। इस हमले में 168 बच्चे और 14 शिक्षक मारे गए थे। मरने वालों में ज्यादातर छात्राएं थीं। इस हमले की पूरी दुनिया में खूब निंदा की गई थी। अमेरिका भी मामले की जांच कर रहा है।दुनिया भर में चर्चा चल रही है कि क्या ये युद्ध अपराध की श्रेणी में आ सकता है? आपको बता दें कि यूनिसेफ ने कहा है कि अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष से पूरे पश्चिम एशिया में बच्चों की स्थिति बहुत गंभीर हो गई है. एजेंसी के अनुसार 28 फरवरी से अब तक हिंसा में एक हजार एक सौ से ज्यादा बच्चे घायल हुए हैं या उनकी मौत हो गई है. इनमें से लगभग दो सौ बच्चों की मौत ईरान में हुई है. वहीं इक्यानबे बच्चों की मौत लेबनान में हुई है. इसके अलावा चार बच्चों की मौत इजरायल में और एक बच्चे की मौत कुवैत में हुई है. रिपोर्ट्स के अनुसार यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि अगर हिंसा इसी तरह बढ़ती रही तो मरने और घायल होने वाले बच्चों की संख्या और बढ़ सकती है. संस्था ने यह भी बताया कि इस संकट के कारण लाखों बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं. शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बाधा के कारण पूरे क्षेत्र में लाखों बच्चे स्कूल से वंचित हो गए हैं, जबकि सैकड़ों हजारों बच्चे लगातार बमबारी के कारण विस्थापित हो गए हैं। अस्पतालों, स्कूलों और पानी और स्वच्छता प्रणालियों सहित नागरिक बुनियादी ढांचे, जिन पर बच्चे का जीवन निर्भर हैं, दोनों पक्षों द्वारा हमले किए गए हैं, उन्हें नुकसान पहुंचाया गया है या नष्ट कर दिया गया है। बच्चों की हत्या और उन्हें अपंग करना, या उन जरूरी सेवाओं पर हमला कर बर्बाद करना, जिन पर बच्चे निर्भर हैं, किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता।लगातार बमबारी के कारण लाखों परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं और सैकड़ों हजार बच्चे बेघर हो गए हैं.इजराइल लगातार लेबनान पर भी हमले कर रहा है। इस वजह से करीब 8 लाख लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इनमें 2 लाख से ज्यादा बच्चे हैं। यूनिसेफ ने कहा कि बच्चों की हत्या या उन्हें घायल करना किसी भी हालत में सही नहीं ठहराया जा सकता. संस्था ने यह भी कहा कि बच्चों के लिए जरूरी सेवाओं को नष्ट करना या बाधित करना भी गलत है. यूनिसेफ के अनुसार पूरे क्षेत्र में लगभग बीस करोड़ बच्चे हैं और वे उम्मीद कर रहे हैं कि दुनिया जल्द कदम उठाएगी.

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि हिंसक टकराव की वजह से पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में स्वास्थ्य प्रणालियों पर दबाव बढ़ रहा है और उपचार के लिए सेवाएँ सीमित होती जा रही हैं. लेबनान में हिज़बुल्लाह लड़ाकों और इसराइली सैन्य बलों में लड़ाई के बीच 11 हज़ार से अधिक गर्भवती महिलाएँ प्रभावित हैं और प्रवासी कामगारों के लिए भी जोखिम बढ़ रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार लेबनान में 11,600 महिलाओं पर इस टकराव का असर हुआ है, जिनमें से 4 हज़ार अगले तीन महीनों के दौरान बच्चों को जन्म देंगी. ईरान पर इसराइली व अमेरिकी हवाई हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई से मध्य पूर्व में भड़के भीषण टकराव ने लेबनान, कुवैत, बहरीन, क़तर, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ओमान समेत इस क्षेत्र में स्थित अनेक देशों को अपनी चपेट में ले लिया है. ब्रिटिश अखबार गार्डियन ने स्कूल पर हमले का जिक्र करते हुए लिखा है, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में कथित तौर पर हमले के तुरंत बाद का दृश्य दिख रहा है। जली हुई दीवारों से उठता धुआं दिख रहा है और सड़क पर मलबा बिखरा पड़ा है। सैकड़ों लोग घटनास्थल पर जमा है। अखबार लिखता है कि वो बम विस्फोट की रिपोर्ट, मृतकों की संख्या और वीडियो के स्रोत की तुरंत स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका लेकिन फैक्ट चेक संगठन फैक्टनेमेह ने स्कूल परिसर की अन्य तस्वीरों के साथ वीडियो का मिलान किया और निष्कर्ष निकाला कि वीडियो प्रामाणिक है।

दवा बकबक की

डॉ टी महादेव राव

हमारे नेताओं की वजह से, इतिहास और आयुर्वेद आदि ग्रंथों का गहन अध्ययन और शोध में व्यस्त हो गया। उनकी जीभ अरे वही जुबान की चपलता के लिए कोई अच्छी सी औषधि का आविष्कार करके पूरे भारत में एक मिसाल कायम करने और प्रसिद्ध होने की सोच रहा था। परिश्रम जितना भी करूं लेकिन निराशा, कमजोरी और अनिद्रा के अलावा कुछ भी हासिल नहीं कर पाया।

अशोक से लेकर औरंगजेब तक, स्वतंत्र भारत के नायकों की मुंहजोरी या जुबान चलाने वाला चक्रवर्ती सम्राट एक नहीं मिला। फिर मैंने सोचा इनकी कैंची की तरह चलती टेढ़ी जबान को वाचालता को रोकने कोई दवा की खोज करूँ, लेकिन सारे प्राचीन ग्रन्थों की दूरबीन से खोज करने पर भी किसी प्रकार की औषधि इस बीमारी के लिए नहीं मिली। मेरे इतनी मेहनत का कोई फायदा नहीं हुआ। हाथ में माइक मिलते ही वे किसी नए नशे में किसी अलग दुनिया में रहते हुए विपक्षों पर ऐसी कठोर दूषित कर्णकठोर भाषा में अपनी प्रज्ञा से भरी गालियां निकालते हैं कि जिन्हें न अखबारों में छपा जा सकता है और न ही चैनलों में प्रसारित किया जा सकता है। ऐसा करके वे अवार्डों, पुरस्कारों के लिए आशावादी नज़रों से राह देख रहे हैं। मेरा मतलब है पद लालसा के लिए यह सारा ऊलजलूल बक रहे हैं। कुछ लोग यह सब हाईकमान के द्वारा दिए गए स्क्रिप्ट के अनुसार कर रहे है तो कुछ लोग सबसे बड़े साहब की नजरों की शीतल छाया पाकर मंत्री पद, ठेके आदि से घर को स्वर्णमय बनाने के लिए जुबान चलाते हैं। सामने वाले पर गुस्सा निकालने, उन्हें नीचा दिखाने कभी-कभी मुख्यमंत्री और मंत्री स्तर के नेताओं के मुंह से ऐसी जहरीली बातें फूट पड़ती हैं। लेकिन निर्लज्ज होकर ऐसी बातें कह जाते हैं कि लगता है कि महिलाओं के प्रति आदर की भावना को समाधि बनाकर सभ्यता और संस्कार को दरकिनार कर ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे दिमाग में दीमक लग गए हैं। कुछ नेता तो अपनी वाचलता में डूबकर कुछ का कुछ कह कर दिल में भरी हुई भड़ास निकालते हैं और बाद में दांतो के बीच जीभ दबाते हुए अपनी बदजुबानी पर गलती मान लेते हैं। प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री यह कहकर लोगों की हंसी और क्रोध के शिकार हुए कि ग्रामीण महिलाएं चूंकि आकर्षक नहीं होतीं। इसलिए वे जीवन में आगे नहीं बढ़ पाती हैं। गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री ने बड़ी ही घटिया बात कही और आलोचनाओं के शिकार बने। उनका कहना था कि धूप में खड़ी होकर जो नर्सें आंदोलन कर रहीं हैं, वे काली हो जाएंगी और उन्हें अच्छा पति नहीं मिलेगा। केंद्र के पूर्व मंत्री ने अपनी चंचल जुबान से एक विकृत विचार दिया। उनका कहना था - अगर चौबीसों घंटे बिजली होगी तो पति पत्नी दोनों टीवी देखते बैठेंगे और इस तरह देश की जनसंख्या कम की जा सकती है। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने महिलाओं के वस्त्र धारण पर पाषाणयुग की टिप्पणियां कर बैठे। यही नहीं बलात्कार कि शिकार लड़कियों का पक्ष लेकर न्याय दिलाने की बजाय उल्टे सवाल कर रहे हैं कि वे ऐसी जगह गई ही क्यों जहां बलात्कार का अंदेशा था। ऐसा कहने वाले मंत्री और मुख्यमंत्रियों की भी कमी नहीं है। कुछ नेता तो शराबियों से भी गई गुजरी सोच लिए कहते रहे - लड़के हैं तो कुछ भी करेंगे, लेकिन बलात्कारों की वजह सिर्फ लड़कियां ही हैं। सवाल यह उठता है कि चुनाव के समय विपक्ष को गरियाना, लोकतंत्र और मौलिक अधिकारों पर विस्तार से भाषण देना, महिलाओं के अधिकारों का पक्ष लेते हुए अपनी बात साफ सुंदर प्रभावी तरीके से कहने वाले, पद पाते ही, कुर्सी हथियाते ही उनकी जुबान कैसे पलट जाती है? ऊलजलूल कहने लगती है और बातें दिशा बदलने लगती हैं? कहीं पद पाने के बाद उनके छोटे दिमाग में कोई समस्या सिर तो नहीं उठाती? या उनकी चुनावी बातें और आदर्श क्या ऊपरी ऊपरी बातें हैं? और पद पाकर अपनी असली औकात पर आ जाते हैं। कांटे को कांटे से निकालना होगा - जो मुहावरा है उसे ध्यान में रखते हुए, कई तरह की झुरझुरी चढी हुई नेताओं की जो जुबानें फड़फड़ा रही हैं, उनके मुंहजोरी के इलाज के लिए ताड़ के पेड़ के रस और खुजली के पौधे के पत्तों के लिए घूम-घूम कर थक गया।

आईपीएल का इकलौता विकेटकीपर, जिसने 15 साल पहले एक ही मुकाबले में किए थे पांच शिकार

आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। यह 19वां सीजन होगा। इससे पहले खेले गए 18 सीजन में सिर्फ एक ही विकेटकीपर के नाम एक मैच में पांच शिकार करने का रिकॉर्ड है। आइए, इस खिलाड़ी और मैच के बारे में विस्तार से जानते हैं।

2011 में खेला गया था मैच

जिस खिलाड़ी की हम बात कर रहे हैं, वह हैं कुमार संगकारा। संगकारा के नाम आईपीएल मैच में बतौर विकेटकीपर पांच शिकार करने का रिकॉर्ड है। उन्होंने यह कारनामा 14 अप्रैल 2011 को बतौर कप्तान डेक्कन चार्जर्स की ओर से खेलते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ किया था। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2011 के 11वें

मुकाबले में डेक्कन चार्जर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट खोकर 175 रन बनाए। इस पारी में भरत चिप्ली ने 35 गेंदों में नाबाद 61 रन की पारी खेली। उनके अलावा सनी सोहेल ने 38 रन और कुमार संगकारा ने 36 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। जेपी डुमिनी ने 22 रन बनाए। विपक्षी खेमे से जहीर खान ने सर्वाधिक तीन विकेट निकाले। जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

आरसीबी को मिली थी हार

इसके जवाब में आरसीबी निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी। इस टीम के लिए विराट कोहली ने 51 गेंदों में तीन छक्कों और पांच चौकों के साथ 71 रन बनाए, जबकि चेतेश्वर पुजारा ने 25 रन और मयंक अग्रवाल ने 16 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका।

संगकारा ने लिए थे पांच कैच

इस बीच कुमार संगकारा ने तिलकरत्ने दिलशान (7), एबी डिविलियर्स (0), सौरभ तिवारी (7), जोहान वैन डेर वाथ (0) और रायन निनन (3) को विकेट के पीछे कैच आउट किया। संगकारा की बेहतरीन विकेटकीपिंग के दम पर चार्जर्स ने मुकाबला 33 रन से अपने नाम किया। डेक्कन चार्जर्स की तरफ से डेल स्टेन और मनप्रीत गोनी ने तीन-तीन विकेट निकाले। ईशांत शर्मा, डेन क्रिस्चियन और अमित मिश्रा ने एक-एक विकेट हासिल किया।

'वो टीम में रहने लायक भी नहीं!' पाकिस्तान के दिग्गज ने शाहीन अफरीदी को टी20 टीम से बाहर करने की उठाई मांग, कप्तानी पर छिड़ी जंग

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की मौजूदा फॉर्म को लेकर एक बेहद कड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। लतीफ का मानना है कि शाहीन अब टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की प्लेइंग इलेवन में जगह पाने के भी हकदार नहीं हैं, कप्तानी तो बहुत दूर की बात है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शाहीन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान में उन्हें कप्तानी से हटाने और टीम से बाहर करने की मांग तेज हो गई है।

राशिद लतीफ ने उन चर्चाओं को सिरे से खारिज कर दिया जिनमें शाहीन को सलमान अली आगा की जगह टी20 कप्तान बनाने की बात कही जा रही थी। लतीफ ने दोटूक कहा कि अब समय खत्म हो चुका है और लोग

उन्हें कप्तानी दिलाने के लिए जो अभियान चला रहे हैं, उसका कोई आधार नहीं है क्योंकि वे फिलहाल टीम में रहने लायक भी नहीं हैं।

वर्ल्ड कप और बांग्लादेश सीरीज में शाहीन का फ्लॉप शो

शाहीन अफरीदी के लिए पिछला कुछ समय किसी बुरे सपने जैसा रहा है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारत के खिलाफ मैच में महज दो ओवरों में 20 से अधिक रन लुटाने के बाद उन्हें नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच से ड्रॉप तक कर दिया गया था। इसके बाद उनकी कप्तानी में पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में भी करारी हार का सामना करना पड़ा।

बांग्लादेश के खिलाफ इस सीरीज के 3 मैचों में शाहीन ने केवल 4 विकेट लिए, लेकिन वे अपनी वह पुरानी धार पूरी तरह खो चुके हैं जिसके लिए उन्हें जाना जाता था। विशेष रूप से पावरप्ले में विकेट निकालने में उनकी विफलता टीम के लिए बड़ी सिरदर्द बन गई है। हालांकि ढाका में सीरीज के निर्णायक मैच में उन्होंने 37 रनों की जुझारू पारी खेलकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन वे अपनी टीम को 11 रनों की करीबी हार से नहीं बचा सके।

सर्जरी के बाद रफ्तार और स्विंग का संघर्ष

विशेषज्ञों का मानना है कि साल 2022 में हुई सर्जरी के बाद से शाहीन वह गेंदबाज नहीं रहे जो अपनी रफ्तार और स्विंग से दुनिया भर के बल्लेबाजों को डराते थे। 25 वर्षीय यह गेंदबाज अब तीनों फॉर्मेट में जमकर रन लुटा रहा है और उनकी गेंदबाजी में वह पैनापन नजर नहीं आ रहा है। अब सबकी नजरें 26 मार्च से शुरू होने वाले पाकिस्तान सुपर लीग पर टिकी हैं, जहां शाहीन लाहौर कलंदर्स की कप्तानी करेंगे। यह टूर्नामेंट उनके करियर के लिए करो या मरो जैसा साबित हो सकता है क्योंकि यहीं से उनकी टीम इंडिया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की राह तय होगी।

'सैमसन की कमी कभी पूरी नहीं होगी' बोले कप्तान रियान; कोच संगकारा ने राजस्थान की नई रणनीति पर की बात

आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। टीम के नए कप्तान रियान पराग ने साफ कहा है कि संजू सैमसन की भरपाई करना आसान नहीं होगा। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीएसके से ट्रेड होकर आरआर में आए सैम करन चोट के कारण आईपीएल के इस सीजन में नहीं

खेल सकेंगे। आरआर को यह बड़ा झटका है, क्योंकि करन टीम को बैलेंस करते। अब सैमसन और करन जैसे दो बड़े खिलाड़ियों के नहीं होने पर कोच कुमार संगकारा ने नई रणनीति पर बात की है।

रियान ने संजू को लेकर क्या कहा?

सबसे पहले कप्तान रियान पराग ने संजू को लेकर कहा, 'हम सिर्फ ऐसे खिलाड़ियों को खोज सकते हैं जिनके पास संजू जैसी स्किल्स हों, लेकिन उनकी जगह कोई नहीं ले सकता, जैसे विराट कोहली या रोहित शर्मा को रिप्लेस नहीं किया जा सकता।' सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स में जाने के बाद राजस्थान के लिए यह एक बड़ा बदलाव है।

ट्रेड और चोट ने बढ़ाई मुश्किलें

राजस्थान ने सैमसन के बदले रवींद्र जडेजा और सैम करन को टीम में शामिल किया था, लेकिन अब करन के चोटिल होने की खबर ने टीम की तैयारियों को बड़ा झटका दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करन ग्रोइन इंजरी के कारण आईपीएल 2026 से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में टीम के ऑलराउंड संतुलन पर असर पड़ना तय है।

कप्तानी पर संगकारा का भरोसा

टीम के हेड कोच कुमार संगकारा ने रियान पराग को कप्तान बनाने के फैसले का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने कहा, 'रियान को कप्तान उनकी क्षमता और परिपक्वता को देखकर बनाया गया है। हमने हर विकल्प पर विचार किया, लेकिन वह इस भूमिका के लिए सबसे सही खिलाड़ी साबित हुए।' संगकारा ने यह भी स्पष्ट किया कि कप्तान चुनते समय किसी खिलाड़ी के क्षेत्र या पृष्ठभूमि को महत्व नहीं दिया गया।

पिछले सीजन की नाकामी से सबक

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। टीम 14 में से सिर्फ चार मैच जीत सकी थी। पराग ने स्वीकार किया कि टीम को करीबी मुकाबलों में हार का खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा, 'हमने पांच या छह करीबी मैच गंवाए, कुछ तो आखिरी गेंद पर हारे। अगर इस बार वे मैच हमारे पक्ष में जाते हैं, तो तस्वीर बदल सकती है।'

नई रणनीति और टीम कॉम्बिनेशन

संगकारा के मुताबिक, टीम ने इस बार बैटिंग डेप्थ, स्पिन गेंदबाजी और ऑलराउंड विकल्पों पर खास ध्यान दिया है। राजस्थान ने स्पिन विभाग को मजबूत करने के लिए नए खिलाड़ियों को जोड़ा है और अब विदेशी बल्लेबाजों व तेज गेंदबाजों के विकल्पों पर फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हमने टीम के हर पहलू को बेहतर करने की कोशिश की है, लेकिन असली परीक्षा मैदान पर ही होगी।'

नई शुरुआत की उम्मीद

रियान पराग के लिए यह कप्तानी एक बड़ा मौका है। संगकारा ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि अब वह पहले से ज्यादा परिपक्व और सोच-समझकर फैसले लेने वाले खिलाड़ी बन चुके हैं। टीम मैनेजमेंट और खिलाड़ियों का पूरा समर्थन पराग के साथ है, जिससे राजस्थान एक नई शुरुआत की उम्मीद कर रहा है।

'दो महीने साथ रहेंगे माही भाई!' संजू सैमसन और एमएस धोनी की मुलाकात ने सोशल मीडिया पर मचाया गदर

आईपीएल 2026 के आगाज से पहले क्रिकेट फैंस के लिए एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसका इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था। राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड होकर चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हुए संजू सैमसन गुरुवार, 19 मार्च को चेन्नई के ट्रेनिंग कैंप से जुड़ गए। इस दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें संजू और थाला एमएस धोनी के बीच एक बेहद खास और खुशनुमा बातचीत देखी जा सकती है।

संजू सैमसन के लिए साल 2026 किसी सपने जैसा रहा है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में 321 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहने के बाद संजू अब पीले रंग की जर्सी में नजर आएंगे। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 से पहले एक बड़े ट्रेड के तहत संजू सैमसन चेन्नई में आए हैं, जबकि रवींद्र जडेजा और सैम करन राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बने हैं।

वायरल वीडियो में संजू और धोनी को एक साथ हंसते-मुस्कुराते देख फैंस इस जोड़ी को थाला-चेट्टन (धोनी-संजू) कहकर सोशल मीडिया पर ट्रेंड करा रहे हैं।

धोनी के साथ खेलने पर क्या बोले संजू सैमसन?

संजू सैमसन ने पीटीआई से बातचीत में धोनी के साथ पूरा सीजन बिताने को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मैंने माही भाई से कई बार बात की है और भारतीय टीम में उनके साथ रहा हूं, लेकिन यह पहली बार होगा जब हम पूरे दो महीने एक साथ बिताएंगे। उनके साथ एक ही टीम में रहने के फायदे तो मिलेंगे ही, बस इसके बारे में सोचकर ही मुझे बहुत खुशी हो रही है। उनके खेल के प्रति नजरिए को करीब से देखना और सीखना मेरे लिए एक बड़ा अवसर है।'

30 मार्च को गुवाहाटी में होगा महामुकाबला

चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस को इस जोड़ी को मैदान पर एक साथ देखने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। 30 मार्च को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में चेन्नई अपना पहला मैच अपनी पूर्व टीम राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी। संजू के लिए यह मैच काफी भावनात्मक होगा क्योंकि वे अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी के खिलाफ नई शुरुआत करेंगे।

आईपीएल 2026 से ठीक पहले इस पूर्व खिलाड़ी का रिटायरमेंट, अश्विन ने दिया ऐसा रिएक्शन

भारतीय क्रिकेट जगत के जाने-माने पूर्व स्पिनर और कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई के साथ अपने लंबे कमेंट्री करियर को अलविदा कह दिया है। उनके इस अचानक आए फैसले ने क्रिकेट फैंस और दिग्गजों को चौंका दिया है। उनके अचानक रिटायरमेंट पर पूर्व भारतीय स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन का भी रिएक्शन आया है।

लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने लिया रिटायरमेंट

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस फैसले की जानकारी देते हुए लिखा, 'मैं बीसीसीआई के लिए कमेंट्री से संन्यास ले रहा हूं।' संन्यास की घोषणा के बाद शिवरामकृष्णन ने अपनी नाराजगी भी जाहिर की। उन्होंने इस बात पर सवाल उठाए कि 23 साल के लंबे अनुभव के बावजूद उन्हें टॉस कवरेज और पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन जैसे महत्वपूर्ण ऑन-एयर रोल क्यों नहीं दिए गए।

खड़े किए बड़े सवाल

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके बाद आए नए कमेंटेटरों को ये मौके मिले जबकि रवि शास्त्री जैसे दिग्गज भी उस दौरान टीम सेटअप का हिस्सा थे। विवाद तब और गहरा गया जब एक यूजर ने कमेंट्री में उनके कम इस्तेमाल के पीछे रंग को कारण बताया। इस पर शिवरामकृष्णन ने सीधे तौर पर सहमति जताते हुए लिखा, 'आप सही कह रहे हैं। रंग के आधार पर भेदभाव।' उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी है।

आर अश्विन का रिएक्शन भी आया सामने

उनके रिटायरमेंट पर रविचंद्रन अश्विन ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। अश्विन ने शिवरामकृष्णन के फैसले और समय पर हैरानी जताते हुए पूछा, 'ओह नहीं! इस आईपीएल में क्यों नहीं?' अश्विन के इस फैसले ने फैंस के बीच यह चर्चा तेज कर दी है कि क्या शिवरामकृष्णन के संन्यास के पीछे कोई तात्कालिक कारण था।

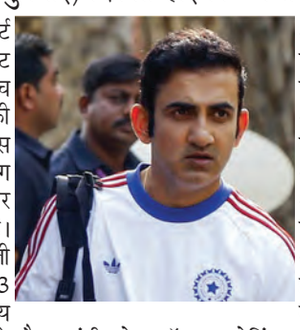

14 साल के वैभव का नेट प्रैक्टिस में गदर राजस्थान रॉयल्स के कैंप में लगाए गगनचुंबी छक्के

बिहार के लाल और क्रिकेट जगत के नए वंडर बॉय वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपने बल्ले की गूंज से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। महज 14 साल की उम्र में आईपीएल डेब्यू कर इतिहास रचने वाले इस युवा बल्लेबाज का एक प्रैक्टिस वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वे राजस्थान रॉयल्स के कैंप में बड़े-बड़े छक्के जड़ते नजर आ रहे हैं। इस दौरान नेट्स में साथ खड़े एक कोचिंग स्टाफ ने वैभव के हर शॉट की जमकर तारीफ की है।

जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में वैभव का तूफान

आईपीएल 2026 की तैयारियों के सिलसिले में राजस्थान रॉयल्स ने जयपुर में अपना ट्रेनिंग कैंप लगाया है। फ्रेंचाइजी ने अपने आधिकारिक X हैंडल पर वैभव का एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में वैभव का नेचुरल गेम साफ दिखाई दे रहा है। वे न केवल पारंपरिक कवर ड्राइव और सीधे बल्ले से शॉट लगा रहे हैं, बल्कि आधुनिक स्कूप शॉट के जरिए भी गेंद को स्टैंड्स में भेज रहे हैं। उनका यह बेखौफ अंदाज बताता है कि वे आगामी सीजन में किसी भी बड़े गेंदबाज का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

राहुल द्रविड़ और वैभव के बीच की वो दिलचस्प बातचीत

हाल ही में बीसीसीआई के नमन अवॉर्ड्स के दौरान राजस्थान रॉयल्स के पूर्व कप्तान संजू सैमसन ने वैभव के डेब्यू से जुड़ा एक मजेदार किस्सा साझा किया। संजू ने बताया कि जब कोच राहुल द्रविड़ ने डेब्यू मैच से पहले वैभव से उनकी तैयारी और रणनीति के बारे में पूछा, तो इस 14 साल के खिलाड़ी का आत्मविश्वास देखकर द्रविड़ भी हैरान रह गए थे। वैभव ने साफ कर दिया था कि वे मैदान पर किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपने उसी तूफानी अंदाज में खेलेंगे जिसके लिए वे जाने जाते हैं।

इरादे मजबूत, खेल बेमिसाल

वैभव सूर्यवंशी का मानना है कि वे मैदान पर जाकर सिर्फ खेल का आनंद लेना चाहते हैं। 14 साल की छोटी सी उम्र में विश्व के सबसे बड़े क्रिकेट मंच पर उतरना किसी सपने जैसा है, लेकिन वैभव के शॉट्स की रेंज और टाइमिंग देखकर दिग्गज भी उन्हें भविष्य का सितारा मान रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स ने इस युवा प्रतिभा पर जो भरोसा जताया है, वैभव उसे सही साबित करने के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं।

23 मार्च को होगी गौतम गंभीर की एआई-डीपफेक याचिका पर सुनवाई, दिल्ली हाईकोर्ट ने तय की तारीख

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी है। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 23 मार्च की तारीख तय की है। हाईकोर्ट ने गौतम गंभीर के वकील से कहा है कि याचिका में जो कमियां है उसे सुधार कर लाएं।

एआई-डीपफेक के खिलाफ सख्त कोच गंभीर

गौतम गंभीर ने 19 मार्च को दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। याचिका में उन्होंने कहा था कि उनकी अनुमति के बिना उनके नाम, उनकी आवाज उनकी तस्वीर का वाणीज्यिक रूप से गलत इस्तेमाल हो रहा है। इसके लिए डीप फेक, एआई मैनिपुलेशन जैसी तकनीकों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। गौतम गंभीर के वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट का डीप फेक वीडियो बनाकर उसका गलत इस्तेमाल सोशल मीडिया पर व्यूज बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। वीडियो में वह बयान में दिखाए जा रहे हैं जो गंभीर ने कभी दिए ही नहीं। गंभीर के इस्तीफा देने का भी एक एआई वीडियो डाला गया जिसने कुछ ही समय मे 29 लाख व्यूज हासिल कर लिया ।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फैलाया जा रहा झूठ

गंभीर की लीगल टीम ने दायर याचिका में कहा था कि 2025 के आखिर से गौतम गंभीर की लीगल टीम ने इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, और फेसबुक पर नकली डिजिटल कंटेंट में तेजी से और चिंताजनक वृद्धि देखी। कई अकाउंट्स ने असली वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें गंभीर को ऐसे बयान देते हुए गलत तरीके से दिखाया गया जो उन्होंने कभी दिए ही नहीं। इसमें एक नकली इस्तीफे की घोषणा भी शामिल थी, जिसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया। एक नकली क्लिप जिसमें उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के विश्व कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, इसे 17 लाख से ज्यादा बार देखा गया। यह मुकदमा 16 डिफेंडेंट के खिलाफ दायर किया गया है। इसमें कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स जैसे जैनकी फ्रेम्स, भूपेंद्र पेंटोला, लीजेंड्स रेवोल्यूशन, आदि शामिल हैं। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में ऐमेजॉन और फ्लिपकार्ट का नाम है। वहीं टेक कंपनियों में मेटा प्लेटफॉर्म, एक्स, गूगल, यूट्यूब, आदि शामिल हैं।

गंभीर ने मांगा हर्जाना

गंभीर ने 2.5 करोड़ हर्जाना, सभी अकाउंट्स को हटाने, परमानेंट रोक लगाने और सभी उल्लंघन करने वाले कंटेंट को हटाने की मांग की है। उन्होंने भविष्य में अपना नाम, चेहरा और आवाज का इस्तेमाल नहीं किए जाने की मांग कोर्ट से की है। इस मामले में उन्होंने कोर्ट से जल्द कार्रवाई करने का अनुरोध किया था।

ऋतिक रोशन ने मांगी प्रोड्यूसर बनने की टिप्स, करण जौहर ने दिया दिलचस्प जवाब

बॉलीवुड में अक्सर देखा जाता है कि बड़े स्टार्स सिर्फ अभिनय तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि समय के साथ फिल्म बनाने की जिम्मेदारी भी अपने हाथ में लेना चाहते हैं। इसी कड़ी में अब ऋतिक रोशन का नाम भी जुड़ता नजर आ रहा है। इस बीच अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो के इवेंट के दौरान ऋतिक ने प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रखने के लिए इंडस्ट्री के जाने-माने फिल्ममेकर करण जौहर से सलाह मांगी। दरअसल, प्राइम वीडियो के इवेंट में ऋतिक रोशन अपने दो नए ओटीटी शोज 'मैस' और 'स्ट्रॉम' के लॉन्च के लिए पहुंचे। स्टेज पर बातचीत के दौरान ऋतिक ने करण जौहर की जमकर तारीफ की और उन्हें अब तक का सबसे बेहतरीन प्रोड्यूसर बताया। इसके बाद उन्होंने करण से सीधे तौर पर पूछा कि अगर वह प्रोड्यूसर बनना चाहें, तो उन्हें क्या करना चाहिए?

ऋतिक की बात सुनकर करण जौहर काफी खुश नजर आए और उन्होंने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। करण ने कहा कि ऋतिक को किसी खास ट्रेनिंग की जरूरत नहीं है, क्योंकि वह बचपन से ही फिल्मी माहौल में पले-बढ़े हैं।

करण ने कहा कि ऋतिक के पिता राकेश रोशन खुद एक सफल फिल्ममेकर रहे हैं और ऋतिक ने खुद भी अपने करियर की शुरुआत बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर की थी। वह शुरुआत से एक प्रोड्यूसर बनने के लिए तैयारी करते रहे हैं। करण जौहर की यह बात सुनकर ऋतिक रोशन भी मुस्कुराते हैं और कहते हैं कि अब उन्हें काफी अच्छा महसूस हो रहा है। इवेंट के दौरान ऋतिक ने अपने दोनों नए शोज के बारे में भी बात की।'मैस' एक ऐसे ग्रुप की कहानी है जो चोरी के इरादे से एक घर में घुसता है, लेकिन वहां हालात ऐसे बन जाते हैं कि उन्हें खुद अपनी जान बचानी पड़ती है। वहीं, 'स्ट्रॉम' पांच महिलाओं की कहानी है। यह एक हाउसिंग प्रोजेक्ट के घोटाले पर आधारित है। ये दोनों कहानियां दर्शकों को रोमांच और सस्पेंस से भरपूर अनुभव देने वाली हैं।

मंदिर दर्शन विवाद में घिरीं सारा अली खान ओरी के लाइक से फिर गरमाया मामला

हर साल केदारनाथ में बाबा के दर्शन करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान की आस्था पर अब सवाल खड़े हो गए हैं। बद्री-केदार मंदिर समिति ने गैर-हिंदुओं के मंदिर में दर्शन पर रोक लगा दी है, और अगर कोई गैर-हिंदू दर्शन करना चाहता है तो उसे हलफनामा जमा करना होगा। इस मुद्दे पर फिलहाल सारा अली खान ने चुप्पी साथ रखी है, लेकिन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी यानी ओरहान अवात्रामणि ने सारा पर निशाना साधा है। यह हमारा दावा नहीं है, बल्कि उनके द्वारा लाइक किए गए सोशल मीडिया पोस्ट से पता चलता है। ओरी ने सारा अली खान के उस पोस्ट को लाइक किया है, जिसमें लिखा है- बद्री-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कहना है कि अगर सारा अली खान हिंदू मंदिरों में जाना चाहेंगी, तो उन्हें आस्था

साबित करने वाला एक शपथ पत्र देना होगा। खबर लिखे जाने तक पोस्ट पर टॉप पर ओरी का लाइक दिख रहा है। इससे साफ है कि अभी तक सारा अली खान और ओरी के बीच का विवाद शांत नहीं हुआ है।

ओरी ने बीते 1 साल से मीम्स तो कभी इंटरव्यू के जरिए हमेशा सारा अली खान पर निशाना साधा है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि अमृता सिंह की वजह से उन्हें बहुत ट्रामा झेलना पड़ा है और अगर वो माफी मांगेगी तो वो शायद माफ करने के बारे में सोच सकते हैं, हालांकि ओरी किस ट्रामा से गुजर रहे हैं, उन्होंने इसे लेकर कोई खुलासा नहीं किया।

अमृता सिंह और सारा अली खान को निशाना बनाते हुए ओरी ने एक रील भी शेयर की थी, जिसमें उनसे तीन सबसे बुरी औरतों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पलक, अमृता और सारा का नाम लिया। हालांकि वो रील में पूरा नाम लेते बचते दिखे, लेकिन फैंस समझ चुके थे कि ओरी आखिर कहना क्या चाहते हैं।

पलक तिवारी, सारा अली खान के भाई इब्राहिम अली खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड हैं। ओरी, इब्राहिम अली खान, सारा और पलक चारों ही बहुत क्लोज फ्रेंड्स हुआ करते थे, लेकिन विवाद के बाद ओरी ने सबको अनफॉलो कर दिया था। बात यही खत्म नहीं होती, ओरी ने खुलेआम सारा के करियर को लेकर भी मीम बनाए थे और उनके करियर को बहुत छोटा बताया था। हालांकि सारा अली खान ने पूरे विवाद पर चुप्पी साधे रखी और कुछ कहने या पोस्ट करने से खुद को दूर रखा। शायद यही वजह है कि आज भी सारा के धर्म और गैर- हिंदू होने के विवाद पर ओरी खुश हैं और उनसे जुड़े पोस्ट को लाइक कर रहे हैं।

जेनेलिया डिसूजा को याद आए पुराने दिन साउथ फिल्म के गाने पर शेयर किए जज्बात

अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा ने सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि साउथ सिनेमा में भी अपने अभिनय की छाप छोड़ चुकी हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत साउथ सिनेमा से ही की थी। उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम करके दर्शकों का दिल जीता है। शुक्रवार को जेनेलिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी पुरानी साउथ इंडियन फिल्मों में से एक का गाना शेयर करते हुए पुरानी यादें ताजा कीं। इस पोस्ट में जेनेलिया ने अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे पारंपरिक साड़ी लुक में नजर आ रही हैं। साथ ही, अभिनेत्री ने 'नल्ला नल्लानी कल्ला' ऐड किया, जिसे उन्होंने अपने मनपसंद गानों में से एक बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब भी वह अपना कोई पुराना गाना पोस्ट करती हैं और उसे ट्रेंड करते हुए देखती हैं, तो उन्हें पुरानी यादों का एक जबरदस्त एहसास होता है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कुछ भावनाएं सिर्फ ट्रेंड से कहीं ज्यादा होती हैं, क्योंकि वे जिंदगी भर साथ रहती हैं।

जेनेलिया ने पोस्ट कर लिखा, जब भी मैं अपने पुराने साउथ गाने जोड़ती हूं, तो एक अलग ही यादें ताजा हो जाती हैं, और जब उन्हें ट्रेंड करता हुआ देखती हूं, तो लगता है कि कुछ फिल्में और भावनाएं ट्रेंड से परे होती हैं; वे हमेशा के लिए याद रहती हैं।

बता दें कि 'नल्ला नल्लानी कल्ला' गाना साल 2004 में रिलीज हुई लोकप्रिय तेलुगु फिल्म 'सई' में फिल्माया गया था। इस रोमांटिक गाने को एम.एम. कीरावानी ने कंपोज किया है और उन्होंने ही के.एस. चित्रा के साथ मिलकर इसे अपनी आवाज भी दी थी।

गाने को जेनेलिया के साथ नितिन ने अपनी परफॉर्मेंस से और भी शानदार बना दिया था। गाना सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड करता है। तेलुगु यूजर्स गाने पर रील्स बनाकर ट्रेंड का हिस्सा बनते हैं।

'नल्ला नल्लानी कल्ला' एक लोकप्रिय तेलुगु गाना है, जिसका अर्थ 'काली-काली आंखें' होता है। यही कारण है कि गाने को अच्छी तरह से बयां करने के लिए जेनेलिया की आंखों पर ज्यादा फोकस किया गया है।

आखिरी सांस तक भाई के साथ खड़ी रहूंगी : सेलिना जेटली

अभिनेत्री सेलिना जेटली की अपने भाई विक्रांत जेटली से मिलने की आखिरी उम्मीद भी टूट गई। हाल ही में सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि विक्रांत ने अपनी बहन से बात करने से साफ मना कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे किसी से संपर्क नहीं करना चाहते और कानूनी फैसले अपनी पत्नी चारुल जेटली से सलाह लेकर ही लेंगे। बुधवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपने भाई के फैसले का सम्मान किया। अभिनेत्री ने भाई के साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा कि वे उनके इस फैसले को समझती हैं। नोट में सेलिना ने बताया कि उन्होंने आखिर में अपने भाई से कब बात की थी। सेलिना ने लिखा, मैंने अपने भाई से आखिरी बार 23 अगस्त 2024 को बात की थी। कुछ दिन बाद, 6 सितंबर 2024 को उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। इसके बाद मई 2025 तक गुप्त रूप से रखा गया। फिर मध्य पूर्व के एक डिटेंशन सेंटर में भेजा गया, जहां वे अब लगभग 18 महीने से बिना किसी औपचारिक प्रक्रिया के रखे गए हैं। उनसे मिलने की अनुमति भी बहुत कम है। सेलिना ने लिखा कि हिरासत के दौरान उनके भाई को क्या-क्या बताया गया होगा, उन्हें नहीं पता। भाई हमेशा मेरी बहुत फिक्र करते थे। बाहर की पूरी सच्चाई उन्हें अभी नहीं पता है। हो सकता है कि अधूरी जानकारी के आधार पर वे अपनी बहन को आर्थिक और मानसिक परेशानी से बचाने की कोशिश कर रहे हों। ऐसे हालात में हिरासत वाले व्यक्ति के फैसले को उसी स्थिति में देखना चाहिए।

सेलिना ने लिखा कि उनकी सबसे बड़ी चिंता भाई की शारीरिक और मानसिक सेहत को लेकर रही है। यह मामला कभी मेरे बारे में नहीं था। मेरा उद्देश्य हमेशा यही था कि मुझे अपने भाई से मिलने और बात करने का मौका मिले और सबसे जरूरी बात, उन्हें सही कानूनी मदद मिल सके। मुझे खुशी है कि जून 2025 से अब तक भारत सरकार को उनसे नौ बार मिलने का मौका मिला है और सरकार ने यह भी कहा है कि वे उन्हें और उनकी पत्नी को कानूनी मदद लेने के लिए आगे भी प्रेरित करती रहेंगी। सेलिना ने भारत सरकार का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, मैं आभारी हूं कि सरकार लगातार उनके स्वास्थ्य और स्थिति पर ध्यान दे रही है और आगे भी इस मामले में प्रयास जारी हैं। मेरा हमेशा से सिर्फ एक ही मकसद रहा है उनकी सुरक्षा, कानूनी हक और सम्मान बना रहे। मैं समझती हूं कि शायद वे अपने तरीके से मुझे बचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मैं हमेशा उनके साथ खड़ी रहूंगी और यह सुनिश्चित करूंगी कि उन्हें सही कानूनी मदद मिलती रहे। अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, जब तक मैं सीधे भाई से मिलकर बात नहीं कर लेती, तब तक किसी भी बात पर पूरा भरोसा नहीं कर सकती। मैं उन्हें बहुत अच्छे से जानती हूं, वे मेरे लिए मेरे पहले बच्चे जैसे हैं। मैं आखिरी सांस तक उनके साथ खड़ी रहूंगी।

बदला हो तो धुरंधर जैसा हो वरना न हो, सेकंड पार्ट देखकर आदित्य धर की दीवानी हुईं प्रीति जिंटा

रणवीर सिंह और संजय दत्त स्टारर फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' 19 मार्च, यानि आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म के प्री-प्रीव्यू के बाद सोशल मीडिया पर

फिल्म से जुड़ी कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें 'नोटबंदी' से लेकर बड़े साहब (दाऊद इब्राहिम) तक को दिखाया गया है। फिल्म देखकर आईं एक्ट्रेस प्रीति जिंटा धुरंधर के हर किरदार की कायल हो चुकी हैं। उन्होंने फिल्म को 'धुरंधर' से ज्यादा शानदार बताया है। प्रीति जिंटा अपने दोस्त और 'धुरंधरः द रिवेंज' के मेजर इकबाल (अर्जुन रामपाल) के साथ फिल्म देखने पहुंचीं। अभिनेत्री के मुताबिक फिल्म में जिस तरीके से रणबीर सिंह ने बदला लिया है, वो वाकई ही बड़ा बदला है। उन्होंने फिल्म के हर एक किरदार की तारीफ की और रणवीर सिंह को फिल्म की जान बताया।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैंने कल रात धुरंधर 2 देखी और बस इतना ही कहना चाहती हूं कि बदला हो तो धुरंधर जैसा हो वरना न हो। निर्देशन, अभिनय, संगीत, संपादन, कहानी, कास्टिंग और हर विभाग जबरदस्त है। फिल्म देखने के बाद मम्मी ने सबसे पहले यही कहा कि वो इसे अपने दोस्तों के साथ थिएटर में दोबारा देखना चाहती हैं और मुझे भी बिल्कुल ऐसा ही लगता है।

प्रीति ने दर्शकों को इतनी अच्छी फिल्म देने के लिए आदित्य धर को दिल से धन्यवाद दिया। उनका कहना है कि दर्शकों के अनुभव को मनमोहक बनाने का काम बहुत अच्छे से किया गया है, जबकि रणवीर सिंह को लेकर उन्होंने लिखा, आपने मेरा दिल जीत लिया। क्या शानदार प्रदर्शन था? क्या रेंज, क्या गहराई, क्या ईमानदारी। हर चीज को बारीकी से पर्दे पर पूरी गहराई के साथ उतारा गया है। प्रीति ने आर. माधवन, सार और अर्जुन रामपाल की भी तारीफ की और सभी से फिल्म को देखने की गुजारिश की। एक्ट्रेस के मुताबिक फिल्म के हर हिस्से में इमोशन, साजिश और हिम्मत तीनों एक साथ देखने को मिलती हैं। फिल्म के प्रेड-प्रीव्यू के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़े क्लिप्स वायरल हो रहे हैं।

फिल्म के डायरेक्टर ने खुद फैंस से अपील की थी कि वे बाकी दर्शकों की एक्साइटमेंट को खराब न करें। सोशल मीडिया पर रणवीर सिंह के 'ल्यारी किंग' बनने का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

राजीव दतिया ने किया नोरा फतेही का बचाव, बोले सिर्फ कलाकार को दोष देना गलत, पूरी टीम जिम्मेदार

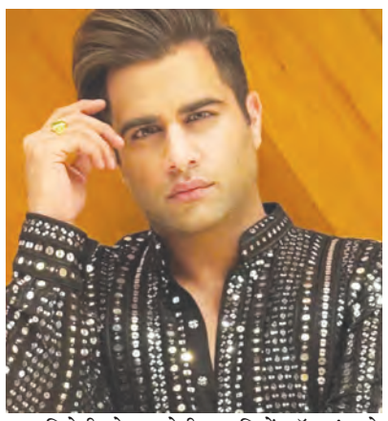

अभिनेत्री नोरा फतेही इन दिनों सॉन्ग 'सरके चुनर' को लेकर विवादों में घिरी हुई हैं। रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर गाने को लेकर भारी विरोध देखने को मिल रहा है। कई लोगों ने इसके बोल और प्रस्तुति पर आपत्ति जताई, जिसके बाद से मामला इतना बढ़ गया कि गाने को बैन कर दिया गया है। गुरुवार को मशहूर इंफ्लूएंसर और बिग बॉस के पूर्व कंटेस्टेंट राजीव दतिया ने इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और पूरे मामले के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। राजीव ने लिखा, आप सिर्फ नोरा फतेही को दोष देकर कहानी को खत्म नहीं कर सकते। कोई भी गाना अचानक तैयार नहीं हो जाता, बल्कि इसके पीछे एक बड़ी टीम की मेहनत होती है। राजीव ने लिखा कि एक गाना तैयार होने में गीतकार, गायक, निर्देशक, कैमरा टीम, कोरियोग्राफर, प्रोड्यूसर और म्यूजिक लेबल जैसे कई लोग शामिल होते हैं।

ऐसे में केवल स्क्रीन पर दिखने वाले कलाकार को जिम्मेदार ठहराना गलत है। उन्होंने लिखा, एक गाने में 80 से 100 लोग शामिल होते हैं और क्या सच में किसी ने इसे

नहीं देखा या सवाल नहीं किया? यह विश्वास करना मुश्किल है। स्क्रीन पर दिख रहे चेहरे पर उंगली उठाना आसान है, लेकिन असली जिम्मेदारी उन लोगों पर है जिन्होंने इसे बनाया, मंजूर किया और जानबूझकर जनता तक पहुँचाया।

राजीव ने नोट शेयर करते हुए लिखा, सिर्फ नोरा फतेही को दोष देना गलत है। एक गाने के लिए पूरी टीम मेहनत करती है। इसे शुरुआत में ही रोका जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गाना पहले से ही तैयार, लिखा हुआ और फिर नोरा के सामने पेश किया गया। गाने के बोल में जो अश्लीलता लिखी गई थी, वह पहले से मौजूद थी।

आलिया भट्ट अपनी फिल्मों में आउटसाइडर्स को देंगी मौका, करण जौहर बोले- मुझे लॉन्च का ज्यादा नहीं पता

भट्ट ने एक बड़ा कदम उठाया है। जहां लोगों का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में आउटसाउडर्स के लिए जगह बना पाना मुश्किल होता है और बॉलीवुड नेपोटिज्म पर चल रही है, वहीं आलिया की इस पहल की तारीफ हो रही है। दरअसल आलिया अपनी फिल्मों के जरिए आउटसाइडर्स को मौका देने की बात कही है।

बॉलीवुड में लंबे समय से 'इनसाइडर वर्सेस आउटसाइडर' की बहस चलती रही है। ऐसे में जब भी कोई बड़ा स्टार नए टैलेंट को आगे बढ़ाने की बात करता है तो वह चर्चा का विषय बन जाता है। अब इसी कड़ी में आलिया भट्ट का बयान सामने आया है, जिसने इस बहस को एक नई दिशा दे दी है। आलिया ने कहा कि वह अपने प्रोडक्शन के जरिए आउटसाइडर्स को लॉन्च करेंगी।

आलिया भट्ट की 'डोंट बी शाई' का लॉन्च इवेंट

दरअसल, आलिया भट्ट ने शुक्रवार को अपनी नई प्रोडक्शन फिल्म 'डोंट बी शाई' के लॉन्च इवेंट में शामिल हुईं। यह फिल्म अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो के एक बड़े इवेंट के दौरान पेश की गई, जहां कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा भी हुई। इसी दौरान स्टेज पर आलिया ने एक बड़ी अनाउंसमेंट कर दी और वहां फिल्ममेकर करण जौहर भी मौजूद थे। अब आलिया की कही बात ने सभी का ध्यान खींच लिया।

आलिया बोलीं- क्योंकि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक तरीका

इवेंट में करण जौहर ने हल्के-फुल्के अंदाज में आलिया की तारीफ भी की और कहा वह अब एक समझदार और अनुभवी प्रोड्यूसर बन गई हैं। उन्होंने कहा, 'आलिया, आपने सच में प्रोड्यूसर होने की कला में महारत हासिल कर ली है, क्योंकि आपके जवाब मेरे सवालों से बहुत अलग लगते हैं।' आलिया ने इसका जवाब देते हुए कहा, 'हां करण, क्योंकि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक तरीका होता है।'

करण जौहर ने दिलाई 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' की याद

करण जौहर ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए मजाक में कहा कि शायद उन्हें एक्टर्स को लॉन्च करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। यह कहते हुए कि उन्होंने जब आलिया को अपने प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के बारे में याद दिलाई और कहा कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए उन्हें लॉन्च किया था तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'अच्छा, मैं क्या कह सकती हूं, सबसे अच्छे लोगों ने हमें हमेशा सिखाया है कि हर चीज की एक टाइमिंग होती है।'

करण ने पूछा- क्या वे आउटसाइडर्स हैं?

इसी दौरान करण जौहर ने एक अहम सवाल पूछा कि क्या आलिया जिन कलाकारों को लॉन्च करने जा रही हैं, वे 'आउटसाइडर्स' हैं? इस पर आलिया ने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा- हां। ये जवाब सुते ही करण जौहर ने कहा कि मुझे आप पर गर्व है आलिया।

क्या है 'डोन्ट बी शाई' की कहानी

अगर फिल्म 'डोन्ट बी शाई' की बात करें तो यह एक युवा लड़की श्यामिली 'शाई' दास की कहानी है, जो 20 साल की है। वो अपनी जिंदगी के सभी फैसले खुद करती है। उसे लगता है कि उसने सब कुछ प्लान कर लिया है, लेकिन अचानक उसकी जिंदगी में ऐसे बदलाव आते हैं जो उसे पूरी तरह से हिला देते हैं। यह कहानी एक साधारण लड़की के असाधारण सफर को दिखाती है, जिसमें भावनाएं, संघर्ष और आत्मविश्वास भी है। यह फिल्म आलिया भट्ट की कंपनी 'इटरनल सनशाइन' प्रोडक्शन और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर बनाई जा रही है।

करण जौहर ने आलिया को किया था लॉन्च

यहां ये भी याद दिला दें कि करण जौहर ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से आलिया भट्ट को लॉन्च किया था। हालांकि, करण इसे क्लियर करने की कोशिश कई बार कर चुके हैं कि उन्होंने आलिया को नेपोटिज्म वाले फंडे की बदौलत कास्ट नहीं किया था। करण जौहर ने आलिया को लेकर कहा था, 'इस फिल्म में आलिया के किरदार के लिए देश भर से लगभग 400 लड़कियों का स्क्रीन टेस्ट लिया गया था। इतने बड़े कॉम्पिटिशन में आलिया ने अपने अलग अंदाज से बाजी मार ली।' करण जौहर ने आलिया को देखते ही कहा था कि उन्हें उनमें वो 'एक्स फैक्टर' दिखा, जो फिल्म के लिए परफेक्ट है। हालांकि, तब उन्होंने आलिया को वजन कम करने की सलाह भी दी थी और तीन महीने में वो फिल्म के लिए बिल्कुल फिट होकर लौटी थीं।

यूपी कॉलेज में बीएससी छात्र की हत्या के बाद बवाल

साथियों ने पथराव किया, गाड़ियां तोड़ीं, 3 प्रोफेसर घायल, पुलिस ने खदेड़ा

वाराणसी, 20 मार्च (एजेंसियां)। वाराणसी के यूपी कॉलेज परिसर में दिनदहाड़े बीएससी छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इससे तनाव फैल गया है। हमलावर ने क्लासरूम के बाहर छात्र को 4 गोलियां मारीं। पिस्टल कूड़े के ढेर में फेंककर फरार हो गया। आरोपी भी इसी कॉलेज का छात्र है। वारदात की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है।

घटना शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे कला और सामाजिक विज्ञान संकाय के बाहर हुई। घायल छात्र सूर्य प्रताप सिंह (23) को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद गुस्साए छात्रों ने कॉलेज परिसर में हंगामा कर दिया। कैंपस के अंदर कुर्सियां तोड़ दीं।

बाहर दुकानों में तोड़फोड़ कर दी। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने कॉलेज का मेन गेट बंद करा दिया था। आसपास की 150 से अधिक दुकानों को भी बंद करा दिया। परिसर में सात थानों की पुलिस फोर्स तैनात कर दी।

करीब 3 घंटे बाद पुलिस ने कॉलेज का गेट खुलवाया। घेरा बनाकर कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों को बाहर निकाला जा रहा था, तभी हत्याकांड से गुस्साए छात्रों ने फिर हंगामा कर दिया। पत्थर फेंककर कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की।

छात्रों के पथराव में तीन प्रोफेसर घायल हो गए। पुलिस ने लाठी फटकार कर प्रदर्शनकारी छात्रों को भगाया। पुलिस कमिश्नर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छह टीमें गठित की हैं।

इधर, ट्रॉमा सेंटर पहुंची मां इकलौते बेटे की लाश देखकर बेहोश हो गई। परिजनों और मौजूद लोगों ने उन्हें संभाला। साथी छात्र भी फूट-फूट कर रोते नजर आए। एक छात्र ने रोते हुए कहा- "हमके हमार भाई चाही।"

पुलिस के मुताबिक, जिस छात्र की हत्या हुई, वह गाजीपुर का रहने वाला था। सेकेंड ईयर में पढ़ रहा था। वहीं, आरोपी मंजीत सिंह बीए सेकेंड ईयर का छात्र है। वह वाराणसी के चांदमारी इलाके का रहने वाला है। उसने इंस्टाग्राम के बॉयो में लिखा है-आपका सम्मान तभी तक है, जब तक मेरे स्वाभिमान को ठेस न पहुंचे। जय मां भवानी।

20 दिन बाद आज कॉलेज पहुंचा था छात्र

छात्र सूर्य प्रताप सिंह के पिता ऋषि देव सिंह अतुलानंद स्कूल में ड्राइवर हैं। उनकी मां किरण सिंह अतुलानंद स्कूल में सहायिका हैं। छात्र की दो बहनें हैं, एक की शादी हो चुकी है, जबकि दूसरी अविवाहित है। सूर्य प्रताप को 20 दिन पहले चेचक निकल आई थी, जिसके चलते वह कॉलेज नहीं आ रहा था। ठीक होने के बाद वह आज ही कॉलेज पहुंचा था।

छात्रों का आरोप- प्रिंसिपल के सामने मारी गई गोली

शुक्रवार सुबह 10.30 बजे सूर्य और आरोपी छात्र मंजीत चौहान के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद प्रिंसिपल ने दोनों छात्रों को बुलाया। छात्रों का आरोप है कि प्रिंसिपल ने सूर्य प्रताप सिंह को सबके सामने जलील किया। इसी दौरान आरोपी छात्र मंजीत ने पिस्टल निकाली और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

पिस्टल फेंकी, छत से कूदकर भागा

सिर, सीने और पेट में गोली लगते ही सूर्य प्रताप अचेत हो गया। वारदात के बाद प्रिंसिपल वहां से चले गए। साथी छात्रों के पहुंचते ही आरोपी छात्र पिस्टल फेंककर भाग निकला। वह कला एवं सामाजिक विज्ञान भवन की छत से कूदकर फरार हो गया। साथी छात्रों ने सूर्य को पहले जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उसे बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई।

छात्र की मौत के बाद 200 से अधिक छात्र जुट गए। गुस्साए छात्रों ने सड़क पर उतरकर हंगामा किया। दुकानों पर पत्थर फेंके। आनन-फानन में दुकानदारों ने शटर गिरा लिए। सूचना मिलते ही आसपास के थानों से पुलिस बल बुलाया गया। डीआईजी शिवहरी मीणा ने छात्रों को समझाने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान उनकी एक छात्र से तीखी बहस हो गई।

डीआईजी ने कहा- शांति से बैठ जाओ, यह कोई तरीका नहीं है। इस पर छात्र बोला, हम दिनभर धूप में बैठे हैं। इस पर डीआईजी ने कहा- मैं भी तो धूप में ही खड़ा हूं। मैंने तो कुछ नहीं किया। मेरी बात सुनो, फालतू की बातें मत करो। इसके बाद अन्य छात्रों ने उस युवक को वहां से हटा दिया।

पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने भी कॉलेज पहुंचकर छात्रों से बातचीत की और कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन छात्र शांत नहीं हुए। इसके बाद पुलिस ने कॉलेज के गेट बंद कर दिए। कुछ छात्र गेट के सामने धरने पर बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। करीब तीन घंटे तक माहौल तनावपूर्ण रहा।

सरकार ने 300 अवैध बेटिंग वेबसाइट्स-एप ब्लॉक किए

इनमें ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म भी शामिल, अब तक 8400 प्लेटफॉर्म बंद

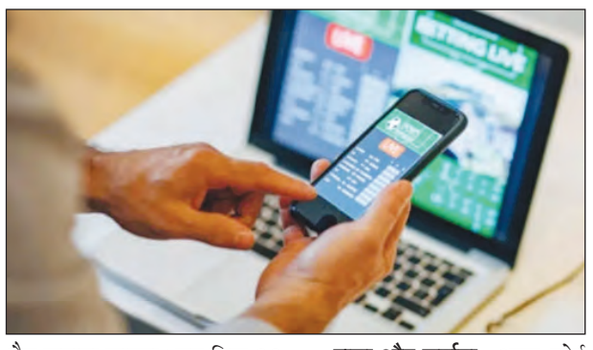

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। सरकार ने अवैध ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 वेबसाइट्स-एप्स को ब्लॉक किया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक अब तक कुल 8400 ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगाया जा चुका है। इनमें से करीब 4900 वेबसाइट्स ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद ब्लॉक की गई हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक जिन प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई की गई है, वे मुख्य रूप से अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े थे। इनके जरिए बड़े स्तर पर अवैध लेनदेन और जुए को बढ़ावा मिल रहा था। इसे रोकने के लिए आईटी एक्ट और अन्य संबंधित कानूनों के तहत लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है।

ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद इस तरह के प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई में तेजी आई है। सरकार का दावा है कि यह कदम डिजिटल स्पेस को सुरक्षित बनाने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए उठाया गया है।

प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के तहत देश में रियल मनी गेमिंग पर बैन लगाया जाएगा। यह बिल 20 अगस्त को लोकसभा और 21 अगस्त को राज्यसभा से पास हुआ था। 22 अगस्त को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह कानून बना और 1 अक्टूबर से लागू किया गया।

ऑनलाइन गेमिंग कानून में 4 सख्त नियम

इस कानून में कहा गया है कि चाहे ये गेम्स स्किल बेस्ड हों या चांस बेस्ड दोनों पर रोक है।

रियल-मनी गेम्स पर रोकः कोई भी मनी बेस्ड गेम ऑफर करना, चलाना, प्रचार करना गैरकानूनी है। ऑनलाइन गेम खेलने वालों को कोई सजा नहीं होगी।

सजा और जुर्मानाः अगर कोई रियल-मनी गेम ऑफर करता है या उसका प्रचार करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। विज्ञापन चलाने वालों को 2 साल की जेल और 50 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। **रेगुलेटरी अथॉरिटीः** एक खास अथॉरिटी बनाई जाएगी, जो गेमिंग इंडस्ट्री को रेगुलेट करेगी, गेम्स को रजिस्टर करेगी और ये तय करेगी कि कौन सा गेम रियल-मनी गेम है। **ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावाः** पबजी और फ्री फायर जैसे ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स को सपोर्ट किया जाएगा।

रायगढ़ में मिली अफीम की खेती

झारखंड का शख्स हिरासत में, 15 दिन में चौथा मामला भूपेश बोले- भाजपा सरकार के संरक्षण में खेती जारी

रायगढ़, 20 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के तमनार में अफीम की अवैध खेती पकड़ी गई है। तमनार ब्लॉक के आमाघाट में करीब डेढ़ एकड़ में अफीम की फसल लहलहा रही थी। 20 मार्च यानि आज मामले की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार, झारखंड का रहने वाला मार्शल सांगा यहां 10-12 साल से खेती कर रहा है। उसने आमाघाट के किसान से तरबूज, ककड़ी उगाने के लिए खेत लिया था। पुलिस ने सांगा को हिरासत में लिया है। खेत किसका है, किसके संरक्षण में खेती हो रही थी, इसकी जांच जारी है। बता दें कि पिछले 15 दिन प्रदेश में यह चौथा अफीम का खेत मिला है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक्स पर पोस्ट कर भाजपा सरकार पर अफीम की खेती को संरक्षण देने का आरोप लगाया है।

बता दें कि प्रदेश में पिछले 15 दिनों में अफीम की खेती पकड़ाने का यह चौथा मामला है। इससे पहले 7 मार्च को दुर्ग में अफीम की खेती पकड़ाई थी। 10 मार्च को बलरामपुर के कुसमी में और 12 मार्च को बलरामपुर के कोरंधा में अफीम की खेती मिली थी।

बताया जा रहा है कि, आरोपी मार्शल सांगा झारखंड से आ कर अपने ससुराल रायगढ़ के तमनार में रहने लगा। वह पिछले 10-12 साल से यहां खेती कर रहा था। झारखंड में अफीम की खेती उसके साथी कर रहे हैं और उसी को देख कर उसने यहां खेती करना शुरू किया। हालांकि इसकी जांच अभी जारी है। रायगढ़ में अफीम की खेती पकड़ाने पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि भाजपा सरकार के संरक्षण में प्रदेश भर में हो रही अफ़ीम की खेती का पर्दाफ़ाश जारी है। अब रायगढ़ के तमनार थाना क्षेत्र के आमाघाट में अफ़ीम की खेती पकड़ी गई है। जिस तरीक़े से प्रदेश में सूखे नशे के कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है, यह घातक है। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री की चुप्पी बताती है कि इस खेल का असली "सरगना" कौन है।

ट्रैक्टर से हुई दुर्घटना में तीन की मौत

लालपनिया में बाइक सवारों को कुचला, ग्रामीण ने मुआवजे की मांग पर किया सड़क जाम

रामगढ़, 20 मार्च (एजेंसियां)। बोकारो के लालपनिया सीमावर्ती क्षेत्र में बीती रात बाबू लोडेड ट्रैक्टर से हुई दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। यह घटना रात करीब 9:30 बजे हुई। एक बाइक सवार 60 वर्षीय चंद्र साव ने ट्रैक्टर के ट्रॉली में टक्कर मार दी, जिससे उनकी वहीं मौत हो गई। इसके बाद चालक ट्रैक्टर लेकर भागने लगा। बाइक सवार दो युवक 22 वर्षीय कृष्णा मुर्मू और 23 वर्षीय उमेश किस्कू उसका पीछा करने लगे और इसी दौरान ट्रैक्टर ने दोनों को कुचल दिया।

इस घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इधर, ड्राइवर ट्रॉली को मौके पर छोड़ ट्रैक्टर लेकर भाग निकला। वहीं, तीनों मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को लालपनिया रोड को जाम कर दिया है। वे मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की मांग कर रहे थे।

रामनवमी पर भाजपा बिहार में लाएगी अपना पहला मुख्यमंत्री?

अगले सीएम का चेहरा नीतीश कुमार तय नहीं कर रहे

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ज्यादा समय देने के विचार में नहीं है। बिहार में इतिहास रचने के लिए वह खरमास के खत्म होने का इंतजार करे, यह भी शायद संभव नहीं हो। और, मौका है रामनवमी का तो तैयारी उसी हिसाब से हो रही है। जी हां, संभव है कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनाने वाली पार्टी इस बार रामनवमी पर बिहार में पहली बार भाजपाई मुख्यमंत्री की शपथ करा ले। इसके लिए अंदर तैयारी है और बाहर माहौल बनाया जाने लगा है। खास बात यह भी है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चौंकाने वाले नाम-काम से अलग भाजपा अपनी राह खुद तैयार कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की प्लानिंग कभी भी सामने आ सकती है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भाजपा ने राज्यसभा जाने के लिए राजी कराया है, यह राज्य का बच्चा-बच्चा जानता है। लेकिन, अब यह भी लोग समझ रहे हैं कि मुख्यमंत्री भाजपा को संशय में डाल रहे हैं। इधर उन्होंने राज्यसभा का नामांकन किया और उधर समृद्धि यात्रा पर निकल गए। राज्यसभा चुनाव के दिन पटना में रहे, लेकिन वोटिंग के दौरान विधानसभा का रुख भी नहीं किया। और तो और, अगले दिन फिर समृद्धि यात्रा पर बिहार के लोगों से मिलने निकल गए। अलग-अलग जिले घूम रहे हैं। इस दौरान वह यह तो बता रहे हैं कि आगे की जिम्मेदारी कौन संभालेगा, लेकिन यह नहीं कह रहे हैं कि वह बिहार छोड़ने जा रहे हैं।

नीतीश कुमार अपने बेटे निशांत कुमार को मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, यह उन्होंने कभी नहीं कहा। निशांत के राजनीति में आने पर भी उन्होंने एक बार भी कुछ नहीं कहा। दूसरी तरफ नीतीश समर्थक निशांत के लिए डिप्टी सीएम की कुर्सी पर अड़े हैं। हालांकि, नीतीश कुमार लगातार अलग-अलग संकेत देकर भाजपा को ही संशय में डाल रहे। समृद्धि यात्रा में उन्होंने सबसे ज्यादा भाजपाई डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रख आगे की जिम्मेदारी संभालने की बात कही, जबकि भाजपा के अंदर से संघ-विद्यार्थी परिषद् बैकग्राउंड वाले किसी नेता को आगे करने की चर्चा निकल रही है। नीतीश ने सम्राट चौधरी को पसंद बताया है। लेकिन, वह इसके साथ ही बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी व लेसी सिंह के अलावा केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के कंधे पर भी इसी अंदाज में हाथ रख चुके हैं।

भाजपा की प्लानिंग अब आएगी सामने

चैत्र नवरात्र शुरू हो चुका है। पहले बात चल रही थी कि 15 मार्च से 14 अप्रैल तक खरमास के बीच नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण नहीं होगा। लेकिन, अब भाजपा की तैयारी नवरात्र में ही अपने पहले मुख्यमंत्री को शपथ दिलाने की है। बिहार भाजपा में नेताओं की चर्चा के दौरान अब भी रोज कई मुख्यमंत्री बन रहे हैं और हट रहे हैं, हालांकि नवरात्र का पहला दिन निकलते-निकलते यह कहा जा रहा है कि भाजपा के रणनीतिकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बिहार के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम चर्चा कर ली है। इसपर सर्व-सहमति की तैयारी की जा रही है। कहा जा रहा है कि रामनवमी या उसके अगले दिन नई सरकार का शपथ ग्रहण करा लिया जाएगा।

ममता का ऐलान- एससी-एसटी महिलाओं को हर महीने 1700 देंगे

बाकी को 1500 मिलेंगे, टीएमसी घोषणापत्र में पक्के घर, बेरोजगारों को सालाना 18 हजार का वादा

दिल्ली/तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी /कोलकाता/चेन्नई, 20 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। ममता ने लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं को हर महीने मिलने वाली सहायता राशि 500-500 रुपए बढ़ाने का वादा किया है।

मेनिफेस्टो को मुताबिक, अगर ममता की सरकार बनी तो बंगाल में जनरल कैटेगरी की महिलाओं को हर महीने 1500 मिलेंगे। अभी बंगाल सरकार जनरल कैटेगरी की महिलाओं को 1000 हर महीने देती है।

वहीं एससी/एसटी महिलाओं को 1700 प्रति माह दिया जाएगा। अभी एससी/एसटी महिलाओं को 1200 रुपए मिलते हैं। इसके अलावा ममता ने बेरोजगार युवाओं को 1500 प्रति माह देने का ऐलान किया है। हर परिवार को पक्का घर और हर घर में नल से पीने का साफ पानी पहुंचाने का वादा किया है।

विक्रमशिला सेतु के 3 पिलर्स की प्रोटेक्शन वॉल टूटी

4.7किमी लंबे पुल से रोजाना गुजरती हैं 25 हजार गाड़ियां, 8 साल से नहीं हुई मरम्मत

भागलपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। भागलपुर के विक्रमशिला सेतु पर खतरा मंडरा रहा है। गंगा नदी पर बने इस सेतु के पिलर संख्या 17, 18 और 19 की प्रोटेक्शन वॉल तेज बहाव की वजह से क्षतिग्रस्त हो गई है। एक पिलर की प्रोटेक्शन वॉल पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है।

प्रोटेक्शव वॉल क्षतिग्रस्त होने से सेतु के मुख्य ढांचे को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। समय रहते मरम्मत नहीं की गई तो स्थिति और भयावह हो सकती है।

इस सेतु का उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने साल 2001 में किया था। इस सेतु की लंबाई 4.7किमी है। रोजाना एक लाख से अधिक लोग इस पुल से गुजरते है। वहीं, प्रोटेक्शन वॉल क्षतिग्रस्त होने की सूचना डीएम मिली, इसके बाद वो जांच के आदेश दिए हैं।

एनसीईआरटी क्लास 8 की किताब में विवादित ज्यूडिशियरी चैप्टर बदलेगा

केंद्र ने बनाई 3 सदस्यीय कमेटी

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि एनसीईआरटी की क्लास 8 की किताब में न्यायपालिका से जुड़े चैप्टर को दोबारा लिखने के लिए 3 सदस्यों की स्पेशल कमेटी बनाई गई है।

इसमें पूर्व अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल, सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज इंदु मल्होत्रा और जस्टिस अनिरुद्ध बोस शामिल हैं। यह कदम उस विवाद के बाद उठाया गया, जिसमें किताब के एक हिस्से में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का जिक्र किया गया था।

इस पर सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद एनसीईआरटी ने गलती स्वीकार करते हुए उस चैप्टर को हटा लिया था।

कोर्ट ने पहले किताब की बिक्री पर रोक लगाई थी और संबंधित अधिकारियों से जवाब भी मांगा था।

अब केंद्र की तरफ से समिति गठन का आश्वासन मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में चल रही स्वतः संज्ञान (सुओ मोटू) कार्यवाही को खत्म कर दिया है।

पीएसीएल घोटाले में ईडी ने 5046 करोड़ की 126 संपत्तियां अटैच कीं

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीएसीएल लिमिटेड से जुड़े बड़े निवेश घोटाले में पंजाब और दिल्ली में 5046.91 करोड़ रुपए की 126 अचल संपत्तियां अटैच की हैं। एजेंसी के मुताबिक ये प्रॉपर्टी निवेशकों के पैसे से खरीदी गई थीं। अब तक ईडी कुल 22,656.91 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त कर चुकी है।

जांच में सामने आया कि कंपनी ने खेती की जमीन के नाम पर देशभर के लाखों लोगों से 48,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की। निवेशकों को झूठे दस्तावेजों पर साइन करवाए गए, लेकिन ज्यादातर मामलों में जमीन नहीं दी गई।

बड़ा हादसा टलाः बिहार से दिल्ली आ रही ट्रेन में लगी आग

जाम हो गए अमृत भारत एक्सप्रेस के ब्रेक, यात्री परेशान

बुलंदशहर, 20 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के खुर्जा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा होने से टल गया। अमृत भारत एक्सप्रेस के इंजन के पेंटो में अचानक आग लग गई, जिसको समय रहते ही शांत करा दिया गया। ऐसे में ट्रेन को खुर्जा जंक्शन पर लगभग चार घंटे तक रोका गया। ऐसे में कुछ यात्री पैसेंजर ट्रेनों की मदद से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। ट्रेन को अतिरिक्त इंजन की मदद से लूप लाइन पर लाया गया, जिससे अन्य ट्रेनों का समय प्रभावित नहीं हुआ। स्टेशन अधीक्षक घनश्याम मीना ने बताया कि ट्रेन संख्या 13697 अमृत भारत एक्सप्रेस गुरुवार को बिहार के गया से रवाना हुई थी और शुक्रवार को पुरानी दिल्ली स्टेशन पहुंचनी थी। अलीगढ़ जंक्शन के बाद से ट्रेन में कोई तकनीकी समस्या सामने आई। ऐसे में लोको पायलट ने इंजन में तकनीकी समस्या की सूचना खुर्जा जंक्शन रेलवे प्रबंधन को दी।

खुर्जा जंक्शन पर प्लेटफार्म नंबर एक से पहले ही ट्रेन को रोक दिया गया। तभी इंजन के पेंटो (रेलवे लाइन के ऊपर लगे बिजली के तारों से इंजन को जोड़ने या विद्युत प्रवाह देने वाला उपकरण) में शॉर्ट सर्किट के बाद आग लग गई थी, जिसको समय रहते हुए शांत कराया गया। इसके बाद इंजन बंद हो गया था तो ट्रेन को अतिरिक्त इंजन की मदद से लूप लाइन पर खड़ा किया गया, जिससे अन्य ट्रेनों का आवागमन बाधित नहीं हो। ट्रेन को जंक्शन पर लाया गया और टीएक्सआर की टीम पेंटो और अन्य पुर्जे ठीक करने में जुट गई।

वहीं ट्रेन सवार राजाराम झा ने बताया कि ट्रेन अचानक खुर्जा जंक्शन पर रोक दी गई थी। इस दौरान तेज बारिश भी थी, जिस कारण बाहर बाहर निकलना भी मुश्किल था। ऐसे में स्टेशन के बाहर जाकर दूसरे वाहन की व्यवस्था देखना भी मुश्किल था। दोपहर 12 बजे के बाद ट्रेन दिल्ली के लिए रवाना हुई। वहीं, यात्री राम सेवक पांडे ने बताया कि उनको नौ बजे तक दिल्ली पहुंचना था, लेकिन स्टेशन पर ही ज्यादा समय लग रहा था। जंक्शन पर पूछताछ केंद्र पर पूछा तो ईएमयू ट्रेन की जानकारी मिली, जिसमें बैठकर वह दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

यात्रियों ने बताया कि सुबह के वक्त खुर्जा जंक्शन से पुरानी दिल्ली जाने के लिए दो ईएमयू ट्रेन चलती हैं, जिस कारण यात्रियों को ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। अधिकांश यात्री अलीगढ़ व अन्य स्टेशन पर उतर गए थे तो ट्रेन में पहले से ही यात्री कम थे।

वहीं, खुर्जा जंक्शन पर सुबह साढ़े नौ बजे टूंडला से दिल्ली जाने वाली पैसेंजर ट्रेन और दस बजे हाथरस से दिल्ली जाने वाली पैसेंजर ट्रेन मिल गई थी, जिनमें कुछ यात्री बैठकर अपने गंतव्य पर रवाना हो गए।

दिल्ली दंगा में आरोपी शरजील इमाम तिहाड़ से बाहर आया

10 दिन की अंतरिम जमानत मिली, 6 साल से जेल में बंद है

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली दंगा (2020) मामले में आरोपी शरजील इमाम शुक्रवार दोपहर दिल्ली की तिहाड़ जेल से बाहर आए। 9 मार्च को दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने शरजील को बीमार मां से मिलने और भाई की शादी में शामिल होने के लिए 20 मार्च से 30 मार्च की अंतरिम जमानत मंजूर की थी। तिहाड़ से बहार निकलते ही शरजील खुश नजर आए। उन्होंने मीडिया से बात नहीं की। वे मोबाइल पर बात करते हुए कार की तरफ बढ़े। उनके परिवार के लोग भी मीडिया को रोकते हुए नजर आए।

गुजरात में गैस की किल्लत, प्रवासी मजदूर गांव लौट रहे

सूरत, 20 मार्च (एजेंसियां)। देश में एलपीजी गैस कि कमी से चलते गुजरात से अब प्रवासी मजदूरों का पलायन शुरू हो गया है। सूरत के रेलवे स्टेशनों पर बिहार और यूपी लौटने वाले लोगों की लाइनें लगी हैं। दरअसल, रसोई गैस की कमी के चलते राज्य में रेस्टोरेंट-ढाबा और दूसरे खाने-पीने के स्टॉल चलाने वालों का रोजगार ठप होने लगा है। इनके अलावा यूपी-बिहार के हजारों स्टूडेंट्स भी अपने घर लौट रहे हैं। लोगों ने बताया कि छोटे सिलेंडर के लिए पहले गैस 100 किलो मिलती थी, लेकिन अब 300-400 किलो मिल रही है। वहीं, घरेलू सिलेंडर के रेट 5 हजार पहुंच गए हैं। फ्लैट में चूल्हा जलाने पर मनाही है। ऐसे में हम लोगों के सामने भूखा मरने की नौबत आ गई है। टेक्सटाइल और डायमंड हब होने के चलते सूरत शहर में यूपी-बिहार में लाखों की संख्या में श्रमिक रहते हैं। ये लोग रोज कमाकर खाने वाले हैं और छोटे किराये के कमरों में रहते हैं।

इनमें से ज्यादातर लोगों के पास आधिकारिक गैस कनेक्शन नहीं होता है। इनके परिवार छोटे गैस सिलेंडर पर ही निर्भर हैं। लेकिन, अब गैस की कमी के चलते इनके चूल्हे नहीं जल पा रहे हैं। और लोग अपने गांव वापस लौट रहे हैं। बिहार के एक प्रवासी मजदूर ने कहा- जब से गैस की कमी शुरू हुई है, हमें खाने-पीने में दिक्कत हो रही है। गैस खत्म होने पर हमारे आस-पास के लोग हमारी हालत देखकर कभी-कभी हमें खाना दे देते हैं, लेकिन हम कब तक दूसरों पर निर्भर रह सकते हैं? वे एक-दो बार ही मदद कर सकते हैं, इससे ज्यादा नहीं। इसलिए हम गांव जा रहे हैं और वहां जाकर काम ढूंढेंगे। कंपनी के मालिकों का कहना है कि वे भी गैस का इंतजाम नहीं करवा पा रहे हैं।

ऊर्जा संकट के बीच अमेरिका का बड़ा कदम

रूसी तेल खरीद पर 30 दिन की नई छूट, कुछ देशों को रखा गया बाहर

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर दबाव के बीच अमेरिका ने रूसी मूल के कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री के लिए 30 दिन की नई जनरल लाइसेंस जारी की है।

नई छूट में क्या है खास?

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा जारी यह नई छूट 11 अप्रैल तक वैध रहेगी। इसके तहत उन रूसी तेल खेपों से जुड़े लेन-देन की अनुमति दी गई है, जो 12 मार्च तक टैंकरों में लोड हो चुकी हैं। यह नई लाइसेंस 12 मार्च को जारी पहले के आदेश की जगह लेती है। हालांकि, नई छूट में कुछ स्पष्ट प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। इसके तहत उत्तर कोरिया, क्यूबा और क्रीमिया से जुड़े किसी भी प्रकार के लेन-देन को बाहर रखा गया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है। इसे अमेरिकी प्रशासन की ओर से ऊर्जा कीमतों को स्थिर करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव ने क्या बताया?

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने भी संकेत दिया है कि ऊर्जा संकट को देखते हुए ईरानी तेल को लेकर भी स्थिति की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि समुद्र में मौजूद करीब 140 मिलियन बैरल ईरानी तेल, जो लगभग 10 से 14 दिनों की आपूर्ति के बराबर है को बाजार में लाया जा सकता है। बेसेंट ने यह भी कहा कि अमेरिका के पास वैश्विक कीमतों को प्रभावित करने के कई विकल्प हैं और जरूरत पड़ने पर घरेलू भंडार का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

पश्चिम एशिया में जंग जारी

इस बीच, पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। इस्राइल की ओर से ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले के बाद ईरान ने कतर के एलएनजी ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है, जिससे वैश्विक आपूर्ति को लेकर चिंताएं गहरा गई हैं। स्थिति पहले ही गंभीर हो चुकी थी, जब ईरानी ड्रोन हमलों के बाद कतर ने 2 मार्च को रास लाफान और मेसाईद इंडस्ट्रियल सिटी में एलएनजी उत्पादन रोक दिया था। कतर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी निर्यातक है और वैश्विक आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा देता है। इन घटनाओं के असर से ब्रेंट क्रूड और प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे आयात पर निर्भर देशों पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 326 अंक चढ़ा, निफ्टी 23100 के पार

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। ईंधन की कीमतों में और अधिक वृद्धि की आशंकाओं के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, आईटी और धातु शेयरों में जोरदार खरीदारी के चलते शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82 पैसे गिरकर 93.71 पर बंद हुआ।

एक और उतार-चढ़ाव भरे सत्र में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 325.72 अंक या 0.44 प्रतिशत चढ़कर 74,532.96 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 1,079.15 अंक या 1.45 प्रतिशत बढ़कर 75,286.39 पर पहुंच गया था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.35 अंक या 0.49 प्रतिशत बढ़कर 23,114.50 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 343 अंक या 1.49 प्रतिशत की उछाल आई और यह 23,345.15 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाइटन, एनटीपीसी और सन फार्मा प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। एचडीएफसी बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक पिछड़ने वालों में शामिल थे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि संघर्ष को कम करने और तेल व गैस अवसंरचना पर हमलों से बचने के उद्देश्य से की गई सकारात्मक टिप्पणियों के कारण दिन के दौरान मामूली सुधार देखने को मिला। हालांकि, निवेशकों का भरोसा अभी भी कमजोर बना हुआ है, और युद्ध संबंधी अनिश्चितताओं के बीच सप्ताहांत में हिस्सेदारी बनाए रखने के प्रति प्रतिभागियों की अनिच्छा के कारण लाभ में कमी आई है। अनुसंधान विश्लेषक और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों में राहत से प्रेरित उछाल देखने को मिला, जो मुख्य रूप से पिछले सत्रों में मंदी की स्थिति में तेजी से वृद्धि के बाद शॉर्ट-कवरिंग से प्रेरित था।

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ समाप्त हुए। जापान में छुट्टी के कारण बाजार बंद रहे। यूरोप के शेयर बाजारों में तेजी देखी गई। अमेरिकी बाजार गुरुवार को नकारात्मक स्तर पर बंद हुआ।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 110.7 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 1.88 प्रतिशत की उछाल आई और यह 110.7 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 7,558.19 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,863.96 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

गुरुवार को सेंसेक्स 2,496.89 अंक या 3.26 प्रतिशत गिरकर 74,207.24 पर बंद हुआ। जून 2024 के बाद यह एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट थी। वहीं निफ्टी 775.65 अंक या 3.26 प्रतिशत गिरकर 23,002.15 पर समाप्त हुआ।

जोमैटो से खाना मंगवाना महंगा हुआ

प्लेटफॉर्म फीस 19% बढ़ाई, हर ऑर्डर पर 12.50 के बजाय अब 14.90 देने होंगे

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना ऑर्डर करना अब महंगा हो गया है। कंपनी ने शुक्रवार से ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस में 19% बढ़ोतरी की है। यूजर्स को हर ऑर्डर पर 12.50 के बजाय अब 14.90 यानी 2.40 ज्यादा प्लेटफॉर्म फीस देनी होगी। जीएसटी जोड़ने के बाद यह राशि और बढ़ जाएगी। प्लेटफॉर्म फीस हर एक फूड ऑर्डर पर लागू होने वाला ऐडिशनल चार्ज हैं। ये जीएसटी, रेस्तरां चार्ज और डिलीवरी फीस से अलग है। बता दें कि जोमैटो प्लेटफॉर्म रोजाना 20 से 25 लाख ऑर्डर डिलीवर करता है।

जोमैटो की मुख्य प्रतिद्वंदी कंपनी स्विगी अभी टैक्स समेत लगभग 14.99 प्लेटफॉर्म फीस वसूल रही है। आमतौर पर देखा गया है कि जब भी इन दोनों में से कोई एक कंपनी फीस बढ़ाती है, तो दूसरी कंपनी भी जल्द ही अपने दाम बढ़ा देती है।

जोमैटो ने 2 रुपए से की थी प्लेटफॉर्म फीस की शुरुआत

कंपनी ने 7 महीने में दूसरी बार प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई है। इससे पहले सितंबर-2025 में 20% का इजाफा किया गया था। अगस्त 2023 में जोमैटो ने अपना मार्जिन बढ़ाने और प्रॉफिटेबल बनने के लिए पहली बार 2 रुपए का प्लेटफॉर्म शुल्क शुरू किया था। कंपनी ने बाद में इसे बढ़ाकर 3 रुपए कर दिया और 1 जनवरी 2024 को 4 रुपए कर दिया। फिर इसे धीरे-धारी बढ़ाकर 7 रुपए कर दिया था। दामों में इस बढ़ोतरी के पीछे कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को एक बड़ी वजह माना जा रहा है। तेल महंगा होने से डिलीवरी पार्टनर्स का खर्च बढ़ता है और कंपनी के लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन्स पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा, जोमैटो अपनी प्रॉफिटेबिलिटी (मुनाफा) सुधारने के लिए भी समय-समय पर प्लेटफॉर्म फीस में बदलाव करती रहती है।

दीपिंदर ने 2008 में बनाई थी फूडीबे

दीपिंदर गोयल और पंकज चड्ढा ने मिलकर साल 2008 में फूडीबे नाम से अपनी फूड डायरेक्टरी वेबसाइट लॉन्च की थी। केवल नौ महीनों में, फूडीबे दिल्ली एनसीआर में सबसे बड़ी रेस्टोरेंट डायरेक्टरी बन गई। दो साल के बाद 2010 में, कंपनी का नाम बदलकर जोमैटो कर दिया गया। दिल्ली-एनसीआर में अपनी सफलता के तुरंत बाद कंपनी ने पुणे, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद जैसे शहरों में ब्रांच फैलानी शुरू कर दी। 2012 तक जोमैटो ने श्रीलंका, यूएई, कतर, दक्षिण अफ्रीका, यूके और फिलीपींस में अपनी सर्विसेज बढ़ाकर विदेशों में विस्तार करना शुरू कर दिया था।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मीन	मे	मीन....	06-03 बजे
चंद्र	मेष	मे	मेष.....	07-40 बजे
मंगल	कुंभ	मे	वृष....	09-24 बजे
बुध	कुंभ	मे	मिथुन..	11-25 बजे
गुरु	मिथुन	मे	कर्क...	13-37 बजे
शुक्र	मीन	मे	सिंह---	15-49 बजे
शनि	मीन	मे	कन्या--	17-56 बजे
राहु	कुंभ	मे	तुला----	20-01 बजे
केतु	सिंह	मे	वृश्चिक..	22-11 बजे
			धनु.....	00-24 बजे
			मकर...	02-31 बजे
			कुंभ....	04-21 बजे

श्री रौद्र नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-24 सूर्यास्त. 18 -23
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष शनिवार 21 March 2026
तिथि - तृतीया 23-55 रात्री तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - अश्विनी 00-36 रात्री तक उप भरणी
योग - ऐन्द्र 19-00 तक रात्री उप वैधृति
करण - तैतिल 13-14 तक उप गर
गणगौरी तीज नवरात्रि
गौरी तृतीय मत्स्य जयंती

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-22 से 10-53 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
काल	06-24 - 07-51	अशुभ
शुभ	07-51 - 09-22	शुभ
रोग।।	09-22 - 10-53	अशुभ
उत्पात	10-53 - 12-23	अशुभ
चंचल	12-23 - 13-54	शुभ
लाभ	13-54 - 15-25	शुभ
अमृत	15-25 - 16-55	शुभ
काल	16-55 - 18-23	अशुभ

रात का चौघड़िया		
लाभ	18-23 - 19-55	शुभ
उत्पात	19-55 - 21-25	अशुभ
शुभ	21-25 - 22-54	शुभ
अमृत	22-54_ - 00-23	शुभ
चंचल	00-23 - 01-52	शुभ
रोग	01-52 - 03-22	अशुभ
काल	03-22 - 04-51	अशुभ
लाभ	04-51 - 06-24	शुभ

कभी चीन तो कभी चिली, इस 'खजाने' के लिए भागा-भागा फिर रहा अमेरिका

नई दिल्ली,20 मार्च(एजेंसियां)। क्रिटिकल मिनरल्स ... ऐसे दुर्लभ खनिज जिनकी दुनिया के हर बड़े देश को जरूरत है। लेकिन यह सिर्फ गिने-चुने देशों में ही मिलते हैं। ये मिनरल्स किसी खजाने से कम नहीं हैं। इनका इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक चीजों से लेकर, ईवी, रॉकेट और फाइटर जेट तक बनाने में होता है। भारत के साथ अमेरिका को भी इसकी काफी जरूरत पड़ती है। अमेरिका भी इसके लिए आयात पर काफी निर्भर है। इसे एक्सपोर्ट करने में चीन पहले स्थान पर है। लेकिन समय-समय पर चीन इसके एक्सपोर्ट को रोकता रहता है। अब इसकी सप्लाई के लिए अमेरिका ने चिली का रुख किया है। एक तरफ जहां दुनिया ईरान-इजरायल युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की कमी का सामना कर रही है, वहीं अमेरिका चुपचाप क्रिटिकल मिनरल्स का खजाना बढ़ाने पर लगा है। ऑयलप्राइसडॉटकॉम के मुताबिक चीन से बात पूरी तरह न बनने पर अमेरिका अब चिली के साथ महत्वपूर्ण खनिज रेनियम की सप्लाई के लिए समझौते पर बातचीत कर रहा है।

चिली का कितना दबदबा?

चिली दुनिया का सबसे बड़ा रेनियम उत्पादक है। वैश्विक सप्लाई का करीब 50% हिस्सा चिली के कंट्रोल में है। चूंकि रेनियम मुख्य रूप से तांबा (कॉपर) माइनिंग का बाय-प्रोडक्ट है और चिली कॉपर प्रोडक्शन में भी नंबर-1 है, इसलिए उसकी भूमिका और मजबूत हो जाती है।क्रिटिकल मिनरल्स के लिए अमेरिका कभी चीन तो कभी ऑस्ट्रेलिया की ओर रुख कर रहा है। पिछले साल अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 3 अरब डॉलर से ज्यादा का समझौता किया था, जिससे लिथियम, कोबाल्ट, निकेल और अन्य खनिजों की आपूर्ति बढ़ाई जा सके। ट्रंप प्रशासन में अमेरिका के चीन के साथ रिश्ते बहुत अच्छे नहीं रहे हैं। अमेरिका ने चीन पर जबरदस्त टैरिफ लगाया था, जिसका जवाब अमेरिका ने क्रिटिकल मिनरल्स के एक्सपोर्ट को रोककर दिया था। अब अमेरिका चिली के साथ समझौता करने जा रहा है।

चीन से मुकाबले की तैयारी

चीन पर निर्भरता कम करने के लिए अमेरिका लगातार नए कदम उठा रहा है। अमेरिका और यूरोप लंबे समय से चीन पर क्रिटिकल मिनरल्स और उनके प्रोसेसिंग के लिए निर्भर रहे हैं। इसी को देखते हुए अमेरिका तेजी से सप्लाई चेन को डाइवर्सिफाई करने में जुटा है।भारत भी क्रिटिकल मिनरल्स यानी रेयर अर्थ के भंडार में लगा हुआ है। रेयर अर्थ मैग्नेट बनाने में भारत अपने प्रोत्साहन कार्यक्रम (इंसेंटिव प्रोग्राम) को लगभग तीन गुना करने की तैयारी कर रहा है। यह राशि 7000 करोड़ रुपये (करीब 788 मिलियन डॉलर) से ज्यादा है। वहीं आयात पर निर्भरता कम करने के अलावा सरकार मैग्नेट-लेस मोटर (बिना मैग्नेट वाली मोटर) पर रिसर्च को भी बढ़ावा देने पर विचार कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2026 को अपने केंद्रीय बजट 2026-27 के भाषण में चार खनिज-समृद्ध राज्यों (ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु) में डेडिकेटेड रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने की घोषणा की थी। यह कदम चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के वैश्विक प्रयास के अनुरूप है।

फ्लिपकार्ट ग्रुप के सीएफओ श्रीराम वेंकटरमन ने पद छोड़ा निशांत वर्मन वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। ई-कॉमर्स प्रमुख फ्लिपकार्ट ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसके ग्रुप मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) श्रीराम वेंकटरमन अपने पद से हट रहे हैं। वेंकटरमन कंपनी में सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए कुछ समय तक बने रहेंगे। इस अंतरिम अवधि के दौरान, फ्लिपकार्ट के सीएफओ रवि अय्यर संगठन में वित्तीय विभाग की देखरेख करेंगे। वॉलमार्ट समर्थिक इस कंपनी ने वेंकटरमन के शीर्ष-स्तरीय बदलाव के साथ ही निशांत वर्मन को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कॉरपोरेट विकास और साझेदारी के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है। वर्मन एक उद्यमी के रूप में अपना एक क्रॉस-बॉर्डर निर्यात मंच शुरू करने के बाद फ्लिपकार्ट में लौट रहे हैं। उन्होंने पहले माइक्रोसॉफ्ट की कॉरपोरेट विकास टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पहली बार रुपया 93 पार, डॉलर की मजबूती ने बढ़ाई टेंशन

आरबीआई ने बाजार में झोंके 100 अरब डालर

नई दिल्ली,20 मार्च(एजेंसियां)। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को अब तक के सबसे निचले स्तर 93.12 पर पहुंच गया है। यह पहली बार है जब अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले घरेलू मुद्रा 93 के स्तर के पार निकल गई है। डॉलर के मुकाबले रुपये का मूल्य 0.55 फीसदी गिर गया। बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 92.63 पर बंद हुआ था। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में ईरान-अमेरिका/इजरायल के बीच युद्ध होने के बाद से घरेलू मुद्रा पर दबाव बना हुआ है।

तब से रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले करीब 2 फीसदी लुढ़क चुका है। एक्सपर्ट्स के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपया 92.80 के स्तर से ऊपर कारोबार कर रहा है, जो कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक जोखिम से बचने के ट्रेंड के बीच रुपये पर लगातार दबाव का संकेत देता है।

रुपये में गिरावट के 3 बड़े कारण

कच्चे तेल में उछाल

मिडिल ईस्ट संकट के कारण तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे भारत का आयात बिल बढ़ गया है।

हालांकि शुक्रवार को इसमें कुछ गिरावट आई।

विदेशी फंड्स की निकासी

अमेरिकी टैरिफ बढ़ने की आशंका के चलते विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। गुरुवार को विदेशी निवेशकों ने 7,558 करोड़ रुपये की बिकवाली की।

डॉलर की मजबूती

वैश्विक स्तर पर डॉलर इंडेक्स में मजबूती से उभरती अर्थव्यवस्थाओं की करेंसी दबाव में हैं। इस कारण भी रुपये में गिरावट बनी हुई है।

आम आदमी पर क्या होगा असर?

डॉलर महंगा होने से विदेश यात्रा और वहां की शिक्षा का खर्च बढ़ जाएगा। आयात महंगा हो जाएगा। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स, तेल और अन्य विदेशी सामानों की कीमतें बढ़ सकती हैं।

रिजर्व बैंक ने झोंके 100 अरब डॉलर

रुपये को गिरने से बचाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने सबसे बड़े हथियार 'फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स' का इस्तेमाल तेज कर दिया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार रिजर्व बैंक की फॉरवर्ड मार्केट में डॉलर बेचने की पोजीशन अब 100 अरब डॉलर के करीब पहुंच गई है।

जनवरी में यह आंकड़ा 67.8 अरब डॉलर और फरवरी में 88.8 अरब डॉलर था।

रिजर्व बैंक मुख्य रूप से नॉन-डिलीवरेबल फॉरवर्ड्स और घरेलू बाय-सेल स्वैप के जरिए दखल दे रहा है ताकि विदेशी मुद्रा भंडार को तुरंत खर्च किए बिना रुपये को सहारा दिया जा सके।

सोना 549 सस्ता, 1.47 लाख पर आया

चांदी 3,727 बढ़कर 2.34 लाख पर पहुंची, ईरान जंग का असर

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। सोने की कीमत में आज 20 मार्च को मामूली गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 549 रुपए घटकर 1.47 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 3,727 रुपए बढ़कर 2.34 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 2.30 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 8 दिन में 12,963 और चांदी 34,701 सस्ती हुई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 28,781 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 50 दिन में चांदी 1.52 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
अपने प्रति ईमानदार रहें क्योकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे । केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें । आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
खुशियाँ मनाने का समय है । आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है । आपको अपने स्वास्थ्य सम्बन्धी कई जांचें करानी पड़ सकती हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी । कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी । आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे । दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगे । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है । बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा । जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं । जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे । साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है । अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ऊर्जा क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव: विद्युत क्षमता 520.51 गीगावाट, देश में मात्र 0.03 फीसदी रह गई बिजली की किल्लत

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। देश के ऊर्जा क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव हुआ है। जनवरी, 2026 तक भारत की स्थापित विद्युत क्षमता 520.51 गीगावाट तक पहुंच गई है। साथ ही, बिजली की कमी वित्त वर्ष 2014 के 4.2 फीसदी से घटकर दिसंबर, 2025 तक मात्र 0.03 फीसदी रह गई, जो आपूर्ति की पर्याप्तता में एक महत्वपूर्ण सुधार को दर्शाता है। 1.85 लाख करोड़ के निवेश से 18,374 गांवों का विद्युतीकरण और 2.86 करोड़ घरों को बिजली कनेक्शन देना संभव हुआ। स्मार्ट मीटर लगाने से कार्यक्षमता और पारदर्शिता बढ़ी है। वहीं, नवीकरणीय ऊर्जा खासकर सौर ऊर्जा में तेजी से हुई बढ़ोतरी ने नवीकरणीय स्रोतों को बिजली मांग का रिकॉर्ड हिस्सा पूरा करने में सक्षम बनाया है, जिससे ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए विश्वसनीय, किफायती और सार्वभौमिक बिजली उपलब्धता सुनिश्चित करना एक तकनीकी चुनौती एवं गवर्नेंस की उपलब्धि, दोनों है। आपूर्ति की औसत लागत (एसीएस) व प्राप्त औसत राजस्व (एआरआर) के बीच का अंतर वित्त वर्ष 2025 में 0.78 रुपये प्रति यूनिट से तेजी से घटकर 0.06 रुपये प्रति यूनिट रह गया है।

2025-26 के दौरान (31 जनवरी, 2026 तक) सभी स्रोतों से रिकॉर्ड 52,537 मेगावाट की उत्पादन क्षमता जोड़ी गई है। इसमें से 39,657 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त हुई, जिसमें 34,955 मेगावाट सौर ऊर्जा और 4,613 मेगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। यह एक ही वर्ष में अब तक की सबसे अधिक क्षमता वृद्धि है। इसने 2024-25 में हासिल किए गए 34,054 मेगावाट के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। यह वृद्धि देश की कुल स्थापित क्षमता में 11 फीसदी से अधिक बढ़ोतरी को दर्शाती है।

एक दशक पहले, बिजली की कमी आर्थिक गतिविधियों और दैनिक जीवन के लिए बाधा बनी हुई थी, लेकिन 2025-26 में भारत ने सफलतापूर्वक 242.49 गीगावाट बिजली की पीक मांग को पूरा किया। डीजल जनरेटर और पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता घटी है, जिससे लागत में कमी आई है।ग्रामीण भारत में औसत दैनिक आपूर्ति वित्त वर्ष 2014 के 12.5 घंटे से

बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 22.6 घंटे हो गई। शहरी क्षेत्रों में आपूर्ति 22.1 घंटे से बढ़कर 23.4 घंटे हो गई। भारत में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत भी 2024-25 में बढ़कर 1,460 किलोवाट-घंटा हो गई, जो 2013-14 के 957 किलोवाट-घंटा की तुलना में 503 किलोवाट-घंटा अधिक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश करने के लिए बृहस्पतिवार को आमंत्रित किया और उनसे भारत में निर्माण, निवेश, नवाचार एवं विस्तार करने का आग्रह किया। भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट-2026 में केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल ने मोदी का लिखित संदेश पढ़ा, जिसमें पीएम ने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। पीएम मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन सार्थक संवाद एवं स्थायी साझेदारियों को बढ़ावा देगा, जो भारत की वृद्धि को ऊर्जा प्रदान करेंगी। इस सम्मेलन का उद्देश्य पूरे बिजली और ऊर्जा तंत्र को एक मंच पर लाना है, ताकि विकास और जीवन स्तर सुधार के लिए साझा मार्ग तैयार किया जा सके। यह विकास को ऊर्जा प्रदान करने एवं स्थिरता लाने, वैश्विक स्तर पर जुड़ने व 2047 तक विकसित भारत बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के हमारे साझा संकल्प को दर्शाता है।

शांति अधिनियम-2025 परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में नए अवसर खोलता है, जबकि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना विकेंद्रीकृत उत्पादन एवं टिकाऊ खपत को बढ़ावा दे रही है। वितरण सुधार एवं दक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जिससे वित्तीय स्थिति सुधारने में मदद मिली है। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्रीपीएम ने कहा कि 50 फीसदी से अधिक गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता पहले ही हासिल की जा चुकी है और 2030 तक 500 गीगावाट का स्पष्ट लक्ष्य है।

राजस्थान में पेयजल संकट से निपटने का 'मास्टर प्लान' तैयार

> भजनलाल सरकार ने बजट जारी कर छुट्टियां रद्द की

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की झुलसाने वाली गर्मी ने अभी दस्तक दी ही है कि राज्य सरकार ने प्यास बुझाने के लिए अपनी 'फौज' को मैदान में उतार दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रीष्म ऋतु-2026 के दौरान प्रदेशभर में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जलदाय विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी हैं। अब विभाग का हर सिपाही केवल जनता को पानी पहुंचाने के मिशन पर तैनात रहेगा।

कंट्रोल रूम से होगी सीधी निगरानी
सरकार ने पेयजल संकट की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए राज्य स्तर से लेकर हर जिले में 24x7 कंट्रोल रूम स्थापित कर दिए हैं। मुख्यमंत्री का साफ निर्देश है कि पानी की किल्लत की शिकायत मिलते ही उसका समाधान युद्ध स्तर पर होना चाहिए। इसके लिए फील्ड अधिकारियों की मौके पर उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। अब केवल अति-आवश्यक परिस्थितियों में ही उच्च स्तर की अनुमति से अवकाश मिल सकेगा।

210 करोड़ का 'हाइड्रेशन' बजट
प्रदेश के 41 जिलों में पानी की पाइपलाइन और सप्लाई चैन को मजबूत करने के लिए सरकार ने तिजोरी खोल दी है।

श्रमिकों और वाहनों की 'बटालियन' तैनात
निगरानी और सुधार कार्यों में देरी न हो, इसके लिए सरकार ने मार्च से जुलाई तक के लिए अतिरिक्त श्रम शक्ति और वाहनों को मंजूरी दी है।

हर जिले को मिली 'इमरजेंसी पॉवर'
आपातकालीन पेयजल कार्यों के लिए सरकार ने विकेंद्रीकरण की नीति अपनाई है। प्रत्येक जिले को 1-1 करोड़ रुपए खर्च करने की सीधी अनुमति दी गई है।

कलेक्टर की अनुशंसा पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता तत्काल मरम्मत या वैकल्पिक व्यवस्था करा सकेंगे। साथ ही, जल जीवन मिशन के तहत बनी नई योजनाओं के संचालन के लिए हर जिले को 25-25 लाख रुपए अलग से दिए गए हैं ताकि ग्रामीण इलाकों में नल से जल की सप्लाई बाधित न हो। भजनलाल सरकार का यह आक्रामक रुख साफ करता है कि इस बार 'पानी पर राजनीति' नहीं, बल्कि 'पानी की आपूर्ति' प्राथमिकता है।

कांग्रेस ने जताया राजस्थान पर भरोसा

पांच राज्यों के चुनाव में सचिन पायलट सहित 3 नेताओं को मिली बड़ी जिम्मेदारी

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। देश के पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए शंखनाद हो चुका है और इस सियासी दंगल में राजस्थान के तीन दिग्गज नेताओं को कांग्रेस आलाकमान ने 'मिशन इम्पॉसिबल' को मुमकिन बनाने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट, भंवर जितेंद्र सिंह और राज्यसभा सांसद नीरज डांगी अब दिल्ली और जयपुर के बजाय चुनावी राज्यों की गलियों में पार्टी की किस्मत चमकाते नजर आएंगे। राजस्थान के नेता सचिन पायलट को दक्षिण भारत के दुर्ग केरल को फतह करने के लिए सीनियर ऑब्जर्वर बनाया गया है। केरल में कांग्रेस पिछले दो कार्यकालों से सत्ता से बाहर है। पायलट के कंधों पर न केवल चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी है, बल्कि युवाओं को पार्टी से जोड़ने और गुटबाजी खत्म कर 'यूनाइटेड फ्रंट' पेश करने की चुनौती भी है।

टोंक की मस्जिद में इमाम ने हकीम को जिंदा जलाया

> बाथरूम में बंद कर क्यों रची साजिश

टोंक, 20 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक जिले से एक ऐसी रूहकपा देने वाली घटना सामने आई है जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। डिग्गी मालपुरा के कलमंडा गांव में एक मस्जिद के इमाम ने मामूली कहासुनी के बाद नमाज पढ़ने आए एक मजदूर को टॉयलेट में पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जला दिया। गंभीर रूप से झुलसे मजदूर ने जयपुर के एसएमएस अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी इमाम गांव की ही एक बाइक चुराकर फरार हो गया है।

साजिश के तहत 'बाथरूम' में लगाई आग
गुरुवार, 19 मार्च की सुबह करीब 9 बजे हकीम पिंजारा रोज की तरह मस्जिद में इबादत और कुरान पढ़ने गए थे। परिजनों का आरोप है कि इमाम ने पहले से ही मस्जिद में दो लीटर पेट्रोल लाकर छिपा रखा था। जैसे ही हकीम टॉयलेट गए, आरोपी इमाम ने दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और ऊपर से पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। हकीम की चीखें सुनकर जब तक ग्रामीण वहां पहुंचे, वे बुरी तरह झुलस चुके थे।

क्या है विवाद की वजह?
इस खौफनाक वारदात की शुरुआत बुधवार 18 मार्च को हुई। चश्मदीदों के अनुसार, मस्जिद का इमाम हाफिज अब्दुल रशीद बचा हुआ खाना डस्टबिन में फेंक रहा था। वहीं मौजूद मजदूर हकीम पिंजारा ने उसे टोकते हुए कहा कि खाने की बर्बादी न करें, इसे फेंकने के बजाय जानवरों को खिला दें। इतनी सी बात पर इमाम भड़क गया और दोनों के बीच तीखी बहस हुई। हालांकि, ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया था, लेकिन इमाम के मन में बदले की आग सुलग रही थी। हकीम को तुरंत स्थानीय अस्पताल और फिर जयपुर रेफर किया गया, लेकिन गुरुवार देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया।

नीरजा मोदी स्कूल मामले में हाईकोर्ट से राहत

मान्यता निरस्त करने के आदेश पर अंतरिम रोक

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर स्थित नीरजा मोदी स्कूल की 11वीं-12वीं कक्षाओं की मान्यता निरस्त करने के केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति गणेश राम मीणा की अदालत ने यह राहत विद्यालय की याचिका पर सुनवाई करते हुए दी।

न्यायालय ने कहा कि इस मामले में विद्यार्थियों की कोई गलती नहीं है, लेकिन सबसे अधिक प्रभाव उन्हीं पर पड़ेगा। इसलिए संतुलन बनाए रखते हुए अंतरिम राहत देना आवश्यक है। अदालत ने विद्यालय को निर्देश दिए हैं कि वह सीबीएसई द्वारा लगाया गया 5 लाख रुपए का अर्थदंड 10 दिन में जमा कराए और एक महीने के भीतर बताई गई कमियों को दूर करे। साथ ही, सीबीएसई को 45 दिन बाद विद्यालय का पुनः निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा गया है। सुनवाई के दौरान न्याय मित्र अधिवक्ता एस.एस. होरा ने कहा कि एक छात्रा के साथ हुई घटना के बाद विद्यालय की मान्यता से जुड़े नियमों में त्रुटियां सामने आई हैं, जिन पर दंडात्मक कार्रवाई आवश्यक है। वहीं, सीबीएसई की ओर से अधिवक्ता एस. राघव ने बताया कि कार्रवाई से पहले विद्यालय को कारण बताओ नोटिस दिया गया था और नियमों का उल्लंघन पाया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों को अन्य विद्यालयों में स्थानांतरित किया जा सकता है। विद्यालय की ओर से कहा गया कि वह इस पूरे प्रकरण में सीधे तौर पर दोषी नहीं है। 1 नवंबर 2025 को हुई घटना में एक शिक्षक की गलती सामने आई थी, जिसे सेवा से पृथक कर दिया गया है।

लग्जरी कारों में 'सरकार', लेकिन सारथियों की जिंदगी बेपटरी

> सरकारी विभागों के चालकों का छलका दर्द

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में एक ओर सरकार और उच्च अधिकारियों के काफिले में करोड़ों की लग्जरी गाड़ियां शामिल हो रही हैं, वहीं इन गाड़ियों को चलाने वाले सरकारी चालक बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं। स्टेट मोटर गैराज और अन्य विभागों में कार्यरत ये चालक वर्षों से पदोन्नति, वेतनमान और सुरक्षा सुविधाओं के अभाव में काम कर रहे हैं।

सरकार द्वारा मूवमेंट के लिए 30 से 40 लाख रुपये तक की फॉर्च्यूनर और इनोवा जैसी महंगी गाड़ियां खरीदी जा रही हैं, लेकिन इन वाहनों को चलाने वाले चालकों की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। विभागों में पदोन्नति के अवसर लगभग खत्म हो चुके हैं, जिसके चलते 50 से 55 वर्ष की उम्र पार कर चुके चालक भी मजबूरी में ड्यूटी कर रहे हैं। ढलती उम्र और कमजोर होती नजर के बावजूद ये चालक लगातार हाई-प्रोफाइल जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, जो न केवल उनके लिए बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी चिंताजनक है। 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने वाले इन कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारी के अनुरूप न तो उचित वेतन मिल रहा है और न ही हार्ड ड्यूटी भत्ता, मैस भत्ता या बीमा सुरक्षा जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अखिल राजस्थान राज्य वाहन चालक एवं तकनीकी कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष अजयवीर सिंह ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि "लाखों की लग्जरी कारों में बैठने वाली सरकार को चालकों का दर्द दिखाई नहीं दे रहा है। एक तरफ महंगी गाड़ियों पर खर्च बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ चालक वर्षों से सम्मानजनक वेतन और पदोन्नति के लिए संघर्ष कर रहे हैं।" उन्होंने मांग की कि चालकों के लिए प्रमोशन का स्पष्ट ढांचा तैयार किया जाए, एमटीओ और सुपरवाइजर जैसे पद सृजित किए जाएं तथा अनिवार्य बीमा योजना लागू की जाए। साथ ही 55 वर्ष की आयु के बाद चालकों के कार्य की प्रकृति बदलने की व्यवस्था भी की जाए।

1100 साल पुराना कैलादेवी शक्तिपीठ नवरात्रि में उमड़ता है जनसैलाब

करौली, 20 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में शामिल कैलादेवी धाम करौली जिला मुख्यालय से करीब 23 किलोमीटर दूर त्रिकूट पर्वत पर स्थित है। यह मंदिर देशभर के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है, जहां सालभर भक्तों का आना-जाना लगा रहता है। इतिहासकार वेणु गोपाल शर्मा के अनुसार कैलादेवी माता की मूर्ति की स्थापना वर्ष 1114 ई. में महात्मा केदार गिरि ने की थी। इसके बाद 1116 ई. में खींची राजा मुकुंद दास ने मंदिर का निर्माण कराया, जबकि 1153 ई. में रघुनाथ दास खींची ने इसका विस्तार किया। बाद में 1753 में राजा गोपाल सिंह ने मंदिर को भव्य स्वरूप दिया। करौली राजघराने ने माता को कुलदेवी के रूप में स्थापित किया, जिसके बाद से मंदिर का महत्व लगातार बढ़ता गया। अरावली पर्वतमाला के बीच स्थित इस धाम में माता कैलादेवी के साथ मां चामुंडा की प्रतिमा भी विराजमान है। मंदिर परिसर आज विशाल और भव्य स्वरूप में विकसित हो चुका है। कैलादेवी धाम में साल में दो बार मेला लगता है। चैत्र नवरात्रि के दौरान यहां लख्खी मेला भरता है, जो करीब 20 दिन तक चलता है।

फर्जी पुलिस बनकर डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाया

> रिटायर्ड डॉक्टर से 34 लाख की ठगी, 4 आरोपी गिरफ्तार

नागौर, 20 मार्च (एजेंसियां)। जिले में साइबर अपराध का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक रिटायर्ड डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर शातिर ठगों ने 34 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर डॉक्टर को ह्यूमन ट्रैफिकिंग और महिलाओं के साथ अश्लीलता जैसे गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी दी। वीडियो कॉल पर नकली गिरफ्तारी का नाटक रचकर डॉक्टर को इतना डरा दिया गया कि उन्होंने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट तोड़कर एक ही दिन में पूरी रकम ट्रांसफर कर दी।

ठगी के लिए आरोपियों ने बेहद सुनियोजित तरीका अपनाया। आरएन रिक्वायरमेंट नाम की फर्जी फर्म के जरिए बैंक खाता खुलवाया गया और उसी खाते में पूरी रकम मंगवाई गई। रकम ट्रांसफर होते ही आरोपी फरार हो गए। मामले की शिकायत मिलते ही नागौर साइबर थाना सक्रिय हुआ। उपअधीक्षक धर्म पूनिया के नेतृत्व में टीम गठित कर दिल्ली के बृजपुरी, करावल नगर और दयालपुर क्षेत्रों में लगातार 15 दिन तक रैकी और निगरानी की गई। तकनीकी साक्ष्यों और लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर आखिरकार चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में इमरान, विवेक कुमार, सलमान और योगेन्द्र शामिल हैं, जो दिल्ली के विभिन्न इलाकों के निवासी हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि ये लोग बैंक खाते खुलवाकर साइबर गैंग को उपलब्ध करवाते थे और कमीशन के बदले खातों का दुरुपयोग करवाते थे।

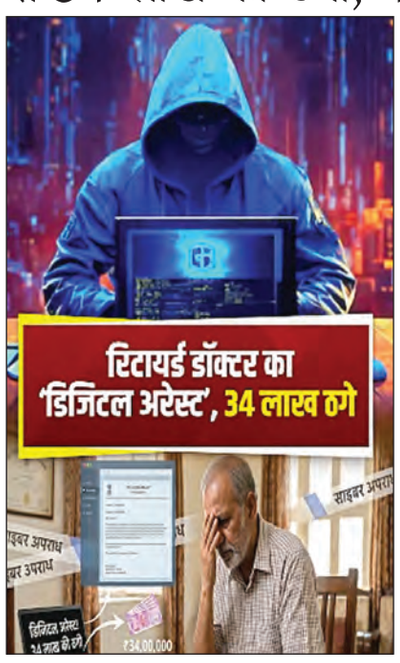

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 5.54 लाख रुपये की राशि होल्ड करवा दी है, जबकि शेष रकम की रिकवरी के प्रयास जारी हैं। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक रोशनलाल मीणा ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अज्ञात कॉल या डिजिटल अरेस्ट जैसी धमकी से घबराएं नहीं और तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। यह कार्रवाई साइबर ठगों के खिलाफ एक बड़ा संदेश मानी जा रही है।

बिजली की चपेट में आकर दो मासूम बालिकाएं झुलसी

नागौर, 20 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले के जायल उपखंड के दोतीणा गांव में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। बिजली विभाग की कथित लापरवाही के चलते 11 केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो मासूम बालिकाएं गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना के बाद गांव में भय और आक्रोश का माहौल है, वहीं दोनों बच्चियों की हालत नाजुक बनी हुई है।

डाकघर में भरोसे का गबन!

अनु डाकपाल ने 5 लाख रुपए का किया गबन, पुलिस जांच शुरू

बांसवाड़ा, 20 मार्च (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के सज्जनगढ़ कस्बे के उप डाकघर में नियुक्त रहे एक अनु डाकपाल ने 5 लाख रुपए की सरकारी राशि का गबन कर लिया। विभागीय पत्रावलियों के मिलान के दौरान सामने आई कमियों के बाद की गई जांच में इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। मामले को लेकर सज्जनगढ़ थाने में प्रकरण दर्ज कराया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सज्जनगढ़ थानाधिकारी धनपतसिंह ने बताया कि बांसवाड़ा डाकघर उप मंडल के निरीक्षक सुरेश खरवड़ ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट के अनुसार, सज्जनगढ़ उप डाकघर में अनु डाकपाल मुकेश कुमार बैरवा 7 सितंबर 2024 से 27 मई 2025 तक कार्यरत रहा।

वर्तमान में वह सहायक डाकपाल के रूप में डूंगरपुर प्रधान डाकघर में पदस्थ है। बैरवा ने सज्जनगढ़ में अपने कार्यकाल के दौरान बिना किसी देनदारी के नकद राशि रोकना शुरू कर दिया था। इस संदिग्ध कार्यप्रणाली को देखते हुए डूंगरपुर मंडल कार्यालय की ओर से जांच के आदेश दिए गए। इसके तहत 20 मई 2025 को सज्जनगढ़ उप डाकघर की अतिशेष राशि से संबंधित पत्रावलियों की जांच की गई। जांच में सामने आया कि निकासी भुगतान के वाउचर सरकारी हिसाब में दर्ज नहीं किए गए थे और न ही उनका फिनेकल प्रणाली में कोई इंद्राज किया गया था। अनु डाकपाल बैरवा की कार्यप्रणाली संदिग्ध पाए जाने पर निरीक्षक सुरेश कुमार ने सहायक अधीक्षक बांसवाड़ा डाकघर का सहयोग लिया। इसके बाद सहायक अधीक्षक धर्मसिंह मीणा ने संयुक्त रूप से जांच करते हुए संबंधित खाताधारकों से पूछताछ की।

ट्रांसफर से हिली अफसरशाही, 25 आईएएस और 9 आईपीएस अधिकारियों के तबादले

बड़े अफसरों की भूमिका बदली

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 25 आईएएस और 9 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस बदलाव में कई अहम विभागों और जिलों में नए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। यह तबादला सूची इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि इसमें कई सीनियर आईएएस अफसरों को महत्वपूर्ण पदों से हटाकर ठंडी पोस्टिंग में डाला गया है। वहीं कुछ को अहम जिम्मेदारी दी गई है।

आलोक गुप्ता को नगरीय विकास विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है। इससे पहले वे राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष पद पर तैनात थे। आलोक गुप्ता इसी सरकार में मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव रह चुके हैं। लेकिन राइजिंग राजस्थान इवेंट से ठीक पहले उनका तबादला उद्योग विभाग में कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें यहां से भी हटाकर राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल में भेज दिया गया। अब नई सूची में उन्हें फिर से यूडीएच जैसी अहम जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं अजिताभ शर्मा को ऊर्जा विभाग से हटाकर राजस्व मंडल अजमेर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह प्रदेश में सबसे ठंडी पोस्टिंग में से एक मानी जाती है। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा से जलदाय विभाग का प्रभार वापस ले लिया गया है। अपर्णा अरोड़ा को खान एवं पेट्रोलियम विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है। वहीं सीनियर आईएएस श्रेया गुहा को भी सचिवालय से बाहर कर दिया गया है। उन्हें ग्रामीण विकास विभाग से हटाकर एचसीएम रीपा के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति दी गई है। प्रमुख सचिव प्रवीण गुप्ता को लोक निर्माण विभाग के साथ युवा एवं खेल विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। उनसे पर्यटन विभाग का चार्ज वापस ले लिया गया है।

राजेश यादव को स्कूल शिक्षा विभाग का सचिव और हेमंत गेरा को जलदाय विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। आईपीएल और आरसीए से जुड़े विवादों की गाज आईएएस नीरज के. पवन पर गिरी है। उन्हें खेल विभाग के सचिव पद से हटाकर इंदिरा गांधी पंचायतीराज संस्थान का महानिदेशक बनाया गया है। तीनों विद्युत वितरण कंपनियों की अध्यक्ष आरती डोगरा को ऊर्जा विभाग की पूरी जिम्मेदारी सौंप दी गई है। उन्हें ऊर्जा विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं वी. सरवन कुमार को जयपुर का नया संभागीय आयुक्त बनाया गया है। इसके अलावा भवानी सिंह देथा को परिवहन विभाग और रोडवेज की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि समित शर्मा को सहकारिता रजिस्ट्रार बनाया गया है। कृष्ण कुणाल को शिक्षा विभाग से ग्रामीण विकास विभाग में भेजा गया है। आईपीएस अधिकारियों में भी बड़े स्तर पर बदलाव किए गए हैं। 9 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं, जिनमें 5 जिलों के पुलिस अधीक्षक बदले गए हैं। कुछ अधिकारियों के हाल ही में हुए तबादले रद्द कर दिए गए हैं, जबकि कई को छह दिन के भीतर दोबारा स्थानांतरित किया गया है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई : गेहूं की आड़ में लहलहा रही थी अफीम की फसल, 393 किलो पौधे जब्त

मुंडावर/हरसौली, 20 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के खैरथल थाना पुलिस ने हरसौली गांव में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने गेहूं की फसल के बीच बेहद शातिराना तरीके से उगाई जा रही 5,050 अफीम के हरे पौधों की खेप बरामद की है। जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश और एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में शुरू हुए इस सर्च ऑपरेशन को थानाधिकारी रामकिशन यादव की टीम ने अंजाम दिया। 18 मार्च की रात को मुखबिर से मिली पुख्ता जानकारी के बाद पुलिस टीम ने हरसौली गांव के पास एक खेत की घेराबंदी की। जांच में सामने आया कि लगभग दो बीघा जमीन पर गेहूं की ऊंची फसल के बीच अफीम के पौधों को छिपाकर उगाया गया था। पुलिस ने मौके से खेत मालिक ओमी (पुत्र जगदीश प्रसाद) को गिरफ्तार कर लिया है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज
आरोपी ने पूछताछ में अफीम की अवैध खेती की बात स्वीकार कर ली है। पुलिस ने सभी पौधों को उखाड़कर जब्त कर लिया है और आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गहन अनुसंधान शुरू कर दिया है। इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जया सिंह और वृताधिकारी लाल सिंह यादव का विशेष सुपरविजन रहा। पुलिस टीम : इस सफल छापेमारी में थानाधिकारी के साथ रमेश चंद, अशोक कुमार, विजय सिंह और महिला कांस्टेबल पुष्पा सहित पूरी टीम का अहम योगदान रहा।

परिवार को 5 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश

कस्टोडियल मृत्यु मामले में टीजीएचआरसी का फैसला

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने 2017 में रिमांड में मृत बंडी मक्कला हनमंतु उर्फ नानी के परिवार को 5 लाख रुपये मुआवजा देने की सिफारिश की है। आयोग ने बंडी के निधन के लिए जेल प्रशासन की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। 25 फरवरी, 2026 के आदेश में न्यायमूर्ति शमीम अख्तर की अध्यक्षता वाले आयोग ने पाया कि बंडी की मौत जेल परिसर में उपलब्ध तार से फांसी के कारण हुई। मजिस्ट्रियल जांच और फॉरेंसिक सबूतों के आधार पर आयोग ने मौत को दमन से हुई दम घुटने की श्रेणी में रखा। आयोग ने कहा कि जेल परिसर में तार की उपलब्धता गंभीर पर्यवेक्षण की कमी को दर्शाती है।

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं.- डीआरएम/कार्य/एससी/24-40/2026/ओटी, दि.17-03-2026 PUB/2140

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.17-04-2026 के 14.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01, ई-निविदा सं.- 24_ सीआर_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणः एससी-केजेडजे सेक्शनः एमएलवाय- मौलाली गूड्स शेड पर अतिरिक्त सुविधाओं का प्रावधान। अनुमानित निविदा मूल्य रु.3,76,89,804.00 अग्रधन रु.7,53,800.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः** 09 महिने ऱखरखाव अवधिः 36 महिने

क्रम सं.02, ई-निविदा सं.- 25_ सीआर_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) एससी-केजेडजे सेक्शनः सीएचजेड- स्टेशन बिल्डिंग, 2nd एन्ट्री साइड पर सर्कूलेटिंग एरिया का विकास/सुधार कार्य तथा चर्लापल्ली स्टेशन पर टर्मिनल स्टेशन सुविधाओं के स्थान पर पीएफ नं.1, 2 & 3 पर संपूर्ण लम्बाई हेतु सीओपी का प्रावधान। एसडब्ल्यू 2) चर्लापल्ली- चर्लापल्ली स्टेशन पर आरपीएफ पोस्ट बिल्डिंग का निर्माण एसडब्ल्यू 3) सिकंदराबाद- इन्टिग्रेटेड कमाण्ड कंट्रोल के फार्मेशन हेतु साइबर सेल के लिए 5000 स्के.फीट युक्त नई बिल्डिंग का निर्माण। एसडब्ल्यू 4) सिकंदराबादः टीटीई रेस्ट हाउस के लिए अतिरिक्त ब्लाक के साथ 27 बेड्स (पृथक शौचालयों सहित14 -पुरुष & 13-महिला टीटीईज), एसीज, किचन स्टोर, आर.ओ. वाटर तथा फर्नीचर का प्रावधान। (दो पैकेट प्रणाली) अनुमानित निविदा मूल्य रु.23,91,47,252 अग्रधन रु.47,83,000.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः** 12 महिने ऱखरखाव **अवधिः** 36 महिने

क्रम सं.03, ई-निविदा सं.- 26_ एन_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणः काजीपेट-बल्लारशाह सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) सिरपुर टाउन पर रेल लेवल प्लाटफार्म सहित गूड्स लोडिंग लाइन का प्रावधान। एसडब्ल्यू 2) सिरपुर टाउन स्टेशन पर बाल्लास्ट डिपो की वृध्दि । अनुमानित निविदा मूल्य रु.8,35,10,335.00 अग्रधन रु.16,70,200.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः** 12 महिने ऱखरखाव **अवधिः** 36 महिने

क्रम सं.04, ई-निविदा सं.- 27_ एन_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणः काजीपेट-बल्लारशाह सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) एसआर.डीइएन/उत्तर क्षेत्राधिकार के तहत केओएलआर-पीडीपीएल स्टेशनों के बीच निम्न प्रस्तावित सहायक कार्य जैसे, किमी 301/28-301/30 (आरयुबी 88ए) पर एलसी नं.35 तथा एप्रोच रिटेनिंग वाल्स की जैकेटिंग, कवर ओवर एप्रोचेस संबध्द प्रस्तावित सहायक कार्य तथा रिटेनिंग वाल को यथावत रुप से विस्तार करते हुए लान्ग स्पीड ब्रेकर्स प्रदान करना। एसडब्ल्यू 2) एसआर.डीइएन/उत्तर क्षेत्राधिकार के तहत एमसीआय-पीपीजेड स्टेशनों के बीच निम्न प्रस्तावित सहायक कार्य जैसे, किमी 261/25-27 (आरयुबी 145बी) पर एलसी नं.56 तथा एप्रोच रिटेनिंग वाल्स की जैकेटिंग, कवर ओवर एप्रोचेस संबध्द प्रस्तावित सहायक कार्य तथा रिटेनिंग वाल को यथावत रुप से विस्तार करते हुए लान्ग स्पीड ब्रेकर्स प्रदान करना। अनुमानित निविदा मूल्य रु.6,79,41,237.00 अग्रधन रु.13,58,900.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः** 09 महिने ऱखरखाव **अवधिः** 36 महिने

क्रम सं.05, ई-निविदा सं.- 28_ एन_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणः बीपीक्यू--केजेडजे सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/एमएजीएच, एसकेजेडआर & बीपीएः एडीइएन/बीपीए सब डिवीजन के तहत ड्रेन्स, पाथवेज का प्रावधान, डेड एन्ड्स का मानकीकरण, मक को हटाना आदि सहित विभिन्न याड्र्स पर सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार व उन्नयन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.6,85,14,563.00 अग्रधन रु. 13,70,300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने ऱखरखाव **अवधिः** 36 महिने

क्रम सं.06, ई-निविदा सं.- 29_ एन_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणः केजेडजे --बीपीक्यू सेक्शनः जेएमकेटी-ओपीएल स्टेशनों के बीच किमी 344/14-16 पर बीआर नं.52 (अप&डाउन) हेतु पीएससी स्लैब्स सहित मौजूदा 4x12.20एम स्टील गिर्डर्स का प्रस्तावित प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट। अनुमानित निविदा मूल्य रु.4,72,04,301.00 अग्रधन रु. 9,44,100.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने ऱखरखाव **अवधिः** 36 महिने

क्रम सं.07, ई-निविदा सं.- 30_ डब्ल्यू_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणः वीकेबी-पीआरएलआय सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) एडीइएन/वीकेबी सब डिवीजन के तहत वीकेबी-एसएसपीडी स्टेशनों के बीच किमी 18/12-13 पर एलसी नं. 10 के स्थान पर आरयुबी नं.32ए पर हाइट गेज का प्रावधान एवं ड्रेनेज सिस्टम, सडकें तथा एप्रोच रिटेनिंग वाल का प्रस्तावित सुधार कार्य। एसडब्ल्यू 2) एडीइएन/वीकेबी सब डिवीजन के तहत एसएसपीडी--एमआरएफ स्टेशनों के बीच किमी 27/13-14 पर एलसी नं. 16 के स्थान पर आरयुबी नं.47ए पर हाइट गेज का प्रावधान एवं ड्रेनेज सिस्टम, सडकें तथा एप्रोच रिटेनिंग वाल का प्रस्तावित सुधार कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.3,83,10,917.00 अग्रधन रु. 7,66,300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने ऱखरखाव **अवधिः 36** महिने

क्रम सं.08, ई-निविदा सं.- 31_ डब्ल्यू_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) एसकेपीः शंकरपल्ली स्टेशन पर पीएफ 1 & पीएफ 2 को उच्च स्तर पर उठाना, सीओपी, पाथवे कनेक्टिन्ग प्लेटफार्म्स का प्रावधान तथा यात्रियों की सुविधाएं। एसडब्ल्यू 2) एसआर. डीइएन/पश्चिम/एससी क्षेत्राधिकार के तहत एसएस गट्टर्स प्रदान करते हुए सीओपी का उन्नयन तथा स्टेशनों पर लीकेजेस को बंद या एरेस्ट करने नई शीटींग व्यवस्था। **(दो पैकेट प्रणाली)** अनुमानित निविदा मूल्य रु.11,84,66,142.00 अग्रधन रु. 23,69,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने ऱखरखाव **अवधिः 36** महिने

क्रम सं.09, ई-निविदा सं.- 32_ डब्ल्यू_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणः बीटीएनआर-एलपीआय&टीएलपीआर-आरसीपीटीः एसआर. डीइएन/पश्चिम/एससी सेक्शन के तहत दो वर्ष के लिए 9 एमएमटीएस स्टेशनों (बीटीएनआर-बीआरबीडी-एचटीसीवाय-एचएफजेड-सीडीएनआर-एलपीआय-टीएलपीआर बीएचइएल-आरसीपीटी) की रैग पिकिन्ग द्वारा यार्ड सराउण्डिग्स का रखरखाव। अनुमानित निविदा मूल्य रु.51,10,161.00 अग्रधन रु.1,02,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः24 महिने ऱखरखाव **अवधिः शून्य** महिने

क्रम सं.10, ई-निविदा सं.- 33_ एनडब्ल्यू_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणः अनुलग्नक-1 में संलग्न स्टेशनों तथा कालोनीज नुसार एडीइएन/बीआयडीआर सब डिवीजन के तहत वाटर टैन्करों द्वारा रेलवे कालोनियों के स्टाफ क्वार्टर्स तथा सर्विस बिल्डिंग्स के लिए पोर्टेबुल पेयजल की आपूर्ति। अनुमानित निविदा मूल्य रु.35,44,604.00 अग्रधन रु. 70,900.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः 12** महिने ऱखरखाव **अवधिः शून्य** महिने

क्रम सं.11, ई-निविदा सं.- 34_ एनडब्ल्यू_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणःवीकेबी-पीआरएलआय सेक्शनः तत्संबंधित वीकेबी-पीआरएलआय सेक्शन में किमी 90/2-3पर बीआर.नं.130/ए इएक्सजी.1x7.775मी. जीबी हेतु पीएससी स्लैब्स सहित स्टील गिर्डर्स का रिप्लेसमेन्ट या प्रतिस्थापन। अनुमानित निविदा मूल्य रु.70,30,562.00 अग्रधन रु.1,40,600.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः 09** महिने ऱखरखाव **अवधिः 48** महिने

क्रम सं.12, ई-निविदा सं.- 35_ एनडब्ल्यू_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणःकेएचएनपी--टीजेएसपी सेक्शनःएसएसइ/पी.वे/एचएमबीडी सेक्शन के तहत विभिन्न स्थानों पर चौडीकरण/सेस्स मरम्मत, टो आफ बैंक के पास नीचले क्षेत्रो में फिल्लिंग कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु3,21,12,202.00 अग्रधन रु.6,42,300.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः 12** महिने ऱखरखाव **अवधिः 03** (महिने या एक मानसून सीजन)

क्रम सं.13, ई-निविदा सं.- 36_ एनडब्ल्यू_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणःपीडीपीएल-एनजेडबी सेक्शनःएसएसइ/पी.वे/केआरएमआर तथा एसएसइ/पी.वे/एआरएमयु सेक्शन के तहत विभिन्न स्थानों पर चौडीकरण/सेस्स मरम्मत, टो आफ बैंक के पास नीचले क्षेत्रो में फिल्लिंग कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.5,87,01,918.00 अग्रधन रु.11,74,100.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः 12 महिने** ऱखरखाव **अवधिः 03** (महिने या एक मानसून सीजन)

क्रम सं.14, ई-निविदा सं.- 37_ एस_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणःएडब्ल्यूएम-एमयुजीआर सेक्शन-तत्संबंधित डीकेजे-एमयुजीआर स्टेशन के बीच किमी101/7-8 पर पुल सं.152 के लिए 3x12.2एम पीएससी स्लैब्स सहितत मौजूदा 3x12.20 मीटर्स स्टील गिर्डर्स का प्रस्तावित रिप्लेसमेन्ट या प्रतिस्थापन। अनुमानित निविदा मूल्य रु.1,54,28,095.00 अग्रधन रु. 3,08,600.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः 09** महिने ऱखरखाव **अवधिः 48** महिने

क्रम सं.15, ई-निविदा सं.- 38_ एस_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणःडीकेजे-एमयुजीआर सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) 1x5.50x4.00एम साइज युक्त प्रि कास्ट आरसीसी बाक्स के रूप में किमी 2/11-12 पर एलसी नं. 8एमबी के स्थान पर पुल के नीचे सडक (आरयुबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य। एसडब्ल्यू 2) 1x5.50x5.00एम साइज युक्त प्रि कास्ट आरसीसी बाक्स के रूप में किमी 6/13-14 पर मौजूदा एलसी नं. 9एमबी के स्थान पर, किमी 6/15-16 पर, पुल के नीचे सडक (आरयुबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य। एसडब्ल्यू 3) एआयआर पुशिंग पध्दति द्वारा 20.40एम आरएच गिर्डर का उपयोग करते हुए (दो पैकेट प्रणाली) कारेपल्ली-सिंगरेनी कालिरीज स्टेशनों के बीच 1x5.50x5.00एम साइज युक्त प्रि कास्ट आरसीसी बाक्स के रूप में किमी 9/11-12 पर मौजूदा एलसी नं. 10एमबी के स्थान पर, पुल के नीचे सडक (आरयुबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु. 23,80,83,877.00 अग्रधन रु. 47,61,700.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः 18** महिने ऱखरखाव **अवधिः 48** महिने

क्रम सं.16, ई-निविदा सं.- 39_ एस_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणःडीकेजे-एमयुजीआर सेक्शन-चिमलपहाड-ताडीकलापुडी स्टेशन्सः एसडब्ल्यू 1) एयर पुशिंग पध्दति द्वारा 20.40एम आरएच गिर्डर का इस्तेमाल करते हुए स्पैन 2x4.24x2.00 एम युक्त प्रिकास्ट आरसीसी बाक्स के रुप में पुल नं. 32केके पर किमी 37/1-2 पर मौजूदा 2x2.49एम आरसीसी स्लैब का पुनर्निर्माण। एसडब्ल्यू 2) एयर पुशिंग पध्दति द्वारा 20.40एम आरएच गिर्डर का इस्तेमाल करते हुए किमी 37/1-2 पर साइज 2x4.50x2.00एम आरसीसी बाक्स सहित पुल सं. 32केके (ए) हेतु अतिरिक्त वाटर वेन्ट वे का प्रावधान। एसडब्ल्यू 3) एयर पुशिंग पध्दति द्वारा 20.40एम आरएच गिर्डर का इस्तेमाल करते हुए किमी 37/1-2 पर साइज 2x6.00x2.00एम आरसीसी बाक्स सहित पुल सं. 32केके (ए) हेतु अतिरिक्त वाटर वेन्ट वे का प्रावधान। एसडब्ल्यू 4) किमी 37/1-2 पर पुल सं.32केके हेतु प्रस्तावित सहायक कार्य, जैसे विन्ग वाल, बाल्लास्ट रिटेनिंग वाल पिच्चिंग, फ्लूरिंग आदि कार्य। एसडब्ल्यू 5) एयर पुशिंग पध्दति द्वारा 20.40एम आरएच गिर्डर का इस्तेमाल करते हुए पुल सं. 33 पर स्पैन 1x1.20x1.20एम युक्त प्रिकास्ट आरसीसी बाक्स के रूप में किमी 37/5-6 पर मौजूदा 1x0.91एम आरसीसी स्लैब का निर्माण करना। अनुमानित निविदा मूल्य रु.8,59,17,847.00 अग्रधन रु.17,18,400.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः18** महिने ऱखरखाव **अवधिः 48** महिने

क्रम सं.17, ई-निविदा सं.- 40_ एस_ एससी_ 26_ ओटी कार्य विवरणःडीकेजे-एमयुजीआर सेक्शन एसडब्ल्यू 1) एयर पुशिंग पध्दति द्वारा 20.40एम आरएच गिर्डर का इस्तेमाल करते हुए चिमलपहाड-तडकालापुडी स्टेशनों के बीच साइज1x5.50x4.50एम प्रिकास्ट आरसीसी बाक्स के रुप में किमी 36/11-12 पर एलसी नं.12केके के स्थान पर आरयुबी (सबवे) का प्रस्तावित निर्माण। एसडब्ल्यू 2) एयर पुशिंग पध्दति द्वारा 20.40एम आरएच गिर्डर का इस्तेमाल करते हुए पान्डुरंगापुरम-मणुगुरू स्टेशनों के बीच साइज1x5.50x4.00एम प्रिकास्ट आरसीसी बाक्स के रुप में किमी 87/9-10 पर एलसी नं.28 के स्थान पर आरयुबी (सबवे) का प्रस्तावित निर्माण। (दो पैकेट प्रणाली) अनुमानित निविदा मूल्य रु.17,22,50,498.00 अग्रधन रु. 34,45,000.00 कार्य पूरा करने की **अवधिः12** महिने ऱखरखाव **अवधिः 48** महिने

निविदाकार केवल ई-टेंडरिंग द्वारा ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि अग्रधन का भुगतान केवल आनलाइन पेमेन्ट्स/बीजी द्वारा ही करें।

सीनि. डीइएन/को आर्डिनेशन/सिकंदराबाद

मध्याह्न भोजन की घोषणा के बाद सीएम की तस्वीर पर पालाभिषेक

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने इंटरमीडिएट छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन योजना लागू करने की घोषणा के बाद, तेलंगाना के जूनियर कॉलेजों में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की तस्वीरों पर पालाभिषेक करने के दृश्य सामने आए हैं। छात्र, शिक्षक और स्थानीय लोग इस योजना के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, तस्वीरों पर दूध और पानी से अभिषेक कर रहे हैं, जिससे उत्सव जैसा माहौल बन गया है। यह नई पहल छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके शैक्षिक विकास में सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाती है। विश्लेषकों का कहना है कि राज्य सरकार की इस योजना सहित अन्य शैक्षिक और कल्याणकारी कदमों से छात्रों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगे और उनके पोषण व शिक्षा स्तर में सुधार होगा।

बिहार स्थापना दिवस 24 मार्च को

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार स्थापना दिवस के अवसर पर 24 मार्च को बोइनपल्ली स्थित एक निजी गार्डन में समारोह का आयोजन होगा। इस संबंध में आज कार्यकारिणी बैठक की गई। उक्त जानकारी देते हुए महासचिव प्रभास कुमार एवं मिडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल होंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत प्रसिद्ध भोजपुरी कलाकारों द्वारा संगीत की प्रस्तुति की जाएगी। 22 मार्च 1912 को बिहार एक स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आया, और तब से लेकर आज तक इस धरती ने अनेक महान व्यक्तित्व, विद्वान, साहित्यकार एवं समाजसेवी दिए हैं।

बैठक में बिहार फाऊंडेशन हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा, सचिव उत्तम यादव, बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता, उपाध्यक्ष अशोक प्रसाद सिंह, रविशंकर सिंह, भरत सिंह, राम विनोद झा, दिनेश सिंह, अखिलेश सिंह, चन्दन यादव, हरे राम यादव आदि ने हिस्सा लिया।

दुकान में चोरी करने वाले गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर पुलिस ने रेड्डी कॉलोनी स्थित एक दुकान मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मडला श्रीनिवास राव (34 वर्ष, रैपिडो ड्राइवर) और आकाश कुमार (22 वर्ष, मिस्त्री) शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से नकद 9,500, वनप्लस मोबाइल और पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की गई। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता तीन महीने से शाप में कैशियर के रूप में कार्यरत है। बीती 14 मार्च की रात लगभग 11:30 बजे उन्होंने दुकान बंद की और चले गए। अगले दिन सुबह 10:30 बजे दुकान खोलने पर स्टोररूम की छत टूट चुकी थी और दोनों कैश काउंटर क्षतिग्रस्त मिले। करीब 85,000 नकद और सिक्के चोरी हो गए थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पहले दुकान का सर्वे किया और चोरी की योजना बनाई। उन्होंने रात के समय छत के माध्यम से प्रवेश कर नकद चोरी की।

भाजपा नेताओं ने एमआरओ को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल, राजकुमार (अध्यक्ष) और बीजेपी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने नामपल्ली स्थित मंडल राजस्व कार्यालय (एमआरओ) में एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने लोगों से जो चुनावी वादे किए थे उसे देने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कई वादे करके सत्ता में आई थी, जैसे कि महिलाओं को 2,500 की आर्थिक सहायता, 500 में एलपीजी सिलेंडर, किसानों के लिए 'रैतु भरोसा', छात्रों के लिए 'युवा विकासम- विद्या भरोसा कार्ड', इंदिरम्मा आवास योजना, बुजुर्गों के लिए 'चेयुथा' पेंशन, और 'कल्याण लक्ष्मी' योजना के तहत 10 ग्राम सोना। सरकार बनाने के बाद भी, इनमें से कई वादों को अभी तक लागू नहीं किया गया है, जिससे तेलंगाना की जनता में निराशा है। ज्ञापन के माध्यम से नेताओं ने मांग की कि कांग्रेस सरकार जनता से किए गए वादों को तत्काल पूरा कराने के लिए कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

निविदा सूचना सं.-जी/इ.29/टीआर./टेंडर नोटिस/64/2025-26 दि.17-03-2026 PUB/2144

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.- जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-96-2025-26, कार्य विवरणः गुन्टकल डिवीजनः जीपीवाय-केपीयु स्टेशनों के बीच किमी 274/28-75/2 पर स्टील गिर्डर्स ब्रिज नं. 550 डाउन (10x9.14) के लिए पीएससी स्लैब्स (पोस्ट टेन्सन्ड) सहित प्रस्तावित प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट सहित ओएचइ संबंधित परिवर्तन कार्य तथा आरयु-जीवाय सेक्शन में 171/4-10 पर पुल सं.251 डाउन (5x14.85एम) का तत्संबंधित कार्य तथा जीटीएल-एनडीएल सेक्शन के बीच (पुल संख्याक 96 इएक्सजी. स्पैन 5x12.20एम, 207 इएक्सजी स्पैन 4x12.20एम, 152 इएक्सजी स्पैन 1x12.20एम, 122इएक्सजी स्पैन 2 x12.20एम, 121इएक्सजी स्पैन 2x12.20एम, 118इएक्सजी स्पैन 2x12.20एम, 115 इएक्सजी स्पैन 3x12.20एम, 113 इएक्सजी स्पैन 2 x12.20एम तथा 109 इएक्सजी स्पैन 3 x12.20एम) (9 संख्याक) का तत्संबधित कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.73,93,346.00

अग्रधन रु. 1,47,900.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 08-04-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेन्डर बिड्डींग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुन्टकल

A2709

निविदा नियम शर्तें/अधिक विवरण एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

मेट्रो ब्लू लाइन में तकनीकी खराबी, यात्रियों में नाराजगी

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार सुबह हैदराबाद मेट्रो ब्लू लाइन में तकनीकी खराबी के कारण सेवाएं बाधित हो गईं, जिससे पीक घंटों में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एक ट्रेन रायदुर्गम की ओर जाते समय जुबिली हिल्स चेक पोस्ट स्टेशन पर लगभग 12 मिनट तक रुकी रही, जिससे दोनों दिशाओं में सेवा प्रभावित हुई। हालांकि मेट्रो कर्मचारियों ने समस्या को जल्दी ही सुलझा लिया और परिचालन फिर से शुरू हुआ, लेकिन यात्रियों ने बार-बार होने वाली तकनीकी विफलताओं पर नाराजगी जताई। कई यात्रियों ने अधिकारियों से अपील की कि शहर की प्रमुख सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए रख-रखाव मानकों में सुधार किया जाए, जिसका उपयोग अधिकांश कार्यालय जाने वाले लोग करते हैं।

तेलंगाना बजट 2026-27 : युवाओं की उपेक्षा पर एआईवाईएफ ने सरकार को घेरा

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 'अखिल भारतीय युवा महासंघ' (एआईवाईएफ) तेलंगाना राज्य समिति ने शुक्रवार को 2026-27 के राज्य बजट की निंदा करते हुए कहा कि यह बेरोजगार युवाओं को पूरी तरह नजरअंदाज करता है। एआईवाईएफने इसे, युवाओं के साथ विश्वासघात, करार दिया और बढ़ती बेरोजगारी की समस्या को सरकार द्वारा अनदेखा किए जाने का आरोप लगाया। हिमायतनगर में आयोजित बैठक में एआईवाईएफ के राज्य अध्यक्ष डॉ. सैयद वली उल्लाह खादरी और राज्य सचिव कल्लूरी धर्मेंद्र ने कहा कि बजट में युवाओं को 'शून्य प्राथमिकता और शून्य न्याय' दिया गया है। उन्होंने रोजगार सृजन के स्पष्ट कार्यक्रम की कमी, बेरोजगारी भत्ता का अभाव और अनुबंध आधारित रोजगार पर निर्भरता पर चिंता व्यक्त की। नेताओं ने आरोप लगाया कि कौशल विकास कोष का दुरुपयोग हो रहा है और राजीव युवा विकास जैसी योजनाओं का लाभ केवल शासक दल के कार्यकर्ताओं को मिलता है, जबकि वास्तविक नौकरी चाहने वाले बेरोजगारों को इसका लाभ नहीं मिलता। उन्होंने खेल क्षेत्र के लिए बजट आवंटन की भी आलोचना की, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और पिछड़े खेल प्रतिभाओं के लिए समर्थन की कमी को लेकर। एआईवाईएफ ने यह भी सवाल उठाया कि रोजगार कैलेंडर की घोषणा में देरी के कारण लाखों शिक्षित युवा अभी भी अर्थपूर्ण रोजगार की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

तेलंगाना बजट में प्राथमिकताएं अधूरी : सीपीआई

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई एमएलसी नेल्लिकांटी सत्यम ने तेलंगाना बजट को मिश्रित बताते हुए कहा कि यह जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता और कल्याण व विकास की प्राथमिकताओं में कई कमी नजर आती हैं। सत्यम ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पेंशन को दोगुना नहीं किया गया और तोड्डी ट्रैपर्स, यादव, मुदिराजु और हथकरघा श्रमिकों जैसी पेशेवर समुदायों की जरूरतों पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षा के लिए 20 प्रतिशत आवंटन की मांग थी, जबकि केवल 8 प्रतिशत और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए मात्र 4 प्रतिशत आवंटित किया गया है। सत्यम ने रोजगार सृजन और कौशल विकास के लिए स्पष्ट रोडमैप न होने, तथा सरकारी पदों में रिक्तियों को भरने में स्पष्टता न होने की चिंता जताई।

चिलकलगुडा में एक आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चिल्कलगुडा पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बीते 17 मार्च को जी. कोटेश्वर राव से एक शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि उनकी बेटी (19 वर्ष) सिकंदराबाद के पद्माराव नगर स्थित श्रीनिवास नगर में अपने आवास पर फंदे से लटकी हुई पाई गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी आरोपी पी. जगदीश (22 वर्ष), निवासी रामनगर, मुशीराबाद, हैदराबाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को जांच से पता चला कि आरोपी और मृतका पिछले कई महीनों से प्रेम संबंध में थे और मोबाइल फोन तथा इंस्टाग्राम के माध्यम से नियमित संपर्क में थे। समय बीतने के साथ, आरोपी को मृतका के चरित्र और उसके संपर्कों पर शक होने लगा, जिसके कारण उनके बीच अक्सर झगड़े होने लगे। इस तरह के शक के कारण, आरोपी ने मृतका को लगातार मानसिक उत्पीड़न, गाली-गलौज और अपमान का शिकार बनाया। उसने मृतका के परिवार वालों के सामने उनके निजी संबंधों का खुलासा करने की धमकी भी दी, जिससे मृतका में भय और गहरा भावनात्मक कष्ट उत्पन्न हो गया। आगे यह भी पता चला कि आरोपी ने 14 मार्च को आत्महत्या का प्रयास किया था और 16 मार्च को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद भी, उसने मृतका को परेशान करना जारी रखा। बीते 17 मार्च को आरोपी मृतका के घर गया और वहां उनके बीच तीखी बहस हुई और वह वहां से चला गया। आगे यह भी पता चला कि आत्महत्या करने से कुछ ही समय पहले, मृतका ने छत के पंखे से बंधी हुई एक चुन्नी की तस्वीर आरोपी के एक दोस्त 'श्याम' को भेजी थी। इसे मिलते ही, उक्त श्याम ने तुरंत आरोपी और अन्य लोगों को स्थिति के बारे में सूचित किया। इसके कुछ ही देर बाद उसने छत के पंखे से चुनरी बांधकर आत्महत्या कर ली। आज आरोपी को गिरफ़्तार किया गया और न्यायिक रिमांड के लिए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस मामले की जांच चिलकलगुडा पुलिस इंस्पेक्टर वी. रामकृष्ण और उनकी टीम द्वारा की जा रही है।

रेलवे ऑफिसर्स क्लब ने धूमधाम से उगादी मनाया

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे ऑफिसर्स क्लब, सिकंदराबाद में श्री पराभवनाम संवत्सर उगादी समारोह का आयोजन बड़े उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्यप्रकाश, विभिन्न विभागों के प्रमुख, रेलवे अधिकारी एवं उनके परिवारजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। समारोह के दौरान विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। साथ ही पारंपरिक पंचांग श्रवण भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। इस अवसर पर एससीआर महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष वंदना श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता तथा रेलवे ऑफिसर्स क्लब के अध्यक्ष पी.वी. मुरलीकृष्णा, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (हैदराबाद) एवं क्लब के सचिव डी.एस. रामाराव भी उपस्थित रहे।

इसके अलावा मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद आर. गोपालकृष्णन तथा मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद श्री एस.के. वर्मा ने भी इस तेलुगु नववर्ष समारोह में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह ने पारंपरिक और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ नए वर्ष के स्वागत का संदेश देते हुए सभी उपस्थित लोगों के बीच हर्ष और उत्साह का वातावरण बना दिया।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30265439, दिनांक: 12.03.2026

कार्य का नाम : (1) RDSO विनिर्देश सं. RDSO/PE/SPEC/AC/0192-2018 (REV.1) के अनुलग्नक G1 के अनुसार LHB नन-AC कोचों के ऑन-बोर्ड पैनल में उपलब्ध कराई जाने वाली 8/10 ग्राम-1 संख्यक एवं अंडरस्लंग पैनल में उपलब्ध कराई जाने वाली 100 ग्राम-1 संख्यक फायर डिटेक्शन एवं सप्रेशन सिस्टम कार्ट्रिज की आपूर्ति एवं संस्थापन, रेलवे बोर्ड के गाइडलाइन के अनुसार नवीनतम तापमान सेटिंग 68-72 रखी जाएगी। इस आइटम के संस्थापन के लिए आवश्यक सभी रूपान्तरण और पिछले हिस्से (Back Pieces) एवं सहायक उपकरण आपूर्तिकर्ता के दायरे में होंगे। माडेल स्वीकार्य होगा: FIREPRO, STAT-X, PYROGEN, DSPA अथवा RDSO द्वारा अनुमोदित केवल अन्य कोइ माडेल। केवल OEM या अधिकृत डीलर ही दस्तावेजी साक्ष्य के साथ कोट (Quote) करें। OEM GC एवं TC के विरुद्ध TPI निरीक्षण, खोरधा रोड मण्डल के लिए मात्रा-625, वाल्टियर मण्डल-420, सम्बलपुर मण्डल-50, मेमु/खोरधा रोड-5, कैरिज मरम्मत कार्यशाला, मंचेश्वर-100 (कुल-1200) (आकलन के अनुसार 1 संख्या = 1 सेट = 1 संख्यक 8/10 GM एवं 1 संख्यक 100 GM), मात्रा : 1200 सेट।

(वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 120 महीने), TPI एजेन्सी द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य : सामग्री 60 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 02.04.2026 को 1500 बजे।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/वाल्टियर

PR-1247/Q/25-26

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

तेलंगाना का 3.24 ...

बजट के तकनीकी पहलुओं पर गौर करें तो राज्य सरकार ने कुल 3.24 लाख करोड़ रुपये के व्यय में से 2,34,406 करोड़ रुपये 'राजस्व व्यय' के लिए रखे हैं। यह राशि वेतन, पेंशन और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में खर्च होगी। वहीं, राज्य के भविष्य के निर्माण के लिए 47,267 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह निवेश नए पुल, सड़कें और स्थाई संपत्तियों के निर्माण के लिए किया जाएगा।

सरकार ने इस बार 'अन्नदाता' की झोली भरने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस बार बजट में किसानों के लिए सरकार ने खजाना खोल दिया है। रेवंत सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए 23,179 करोड़ रुपये का विशाल फंड आवंटित किया है। उम्मीद है यह राज्य में कृषि संकट को दूर करने और नई तकनीक को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

इतना ही नहीं, विकास की गाड़ी को दौड़ाने के लिए सरकार ने सिंचाई क्षेत्र को 22,615 करोड़ रुपये और ऊर्जा विभाग को 21,285 करोड़ रुपये सौंपे हैं। सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करना सरकार की प्राथमिकता है। बताते चलें कि समाज के पिछड़े वर्गों के सशक्तिकरण के लिए बजट में भारी प्रावधान किए गए हैं। अनुसूचित जाति कल्याण के लिए 11,784 करोड़ रुपये और अनुसूचित जनजाति कल्याण के लिए 7,937 करोड़ रुपये का अलग से बजट रखा गया है।

सीजेआई सूर्यकांत ने ...

इस सुझाव को स्वीकार करते हुए सीजेआई ने निर्देश दिया कि यह मामला 7 अप्रैल को दूसरी बेंच के सामने सूचीबद्ध किया जाए।

पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक समिति करेगी, जिसमें :

प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता, और सीजेआई शामिल होंगे

दिसंबर 2023 को संसद के बनाए नए कानून के अनुसार इस समिति में।

प्रधानमंत्री

एक केंद्रीय मंत्री

और विपक्ष के नेता शामिल हैं (सीजेआई को हटा दिया गया है)।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सीजेआई को हटाने से नियुक्ति प्रक्रिया की निष्पक्षता कम हो जाती है। संसद के कानून को कांग्रेस नेता जया ठाकुर और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने चुनौती दी है।

इससे पहले केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इस कानून का बचाव करते हुए कहा था कि चुनाव आयोग की स्वतंत्रता केवल समिति में न्यायिक सदस्य (सीजेआई) की मौजूदगी पर निर्भर नहीं करती। कानून मंत्रालय ने अपने हलफनामे में यह भी कहा कि 14 मार्च 2024 को दो नए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति जल्दबाजी में नहीं की गई थी, जैसा कि याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून के तहत नए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया था। मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने फैसला दिया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और सीजेआई की समिति की सलाह पर होनी चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaartha2006@gmail.com svaartha@rediffmail.com svaartha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

आईपीएल में पहली बार सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय

> कमिंस बाहर तो ईशान ने कमान संभाली

> 6 कैप्टन पहली ट्रॉफी जीतने की दौड़ में

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल के 19 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय होंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस के शुरुआती मैचों से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह ईशान किशन को कप्तानी सौंपी है। इसके साथ ही टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में सभी टीमों की कमान भारतीय खिलाड़ियों के हाथ में होगी। पिछले सीजन में भी हैदराबाद के पैट कमिंस को छोड़कर बाकी सभी टीमों के कप्तान भारतीय ही थे।

ईशान किशन पहली बार किसी आईपीएल की कप्तानी करेंगे

ईशान किशन पहली बार आईपीएल में कप्तानी करते नजर आएंगे। मौजूदा 10 कप्तानों में 6 ऐसे हैं, जो अपनी पहली ट्रॉफी की तलाश में हैं। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, रियान पराग, शुभमन गिल, अजिंक्य रहाणे, ईशान किशन और ऋषभ पंत शामिल हैं। वहीं, बाकी 4 कप्तान पहले ही खिताब जीत चुके हैं। श्रेयस अय्यर ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया था, रजत पाटीदार ने 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को खिताब दिलाया, जबकि हार्दिक पांड्या ने 2022 में गुजरात टाइटंस को ट्रॉफी जिताई थी।

श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास के इकलौते कप्तान हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया है। उन्होंने 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम को मुंबई इंडियंस से हार मिली थी। इसके बाद 2024 में उन्होंने केकेआर को चैंपियन बनाया और 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम आरसीबी से हार गई।

धोनी और रोहित सबसे सफल कप्तान

आईपीएल इतिहास में सबसे सफल कप्तानों की बात करें तो महेंद्र सिंह धोनी (सीएसके) और रोहित शर्मा (एमआई) शीर्ष पर हैं। दोनों ने अपनी-अपनी टीमों को 5-5 बार चैंपियन बनाया है। धोनी के नाम सबसे ज्यादा मैच (229) और जीत (134) दर्ज हैं, जबकि रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच खिताब दिलाए हैं।

एफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए भारतीय टीम बैंकॉक पहुंची

बैंकॉक, 20 मार्च (एजेंसियां)। भारत की 24 सदस्यीय अंडर-20 महिला टीम अगले महीने होने वाले एफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए शुक्रवार को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंच गई। भारतीय टीम स्थानीय हालात में ढलने के लिए थोड़ा पहले ही बैंकॉक पहुंची है। 20 साल बाद एशियन कप के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय महिलाओं को 2 अप्रैल को जापान के खिलाफ अपने पहले ग्रुप सी मैच से पहले बैंकॉक में स्थानीय हालात के हिसाब से ढलने के लिए 13 दिन का समय मिलेगा। इसके बाद भारत 5 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और 8 अप्रैल को चीनी ताइपे से भिड़ेगा। ग्रुप की टॉप दो टीमें और तीनों ग्रुप में तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सबसे अच्छी टीमें क्वार्टरफाइनल में पहुंचेंगी।

आईपीएल से चुनी जाएगी ओडीआई वर्ल्ड कप 2027 की टीम

20 इंडियन प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट, सिलेक्टर्स का उनके परफार्म और फिटनेस पर फोकस रहेगा

स्पोर्ट्स डेस्क, 20 मार्च (एजेंसियां)। 28 मार्च से शुरू हो रहा आईपीएल भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है। टी–20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी। न्यूज एजेंसी ने बीसीसीआई सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनके प्रदर्शन पर इस आईपीएल के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा।

इतना ही नहीं मुल्लांपुर में 6 से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच में भी टीम इंडिया अपने फुल-स्ट्रेंथ के साथ उतारेगा। यानी सारे सीनियर खिलाड़ी इसमें खेलेंगे।

स्टेडियम जाकर मैच देखेंगे सिलेक्टर्स

बीसीसीआई ने सिलेक्टर्स के बीच मैच देखने की जिम्मेदारी बांट दी गई है। हर चयनकर्ता हफ्ते में कम से कम एक आईपीएल मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, ताकि हर सप्ताह पांच मैचों की ग्राउंड रिपोर्ट तैयार हो सके। बाकी मैचों को टीवी के जरिए ट्रैक किया जाएगा। इस बार चयनकर्ता नए उभरते खिलाड़ियों के बजाय पहले से तय वनडे कोर ग्रुप पर ही ध्यान देंगे।

अजित अगरकर मुंबई में रहेंगे

चयनकर्ताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर मुंबई में रहेंगे, जबकि एसएस दास कोलकाता से मैच देखेंगे। वहीं आरपी सिंह और अजय रात्रा एनसीआर क्षेत्र में मौजूद रहेंगे, जबकि प्रज्ञान ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में मुकाबलों पर नजर रखेंगे।

अफगान के खिलाफ सीनियर टीम उतारेगा भारत

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भारत अपनी फुल-स्ट्रेंथ टीम उतारेगा। हालांकि इस मैच में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक नहीं मिलेंगे, फिर भी टीम मैनेजमेंट इसे हल्के में नहीं ले रहा है। अगस्त से मार्च के बीच भारत को 9 टेस्ट खेलने हैं, ऐसे में सभी रेड-बॉल खिलाड़ी इस मुकाबले में उपलब्ध रहेंगे। यह भी तय माना जा रहा है कि बुमराह और सिराज, अगर आईपीएल के दौरान फिट रहते हैं, तो अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स आईपीएल 2026 से बाहर

> पैर की चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे 28 मार्च को पहला मैच होगा

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को एक और बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के उभरते हुए सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स पैर की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। 25 साल के एडवर्ड्स को हैदराबाद ने पिछले ऑक्शन में 3 करोड़ रुपए में खरीदा था।

इस सीजन में एडवर्ड्स अपना आईपीएल डेब्यू करने वाले थे, लेकिन अब उन्हें इसके लिए अगले साल तक इंतजार करना होगा। वे 2025 के ऑक्शन में खरीदे गए इकलौते अनकैप्ड (जिन्होंने इंटरनेशनल मैच न खेला हो) विदेशी खिलाड़ी थे। हालांकि, ऑक्शन के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर लिया था।

बीबीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद मिली थी जगह

जैक एडवर्ड्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के सीजन में सिडनी सिक्सर्स के लिए जबरदस्त खेल दिखाया था। उन्होंने 13 मैचों में 19 विकेट झटके और 133 रन बनाए थे। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें आईपीएल ऑक्शन में मोटी रकम मिली थी। बीबीएल फाइनल के चार दिन बाद ही उन्होंने पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ अपना टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। हालांकि, वह मैच उनके लिए खास नहीं रहा और उन्होंने 2 ओवर में 25 रन दिए और बल्ले से सिर्फ 5 रन बना सके थे। एडवर्ड्स का बाहर होना हैदराबाद के लिए दोहरी मुसीबत जैसा है। टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस भी शुरुआती मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे।

जून में आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा भारत

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय टीम इंग्लैंड के अपने व्हाइट-बॉल टूर से पहले जून में आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी। क्रिकेट आयरलैंड के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर ग्रीम वेस्ट ने इसकी पुष्टि की है। यह सीरीज आईसीसी फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) का हिस्सा नहीं है, लेकिन यह भारत के लिए इंग्लैंड दौरे से पहले वार्म-अप का काम करेगी। आयरलैंड के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर ग्रीम वेस्ट ने यह भी घोषणा की है कि अनुभवी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग ने टी20 कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला वर्ल्ड कप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद लिया गया, जिसमें टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी।

ग्रीम वेस्ट ने कहा, पॉल एक बेहतरीन लीडर रहे हैं, जिन्होंने अपने खेलने के अनुभव को खिलाड़ियों को मैनेज करने की अपनी जबरदस्त काबिलियत के साथ जोड़ा है। वह वनडे टीम की कप्तानी करते रहेंगे, जिसका पहला मकसद क्वालिफिकेशन राउंड को कामयाबी से पार करना और अगले साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में टीम की अगुवाई करना है। टी20 वर्ल्ड कप 2028 के लिए क्वालिफिकेशन सुनिश्चित हो जाने के बाद, टी20 कप्तान के तौर पर पॉल के कप्तानी छोड़ने के फैसले से नए कप्तान को अपना तरीका लागू करने का मौका मिलेगा, जिसकी शुरुआत जून में होने वाली भारत के खिलाफ सीरीज से होगी।

टी20 फॉर्मेट में पॉल स्टर्लिंग के कप्तान के पद से इस्तीफा देने के बाद अब आयरलैंड पुरुष टीम के पास तीनों फॉर्मेट के लिए अलग-अलग कप्तान होंगे। टेस्ट की कमान एंड्रयू बालबर्नी करेंगे।

वनडे में पॉल स्टर्लिंग टीम का जिम्मा संभालेंगे, जबकि टी20 फॉर्मेट में कप्तान के नाम का ऐलान बाद में किया जाएगा। भारत ने पिछली बार अगस्त 2023 में आयरलैंड का दौरा किया था, जिसमें 3 टी20 मुकाबलों की सीरीज खेली गई। सभी मैच मालाहाइड क्रिकेट मैदान पर आयोजित हुए। भारत ने सीरीज के शुरुआती दो मैच अपने नाम किए थे, जबकि तीसरा मैच बारिश के चलते रद्द हुआ था।

पीएसएल में बांग्लादेशी खिलाड़ियों के खेलने पर सस्पेंस

बीसीबी बोला-सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ही पाकिस्तान जाएंगे प्लेयर्स; सुरक्षा कारणों से फैसला

लाहौर, 20 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में बांग्लादेशी खिलाड़ियों की भागीदारी अब सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने क्षेत्रीय तनाव को देखते हुए यह फैसला लिया है।

पहले बोर्ड ने 6 खिलाड़ियों को एनओसी दिया था। इनमें मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन एमोन (लाहौर कलंदर्स), शोरीफुल इस्लाम, नाहिद राणा, तंजीद हसन तमीम और रिशाद हुसैन (पेशावर जाल्मी) शामिल हैं। पीएसएल 26 मार्च से 3 मई तक खेला जाना है, लेकिन अब खिलाड़ियों के पाकिस्तान जाने से पहले सरकार से अनुमति ली जाएगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के क्रिकेट ऑपरेशंस चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि मौजूदा हालात सामान्य नहीं हैं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव की वजह से खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर रिस्क है। उन्होंने बताया,'आम तौर पर हमें सरकार से पूछने की जरूरत नहीं पड़ती। हम एनओसी देते हैं, खिलाड़ी जाकर खेलते हैं और वापस आ जाते हैं। लेकिन अभी स्थिति अलग है, इसलिए हम सरकार से चर्चा करेंगे।' नजमुल आबेदीन ने आगे कहा कि बोर्ड के लिए वहां की जमीनी हकीकत को समझना मुमकिन नहीं है। यह काम सरकार का है। उन्होंने कहा,'सरकार को वहां की सुरक्षा स्थिति के बारे में बेहतर जानकारी होगी। अगर सरकार हमें हरी झंडी देती है और कहती है कि यात्रा करना सुरक्षित है, तभी खिलाड़ी वहां जाएंगे।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को 8 विकेट से हराया, सीरीज में बनाई 2-1 की बढ़त

ऑकलैंड, 20 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी20 मुकाबले में 8 विकेट से हराकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। ईडन पार्क में खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 137 रन का लक्ष्य मिला था जिसे टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 16.2 ओवर में हासिल कर लिया। 137 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही थी। पहले विकेट के लिए डेवोन कोनवे और टॉम लैथम ने 11 ओवर में 96 रन की साझेदारी की। कोनवे 26 गेंदों पर 2 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 39 रन बनाकर केशव महाराज का शिकार बने। इसके बाद लैथम ने टिम रॉबिनसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी की। जीत के लिए जब 1 रन की आवश्यकता थी, उसी समय रॉबिनसन एल सिपाम्ला का शिकार हो गए। रॉबिनसन 17 गेंदों पर 17 रन बनाकर आउट हुए।

टॉम लैथम नाबाद रहे। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज 55 गेंद पर 63 रन बनाकर और अपनी टीम को जीत दिलाकर वापस लौटा। उनके साथ निक केली 1 रन बनाकर नाबाद लौटे। न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 137 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। इससे पहले, टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका 9 विकेट पर 136 रन बना सकी थी। टीम का शीर्ष क्रम पूरी तरह बिखर गया था। दसवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए एन मोकोएना 20 गेंदों पर 3 छक्कों और 1 चौके की मदद से 26 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर रहे थे। जॉर्ज लिंडे ने 23 रन बनाए थे।

हॉकी में भी पाकिस्तान का ड्रामा शुरू : भारत से वर्ल्ड कप मैच के लिए पाक हॉकी फेडरेशन लेगा सरकार से सलाह

कराची, 20 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) इस साल बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ खेलने के मामले में अपनी सरकार की सलाह लेगा। पाकिस्तान का ड्रामा खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। खेल को राजनीति से दूर करने की बात करने वाला पड़ोसी मुल्क लगातार राजनीति को खेल में शामिल कर रहा है। इससे पहले क्रिकेट में भी पाकिस्तान की गीदड़भभकियां सामने आई थीं, लेकिन बाद में उन्हें झुकना पड़ा था।

भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) ने टूर्नामेंट के ड्रॉ की घोषणा करते हुए बताया कि भारत और पाकिस्तान को 16 टीमों वाले इस वर्ल्ड कप के 'पूल डी' में रखा गया है। हालांकि, पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के अधिकारियों ने 'टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट' को बताया कि 19 अगस्त को पहले राउंड के मैच में भारत के खिलाफ मैदान में उतरने के मामले में वे पूरी तरह से सरकार के फैसले का पालन करेंगे। पुरुषों का हॉकी वर्ल्ड कप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। 2018 में भारत के भुवनेश्वर में हुए टूर्नामेंट में 16 टीमों में से 12वें स्थान पर रहने के बाद, यह पाकिस्तान का पहला वर्ल्ड कप होगा। पाकिस्तान 2014 और 2022 के वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने में असफल रहा था। पाकिस्तान फील्ड हॉकी में चार बार का विश्व चैंपियन है, और उसने अपना आखिरी खिताब 1994 में जीता था।

अंतरिम व्यवस्था के तहत काम कर रहा पीएचएफ

पीएचएफ इस समय एक अंतरिम व्यवस्था के तहत काम कर रहा है, जिसकी प्रबंधन समिति 27 मार्च को बैठक करेगी और इस मामले पर विचार-विमर्श करेगी। ओलंपियन समीउल्लाह ने 'टेलीकॉमएशियाडॉटनेट' को बताया, 'हमें पता है कि पाकिस्तान और भारत को एक ही पूल में रखा गया है, इसलिए 27 मार्च को होने वाली कार्यकारी समिति की बैठक के एजेंडे में यह मुद्दा भी शामिल होगा। यह एक गंभीर मामला है, इसलिए हमें सरकार से सलाह लेनी होगी।' 2008 के मुंबई हमलों के बाद से भारत ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंध रोक रखे हैं, हालांकि दोनों देश बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं।

4 ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज एक साथ आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के आगाज से पहले फ्रेंचाइजियों के लिए बुरी खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बिग थ्री यानी पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा, चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज नेथन एलिस चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। यह टीमों के साथ-साथ आईपीएल के लिए भी बड़ा झटका है।

वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों पर ब्रेक

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने दिग्गज तेज गेंदबाजों को लेकर एहतियाती रुख अपनाया है। अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के महत्वपूर्ण दौरों सहित लगभग 21 मैच खेलने हैं, जिसके बाद 2027 में उन्हें अपना वनडे वर्ल्ड कप खिताब भी बचाना है। इसी लंबे शेड्यूल को देखते हुए बोर्ड ने कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड को शुरुआती मैचों से विश्राम दिया है। उनकी वापसी अगले कुछ हफ्तों में उनके फिटनेस प्रोटोकॉल पर निर्भर करेगी। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए यह सबसे बड़ा झटका है क्योंकि उनके नियमित कप्तान पैट कमिंस शुरुआती मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उनकी अनुपस्थिति में हैदराबाद ने बड़ा फैसला लेते हुए भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को 2026 सीजन के लिए स्टैंड-इन कप्तान नियुक्त किया है। कमिंस पिछले काफी समय से चोटों से जूझ रहे हैं, वहीं मिचेल स्टार्क और हेजलवुड भी अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स को भी बड़ा झटका लगा है।

भारत 2028 में वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। भारत को 2028 वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। भुवनेश्वर इस टूर्नामेंट की होस्ट सिटी होगा। यह पहली बार होगा जब यह आयोजन भारत में किया जाएगा। भारत की मेजबानी वाली बोली को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने पोलैंड के टोरून में हुई बैठक में मंजूरी दी। इससे पहले जनवरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स की टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया था। भारत इस चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला एशिया का चौथा देश बनेगा। इससे पहले जापान, कतर और चीन इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुके हैं। यह टूर्नामेंट हर दो साल में आयोजित होता है और इसकी शुरुआत 1985 में पेरिस से हुई थी। 2028 में होने वाला यह इसका 22वां संस्करण होगा।

2026 का एडीशन पोलैंड में होगा 2026 संस्करण टोरून (पोलैंड) में शुरू होने जा रहा है, लेकिन इसमें कोई भारतीय खिलाड़ी हिस्सा नहीं लेगा। भारत अब तक इस प्रतियोगिता में एक भी पदक नहीं जीत पाया है, जबकि अमेरिका 270 पदकों के साथ सबसे सफल देश है।

2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी करेगा

भारत को 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी करेगा। 26 नवंबर 2025 को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बैठक के बाद अहमदाबाद को होस्ट सिटी घोषित किया गया। भारत 15 साल के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) की मेजबानी कर रहा है।

दिल्ली कैपिटल्स को झटका

मिचेल स्टार्क शुरुआती फेज से बाहर रहेंगे

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के लिए एक निराशाजनक खबर है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई मिचेल स्टार्क सीजन के शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते हैं। स्टार्क के बाहर रहने से दिल्ली कैपिटल्स को सीजन के शुरुआती फेज में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क टूर्नामेंट की शुरुआत में उपलब्ध नहीं रहेंगे।

उनकी वापसी इस बात पर निर्भर करेगी कि आने वाले सप्ताह में उनका फिटनेस प्रोटोकॉल कैसे आगे बढ़ता है। सीए के अनुसार, पिछले 12 महीनों में भारी वर्कलोड के चलते 36 वर्षीय स्टार्क को सावधानी से मैनेज किया जा रहा है। उन्होंने हाल ही में एशेज सीरीज के सभी पांच टेस्ट खेले थे और बिग बैश लीग के अंतिम चरण में भी हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में भारत के मोहम्मद सिराज को छोड़कर किसी भी तेज गेंदबाज से ज्यादा गेंदें डालीं। स्टार्क की गैरमौजूदगी दिल्ली कैपिटल्स के लिए अहम मानी जा रही है, क्योंकि टीम उनसे नई गेंद के साथ शुरुआती ओवरों में बढ़त दिलाने की उम्मीद कर रही थी।

उम्मीदों पर पानी फेरने वाला बजट : राव

'भाजपा ने झूठा और दिखावटी बजट' करार दिया

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने वर्ष 2026-27 के कांग्रेस सरकार के बजट को 'संख्यात्मक जादूगरी, विफल, झूठा और दिखावटी बजट' करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास जनता के कल्याण या विकास के नाम पर दिखाने के लिए कोई ठोस उपलब्धि नहीं है। राज्य कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में राव ने विधानसभा में पेश बजट को बेहद निराशाजनक बताया।

उन्होंने वित्त मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का पर तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है मानो उन्होंने गलती से पिछले वर्ष का ही बजट भाषण पढ़ दिया हो, क्योंकि इस बार कोई बड़ा बदलाव या नई घोषणा नजर नहीं आई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि ढाई साल के शासन के बावजूद सरकार जनता को ठोस परिणाम देने में पूरी तरह विफल रही है।

शिक्षा क्षेत्र को लेकर उन्होंने गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि सरकार ने भले ही 1,000 करोड़ रुपये बढ़ाने का दावा किया हो, लेकिन कुल बजट में शिक्षा की हिस्सेदारी मात्र 8 प्रतिशत ही है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश (13 प्रतिशत) और बिहार (21 प्रतिशत) जैसे राज्य शिक्षा को कहीं अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र पर हमला बोलते हुए राव ने आरोप लगाया कि सरकार 'आरोग्यश्री' के बकाया भुगतान तक नहीं कर पाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि पेंशन और अन्य लाभों को इसी योजना से जोड़ने से यह योजना दिवालिया हो सकती है। साथ ही 'फ्यूचर सिटी' जैसे आकर्षक शब्दों से जनता को गुमराह करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जिन एयरोस्पेस उद्योगों का श्रेय ले रही है, वे वास्तव में केंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' योजनाओं का परिणाम हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रीजनल रिंग रोड और उससे जुड़ी रेल परियोजना पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित हैं। राव ने कहा कि केंद्र सरकार ने मनरेगा की जगह 'विकसित भारत-रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण)' अधिनियम-2025 लागू किया है, जो 'विकसित भारत-2047' के विजन के अनुरूप है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि अब सरकारी योजनाओं का पूरा पैसा सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रहा है।

किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने 'रैतू भरोसा' की पांच किस्तों के तहत प्रति एकड़ 45,000 रुपये से अधिक का बकाया नहीं चुकाया है। साथ ही बेरोजगारी भत्ता 4,000 और महिलाओं के लिए 2,500 की सहायता राशि का भी बजट में कोई प्रावधान नहीं होने को उन्होंने जनता के साथ विश्वासघात बताया। मूसी नदी परियोजना के नाम पर गरीबों के घर तोड़े जाने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई और इसे आपातकाल के दौरान 'तुर्कमान गेट' जैसी घटनाओं से जोड़ते हुए सरकार की मानसिकता पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि इस परियोजना की लागत दो दिन में 5,000 करोड़ से बढ़कर 7,000 करोड़ कैसे हो गई। राव ने मंदिरों के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि पुजारियों के वेतन और धार्मिक अनुष्ठानों के बजट में वृद्धि नहीं की गई, जबकि अल्पसंख्यक बजट में 700 करोड़ की बढ़ोतरी की गई, जिसे उन्होंने 'वोट बैंक की राजनीति' बताया। अंत में उन्होंने कहा कि यह बजट जनता की उम्मीदों पर पानी फेरने वाला है और गरीबों से पूरी तरह दूर है। भाजपा ने इस 'विफल बजट' की कड़ी निंदा की है।

स्कूलों में फिर गूँजेगी 'नाश्ते' की खनक

कांग्रेस सरकार शुरू करेगी नई योजना

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए एक बड़ी घोषणा की है। शुक्रवार को विधानसभा में वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि अगले शैक्षणिक सत्र से राज्य के स्कूलों में 'नाश्ता योजना' को नए स्वरूप और नाम के साथ फिर से शुरू किया जाएगा। यह योजना पूर्व-प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक के सभी छात्रों को कवर करेगी। इसके साथ ही छात्रों के पोषण स्तर को सुधारने के लिए उन्हें सप्ताह में तीन दिन दूध और तीन दिन रागी का दलिया देने का भी प्रस्ताव रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में तत्कालीन बीआरएस सरकार ने 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' की शुरुआत की थी, जिसमें इडली, सांभर, पूरी और खिचड़ी जैसे विविध व्यंजन शामिल थे। इस योजना का लक्ष्य 27,147 स्कूलों के लगभग 23 लाख छात्रों को लाभ पहुँचाना था, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद बजट आवंटन की कमी के कारण यह योजना ठप हो गई थी।

बजट भाषण के दौरान बीआरएस का विधानसभा से वॉकआउट

'कानों पर फूल' लगाकर जताया विरोध

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में शुक्रवार को उस समय भारी हंगामा देखने को मिला जब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सदस्यों ने उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क के बजट भाषण का बहिष्कार करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। बीआरएस विधायकों ने कांग्रेस सरकार पर चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा न करने और नए बजट में उनके लिए कोई ठोस आवंटन न करने का आरोप लगाया। जैसे ही उपमुख्यमंत्री ने अपना भाषण शुरू किया, विपक्षी सदस्यों ने विरोध स्वरूप अपने कानों के पीछे फूल लगा लिए, जो इस बात का प्रतीक था कि सरकार जनता को 'मूर्ख' बना रही है।

सदन के भीतर माहौल तब और गरमा गया जब बीआरएस विधायकों ने 'धोखाधड़ी, धोखाधड़ी' के नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने एक तोला सोना देने, दो लाख नौकरियां पैदा करने और अन्य चुनावी आश्वासनों का जिक्र करते हुए सरकार को घेरा। विपक्ष का आरोप है कि इस बजट में लंबित वादों की पूरी तरह अनदेखी की गई है। हंगामे और नारेबाजी के बीच बीआरएस के सदस्य सदन से बाहर निकल गए और विधानसभा के मुख्य प्रवेश द्वार पर धरने पर बैठ गए। विधानसभा के बाहर भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा, जहाँ विधायकों ने सरकार विरोधी नारे लगाए और आरोप लगाया कि कांग्रेस सत्ता में आने के बाद जनता की समस्याओं का समाधान करने में विफल रही है। बीआरएस नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे सड़क से लेकर सदन तक सरकार की इस 'विफलता' को उजागर करना जारी रखेंगे। इस विरोध प्रदर्शन के कारण विधानसभा परिसर में काफी देर तक गहमागहमी बनी रही, हालांकि बजट सत्र की कार्यवाही जारी रही।

कांग्रेस की 'गारंटियों' के खिलाफ बीआरएस का हल्लाबोल

गन पार्क पर जताया विरोध

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने शुक्रवार को गन पार्क स्थित तेलंगाना शहीद स्मारक पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) के नेतृत्व में बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनाव के दौरान किए गए अपने 'छह वादों' को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है। प्रदर्शन के दौरान केटीआर, टी. हरीश राव और अन्य विधायकों ने हाथों में 'बकाया कार्ड' की तख्तियां लेकर सरकार को घेरा, जिसे कांग्रेस के चुनावी 'गारंटी कार्ड' के जवाब के रूप में पेश किया गया।

मीडिया को संबोधित करते हुए केटीआर ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर छह गारंटियों को लागू करने का वादा किया था, लेकिन लगातार तीसरे बजट में भी इनके लिए न तो पर्याप्त बजटीय आवंटन किया गया और न ही कोई वैधानिक समर्थन दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि बुजुर्गों और विधवाओं के लिए 4,000 रुपये और दिव्यांगों के लिए 6,000 रुपये की मासिक पेंशन अभी तक क्यों शुरू नहीं हुई? साथ ही, महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को मिलने वाले 2,500 रुपये और किसानों के लिए 'रैतु भरोसा' की बढ़ी हुई सहायता राशि पर भी सरकार की चुप्पी की आलोचना की गई। बीआरएस नेताओं ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार पर ऑटो चालकों, नवविवाहित दुल्हनों और करोड़ों महिलाओं का भारी वित्तीय बकाया है। केटीआर ने स्पष्ट किया कि 2 लाख नौकरियों का वादा भी महज एक छलावा साबित हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा बजट सत्र के दौरान विधानसभा और विधान परिषद में इस 'जनता के साथ विश्वासघात' के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा। बीआरएस ने मांग की है कि सरकार जल्द से जल्द अपने बांड पेपर पर किए गए वादों को हकीकत में बदले, अन्यथा आंदोलन और तेज किया जाएगा।

तेलंगाना विधानसभा परिसर में निकला सांप

पुलिस कांस्टेबल ने बहादुरी से पकड़ा

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा परिसर के पास स्थित पुराने विधान परिषद भवन और जुबली हॉल के समीप शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब वहां अचानक एक सांप देखा गया। जिस समय यह घटना हुई, उस दौरान विधानसभा का बजट सत्र चल रहा था और उपमुख्यमंत्री मल्लु विक्रमार्क भट्टी सदन में राज्य का बजट पेश कर रहे थे। सांप दिखने की सूचना मिलते ही वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों और कर्मचारियों के बीच हल्की अफरा-तफरी मच गई।

ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात पुलिस कांस्टेबल वेंकटेश नायक ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत मोर्चा संभाला और बिना डरे सांप को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया। बाद में वन्यजीव विशेषज्ञों ने पुष्टि की कि पकड़ा गया सांप विषैला नहीं था। कांस्टेबल की इस बहादुरी ने वहां मौजूद समाचार फोटोग्राफरों और मीडियाकर्मियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया, जिसके बाद पुलिसकर्मी ने सांप के साथ कुछ देर के लिए तस्वीरों के लिए पोज भी दिया। घटना के बाद अधिकारियों ने पकड़े गए सरीसृप को नेहरू चिड़ियाघर के कर्मचारियों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस और विधानसभा सुरक्षा दल ने परिसर की जांच की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां कोई अन्य जीव मौजूद न हो। इस संक्षिप्त घटनाक्रम के बाद परिसर में स्थिति सामान्य हो गई और विधायी कार्य सुचारू रूप से जारी रहे।

आशा कार्यकर्ताओं का मंत्री आवास घेराव का प्रयास विफल

करीमनगर, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर में अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रही आशा कार्यकर्ताओं द्वारा परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर के आवास का घेराव करने के प्रयास को पुलिस ने विफल कर दिया। शुक्रवार को बड़ी संख्या में जुटी महिला कार्यकर्ताओं ने अपनी लंबित मांगों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए मनकममथोटा स्थित मंत्री के घर तक मार्च निकालने का फैसला किया था। जैसे ही प्रदर्शनकारी महिलाएं तेलंगाना चौक से मंत्री के आवास की ओर बढ़ने लगीं, पहले से तैनात पुलिस बल ने उन्हें बीच रास्ते में ही रोक लिया।

इस दौरान जब कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड्स लांघकर आगे बढ़ने की कोशिश की, तो पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच काफी देर तक धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक हुई। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने सख्त रुख अपनाया और प्रदर्शनकारी महिलाओं को जबरन पुलिस वाहनों में बिठाकर स्थानीय थाने ले गई।

गांधी सरोवर परियोजना के खिलाफ रेजिडेंट्स का फूटा गुस्सा, विस्थापन के विरोध में प्रदर्शन

मधु पार्क रिज के 450 फ्लैटों पर मंडराया संकट, बच्चों ने मुख्यमंत्री से की भावुक अपील

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुडा जागीर स्थित 'मधु पार्क रिज' के निवासियों ने शुक्रवार को राज्य सरकार की गांधी सरोवर परियोजना के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। निवासियों का आरोप है कि सरकार विकास के बहाने उन्हें उनके घरों से विस्थापित करने का प्रयास कर रही है। परियोजना के लिए जारी भूमि अधिग्रहण अधिसूचना के अनुसार, इस अपार्टमेंट परिसर के ब्लॉक 'ए' और 'बी' में स्थित लगभग 450 से अधिक फ्लैट प्रभावित हो रहे हैं, जिससे सैकड़ों परिवारों का भविष्य अधर में लटक गया है।

अपार्टमेंट परिसर में आयोजित इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन में वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 100 लोगों ने भाग लिया।

प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि वे अपने घरों को खाली नहीं करेंगे और सरकार के किसी भी दमनकारी कदम का कड़ा विरोध करेंगे। प्रदर्शन के दौरान न्याय की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की गई। निवासियों का कहना है कि उन्होंने अपनी जमा-पूंजी इन घरों में लगा दी है और अब सरकार उन्हें बेघर करने पर आमादा है।

विरोध प्रदर्शन में शामिल बच्चों ने भी अपनी चिंता साझा की। मीडिया से बात करते हुए बच्चों ने भावुक होकर कहा, 'हम रेवंत रेड्डी अंकल से विनती करते हैं कि हमारे घरों को नुकसान न पहुँचाएं, क्योंकि इससे हमारी पढ़ाई बाधित होगी।' निवासियों ने सरकार से मांग की है कि वह गांधी सरोवर परियोजना के प्रस्ताव पर पुनर्विचार करे और रिहायशी संपत्तियों को अधिग्रहण से मुक्त रखे। फिलहाल, प्रभावित परिवारों ने अपनी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया है।

जनजातीय डिग्री कॉलेज को मिली 52 लाख से अधिक की पुस्तकें

करीमनगर, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर स्थित 'तेलंगाना ट्राइबल वेलफेयर रेजिडेंशियल डिग्री कॉलेज फॉर बॉयज' के पुस्तकालय को दिल्ली की एक परोपकारी संस्था ने एक बड़ी सौगात दी है। सुल्तान चंद द्रौपदी देवी एजुकेशन फाउंडेशन ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक लाभ के लिए कॉलेज को 52,42,353 रुपये मूल्य की पुस्तकें दान में दी हैं। इस उदार पहल का उद्देश्य जनजातीय समुदाय के छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्य सामग्री और संदर्भ पुस्तकें उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी प्रतियोगी परीक्षाओं और शैक्षणिक करियर में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

तेलंगाना स्वास्थ्य बजट पर चिकित्सा समुदाय की मिली-जुली प्रतिक्रिया

ओजीएच की अनदेखी पर नाराजगी

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए पेश किए गए 13,679 करोड़ रुपये के स्वास्थ्य बजट पर चिकित्सा समुदाय ने संयमित लेकिन चिंताजनक प्रतिक्रिया दी है। जहाँ एक ओर सरकार ने एनआईएमएस के विस्तार और सनतनगर, एलबी नगर व अलवाल में टीआईएमएस अस्पतालों को पूरा करने पर जोर दिया है, वहीं दूसरी ओर उस्मानिया जनरल अस्पताल के नए भवन के निर्माण को लेकर बजट में पूरी तरह चुप्पी साधी गई है।

हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में देना चाहिए : संतोष वर्मा

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक तथा हिंदी पुस्तक समीक्षा संपन्न

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे पर शुक्रवार को संतोष कुमार वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक/हैदराबाद की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 185वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में डी.एस.रामाराव, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक, डॉ.सी.एच.पद्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सहित सभी शाखा अधिकारियों ने भाग लिया। आशा महेश कुमार, राजभाषा अधिकारी ने अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया।

अध्यक्ष ने कहा कि राजभाषा नियमों के अनुसार धारा 3 (3) के प्रलेखों को अंग्रेजी-हिंदी द्विभाषी रूप में जारी करवाने की जिम्मेदारी उन पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारियों की है। उन्होंने कहा कि हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में देना, हिंदी में मूल पत्राचार को बढ़ाना आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए। मंडल रेल प्रबंधक ने सभी शाखा अधिकारियों से कहा कि संबंधित वेबसाइट में विशेष उपलब्धियां और अद्यतन सूचना रखें और हिंदी में भी उसे अपडेट करें और सभी अधिकारी अपने निरीक्षणों में हिंदी मदों को जोड़ने के लिए नियमित रूप से गूगल शीटों का उपयोग करें। डी.एस. रामाराव, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक ने वर्ष 2025 के लिए राजभाषा दक्षता शील्ड प्राप्त करने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम में हैदराबाद मंडल के लिए लक्ष्य हम प्राप्त कर रहे हैं और इस दिशा में निरंतर प्रगति अपेक्षित है। उन्होंने सभी शाखा अधिकारियों से कहा कि पीसीडीओ/एमसीडीओ द्विभाषी रूप में मंडल रेल प्रबंधक और विभागों के प्रमुख विभाग अध्यक्षों को भिजवाना सुनिश्चित करें। राजभाषा अधिकारी ने पावर पाइंट प्रस्तुति के माध्यम से पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्य और पर ई-ऑफिस पर हिंदी क्विक नोटिंगों का उपयोग करने के बारे में समझाया। राजभाषा अधिकारी ने राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम के आधार पर राजभाषा प्रगति से संबंधित विभिन्न मदों पर चर्चा की और अगली तिमाही की कार्य योजना प्रस्तुत की। बैठक के दौरान मंडल स्तर पर आयोजित हिंदी प्रश्न मंच के विजेताओं को मंडल रेल प्रबंधक द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। बैठक के पश्चात प्रशांत कुमार, वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/हैदराबाद तथा विनोद एन साठे, सहायक मंडल यांत्रिक इंजीनियर/पॉवर/हैदराबाद द्वारा श्री लाल शुक्ल जी द्वारा रचित साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हिंदी उपन्यास 'राग दरबारी' की समीक्षा की गई। राधेश्याम गुप्ता, वरिष्ठ अनुवादक/हैदराबाद के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.